राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12
अंक : 89
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 13 अक्टूबर 2022
मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने अपने स्कूलों के स्टूडेंट्स द्वारा क्यूरेट की गई 30 ई-पत्रिकाएं को किया लॉन्च

पेज 5 पत्नी से विवाद के बाद ससुराल पहुंचे शख्स ने पेट्रोल डालकर खुद को लगाई आग, अस्पताल ले जाते हुए मौत

पेज 7 न्यूजीलैंड में 400 से अधिक व्हेल मछलियों की मौत, शार्क की वजह से नहीं मिली मदद

नोटबंदी पर केंद्र और आरबीआई को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- 9 नवंबर तक बताएं किस कानून से 1000-500 के नोट बंद किए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोटबंदी पर केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक को नोटिस जारी किया है। 5 जजों की संविधान पीठ ने 9 नवंबर तक यह बताने को कहा है कि किस कानून के तहत 1000 और 500 रुपए के नोट बंद किए गए थे। कोर्ट ने सरकार और आरबीआई को हलफनामे में अपना जवाब देने को कहा है।

याचिकाकर्ताओं की दलील है कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 26 (2) किसी विशेष मूल्यवर्ग के करेंसी नोटों को पूरी तरह से रद्द करने के लिए सरकार को अधिकृत नहीं करती है। धारा 26 (2) केंद्र को एक खास सीरीज के करेंसी नोटों को रद्द करने का अधिकार देती है, न कि संपूर्ण करेंसी नोटों को। अब इसी का जवाब सरकार और आरबीआई को देना है। सुप्रीम कोर्ट में इस सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग https://webcast.gov.in/scindia पर हुई थी।

इससे पहले 28 सितंबर को पांच जजों की बेंच ने इस मामले में सुनवाई की थी। तब बेंच ने यह कहकर कार्यवाही को टाल दिया था कि कोर्ट के पास और भी कई महत्वपूर्ण और अधिकारों से जुड़े मामले हैं।

2016 में सरकार के फैसले के खिलाफ दायर हुई थी याचिका

2016 में विवेक शर्मा ने याचिका दाखिल कर सरकार के फैसले को चुनौती दी। इसके बाद 58 और याचिकाएं दाखिल की गईं। अब तक सिर्फ तीन याचिकाओं पर ही सुनवाई हो रही थी। अब सब पर एक साथ सुनवाई होगी। यह सुनवाई जस्टिस एस.अब्दुल नजीर की अध्यक्षता में होगी।

16 दिसंबर 2016 को ही ये केस संविधान पीठ को सौंपा गया था, लेकिन तब बेंच का गठन नहीं हो पाया था। 15 नवंबर 2016 को उस समय के चीफ जस्टिस टीएस ठाकुर ने मोदी सरकार के इस फैसले की तारीफ की थी। चीफ जस्टिस ने कहा था- नोटबंदी की योजना के पीछे सरकार की जो मंशा है वो तारीफ के लायक है। हम आर्थिक नीति में दखल नहीं देना चाहते, लेकिन हमें लोगों को हो रही असुविधा की चिंता है। उन्होंने सरकार से इस मसले पर एक हलफनामा दायर करने को कहा था।

16 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस केस को 5 जजों की बेंच को सौंपा था

सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकीलों ने सरकार की नोटबंदी की योजना में कई कानूनी गलतियां होने की दलील दी थी, जिसके बाद 16 दिसंबर 2016 को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को 5 जजों की संविधान पीठ के पास भेज दिया था। तब कोर्ट ने सरकार के इस फैसले पर कोई भी अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया था। यहां तक कि कोर्ट ने तब नोटबंदी के मामले पर अलग-अलग हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं पर सुनवाई से भी रोक लगा दी थी।

देश में जमा 9.21 लाख करोड़ रु. ब्लैक मनी

2016 की नोटबंदी के समय केंद्र सरकार को उम्मीद थी कि भ्रष्टाचारियों के घरों के गद्दों-तकियों में भरकर रखा कम से कम 3-4 लाख करोड़ रुपए का काला धन बाहर आ जाएगा। पूरी कवायद में काला धन तो 1.3 लाख करोड़ ही बाहर आयाज्मगर नोटबंदी के समय जारी नए 500 और 2000 के नोटों में अब 9.21 लाख करोड़ गायब जरूर हो गए हैं।

दरअसल, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की 2016-17 से लेकर ताजा 2021-22 तक की एनुअल रिपोर्ट्स बताती हैं कि आरबीआई ने 2016 से लेकर अब तक 500 और 2000 के कुल 6,849 करोड़ करंसी नोट छापे थे। उनमें से 1,680 करोड़ से ज्यादा करंसी नोट सर्कुलेशन से गायब हैं। इन गायब नोटों की वैल्यू 9.21 लाख करोड़ रुपए है। इन गायब नोटों में वो नोट शामिल नहीं हैं जिन्हें खराब हो जाने के बाद आरबीआई ने नष्ट कर दिया।

कानून के मुताबिक ऐसी कोई भी रकम जिस पर टैक्स न चुकाया गया हो, ब्लैक मनी मानी जाती है। इस 9.21 लाख करोड़ रुपए में लोगों की घरों में जमा सेविंग्स भी शामिल हो सकती है। मगर उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान इत्र कारोबारी पर पड़े छापों से लेकर हाल में पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी के करीबियों के पड़े छापों तक हर जगह बरामद ब्लैक मनी में 95त्न से ज्यादा 500 और 2000 के नोटों में ही था। आरबीआई के अधिकारी भी नाम न छापने की शर्त पर स्वीकार करते हैं कि सर्कुलेशन से गायब पैसा भले ही आधिकारिक तौर पर ब्लैक मनी न माना जाए मगर आशंका इसी की ज्यादा है कि इस रकम का बड़ा हिस्सा ब्लैक मनी है।

कफ सिरप पीने से 66 बच्चों की मौत का मामला

हरियाणा में मेडेन फार्मा का संचालन रूका; सोनीपत यूनिट में प्रोडक्शन बंद; सील करने की तैयारी

सोनीपत। गांबिया में कफ सिरप से 66 बच्चों की मौत के बाद हरियाणा सरकार भी हरकत में आ गई है। सरकार ने राज्य में मेडेन फार्मा का संचालन रोक दिया है। साथ ही कंपनी की सोनीपत यूनिट में उत्पादन रोकने के आदेश भी जारी किए हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन हरियाणा और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन नॉर्थ जोन गाजियाबाद की टीम की जांच में मिली गड़बड़ियों के बाद सरकार ने यह कार्रवाई की है।

यूनिट सील करने की तैयारी

FDA-CDSCO की जांच रिपोर्ट आने के बाद अब हरियाणा सरकार यूनिट सील करने की तैयारी कर रही है।

विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्र की ओर से भी सरकार को इस मामले में सख्ती बरतने को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार, सरकार यूनिट सील करने के बाद कंपनी का लाइसेंस भी रद्द कर सकती है।

गांबिया में इंपोर्टर लाइसेंस रद्द किया

WHO की कुछ जांचों में मिली त्रिटियों के बाद गांबिया सरकार ने मेडेन कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करनी शुरू कर दी है।

गांबिया के राष्ट्रपति अदामा बैरो के निर्देश पर राष्ट्रीय दवा नियामक को भारत से दूषित दवाओं के पीछे फार्मेसी और इंपोर्टर लाइसेंस को निलंबित करने के लिए अधिकृत किया है। इसमें शामिल लोगों से पुलिस पूछताछ भी की जा रही है।

रेल कर्मियों के बोनस पर मंत्रिमंडल की मुहर लगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज वित्त वर्ष 2021-22 के लिए रेल कर्मचारियों को उत्पादकता आधारित बोनस के भुगतान को कार्योत्तर मंजूरी दे दी। पात्र रेल कर्मचारियों को बोनस का भुगतान प्रत्येक वर्ष दशहरा/पूजा की छुट्टियों से पहले किया जाता है। इस वर्ष भी लगभग 11.27 लाख अराजपत्रित रेल कर्मचारियों को 78 दिन के वेतन के बराबर बोनस की राशि का भुगतान किया जा चुका है। प्रति पात्र रेल कर्मचारी को 78 दिनों के लिए दी जाने वाली अधिकतम राशि 17 हजार 951 रुपये है। उपरोक्त राशि का भुगतान विभिन्न श्रेणियों में किया गया है। जैसे कि- ट्रैक मेंटेनर, ड्राइवर और गार्ड, स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, टेक्नीशियन, टेक्नीशियन हेल्पर, कंट्रोलर, मिनिस्टीरियल स्टाफ और अन्य ग्रुप सी का स्टाफ।

सितंबर में बढ़ी रिटेल महंगाई

सब्जियों और दालों के दाम बढ़ने से महंगाई 7.41 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली। सितंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 7.41 प्रतिशत हो गई। अगस्त में ये 7 प्रतिशत थी। वहीं एक साल पहले यानी सितंबर 2021 में ये 4.35 प्रतिशत थी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स आधारित रिटेल महंगाई दर के आंकड़े बुधवार को जारी किए गए। खाने-पीने का सामान खास तौर पर सब्जियों और दालों की कीमतों के बढ़ने की वजह से महंगाई बढ़ी है।

सितंबर महीने में खाने-पीने की चीजों की महंगाई दर अगस्त के 7.62 प्रतिशत से बढ़कर 8.6 प्रतिशत पर आ गई। जबकि सब्जियों की महंगाई अगस्त के 13.23 प्रतिशत से बढ़कर 18.05 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए, यदि महंगाई दर 7प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपए का मूल्य सिर्फ 93 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए। नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी।

आरबीआई कैसे कंट्रोल करती है महंगाई ?

महंगाई कम करने के लिए बाजार में पैसों के बहाव (लिक्विडिटी) को कम किया जाता है। इसके लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रेपो रेट बढ़ाता है। बढ़ती महंगाई से चिंतित आरबीआई ने हाल ही में रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत इजाफा किया है। इससे रेपो रेट 5.40 प्रतिशत से बढ़कर 5.90 प्रतिशत हो गया है।

रिटेल महंगाई की दर कैसे तय होती है?

कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मैन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 299 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

पूर्वी यूपी में बाढ़ हुई विकराल : 15 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ। प्रदेश के अधिकतर जिलों में 6 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। अभी बारिश से राहत मिलने वाली नहीं है। बुधवार को भी मौसम विभाग ने 15 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। आगरा-गाजियाबाद में सुबह से धुंध छाई है। लखनऊ सहित अधिकांश शहरों में सुबह से धूप निकली है।

बाढ़ से 18 जिलों में 25 लाख आबादी प्रभावित है। वहीं आज सीएम योगी ने बाढ़ प्रभावित जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया। इससे पहले सुबह सीएम ने बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों की लखनऊ में समीक्षा की।

मंगलवार को हुई बारिश की बात करें तो 24 घंटे में 10.2 मिलीमीटर बारिश पूरे प्रदेशभर में रिकॉर्ड की गई। यह अनुमान से 1 प्रतिशत होने से 978 प्रतिशत ज्यादा है।

बाराबंकी में नाव पर जिंदगी गुजारने को मजबूर लोग

बाराबंकी के घाघरा उफान पर हैं। घाघरा के पानी से कई गांवों में बाढ़ जैसे हालत हो गए हैं। तिलवारी गांव में तो हालात इतने भयावह हो गए हैं कि महिलाएं अपने परिवार के साथ नाव पर ही जिंदगी गुजारने को मजबूर हैं। यहां तक कि बाढ़ पीड़ित महिलाएं नाव पर ही चूल्हा जलाकर गीली लकड़ियों से किसी तरह भोजन बना रही हैं। ग्रामीणों ने कहा कि 3-4 दिनों से पानी ज्यादा बढ़ रहा है।

बलरामपुर में बाढ़ की चपेट में अब तक करीब 500 गांव आ चुके है। करीब 5 लाख की आबादी प्रभावित है। बाढ़ के पानी में अब तक 8 लोग बह चुके है।

इसमें 4 लोगों का शव बरामद किया जा चुका है, जबकि 4 लोगों की तलाश जारी है। सड़कों पर बाढ़ का पानी आ जाने से बलरामपुर बढ़नी राष्ट्रीय मार्ग 730, बलरामपुर बहराइच और उतरौला मार्ग पर आवागमन बंद है। तुलसीपुर और उतरौला तहसील जिला मुख्यालय से कटे हुए हैं।

अयोध्या में सरयू अपने बिकराल रूप में हैं। गांव से लेकर शहर तक अब बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। कई कॉलोनियों में बाढ़ का पानी घुस गया है। सरयू नगर में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। सरयू खतरे के निशान से 108 सेमी. ऊपर बह रही है। हर घंटे एक सेंटीमीटर जलस्तर बढ़ रहा है। जिले की तीन तहसीलों के 26 गांव पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। एक ओर जहां लोगों ने पलायन शुरू कर दिया है, वहीं रेस्क्यू टीमें गांव खाली कराने में लगी हैं।

पीठ दिखाकर भागने वाली पुलिस टीम सस्पेंड

सीतामढ़ी में डकैतों को पकड़ने गए थे, भारी पड़े तो भाग खड़े हुए

एजेंसी

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में डकैतों के डर से भागने वाले थानेदार समेत गश्ती टीम को सस्पेंड कर दिया गया। कन्हौली थाना में डकैती की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम डकैतों को पकड़ने गई। जब डकैतों ने पुलिस जीप के आगे बमबारी की तो पुलिस वाले डर के मारे फरार हो गए।

एसपी हर किशोर राय ने इस मामले को लेकर वरीय अधिकारी के आदेश पर थानेदार और महिला कांस्टेबल सहित पूरे गश्ती 5 लोगों की टीम को सस्पेंड कर दिया।

मामले में लापरवाही को देखते हुए कन्हौली के थानेदार प्रवीण कुमार समेत गश्ती टीम में शामिल पदाधिकारी एएसआई प्रमोद कुमार व महिला सिपाही रीता कुमारी, रजनी कुमारी और रंगोली कुमारी को निलंबित कर दिया। कलेक्ट्रेट स्थित

कार्यालय कक्ष में आयोजित साप्ताहिक प्रेसवार्ता में नोडल पदाधिकारी सह डीएसपी मुख्यालय रामकृष्ण ने यह जानकारी दी।

एसपी हर किशोर राय ने बताया कि कन्हौली थाना से 1 किमी से भी कम दूरी में यह वारदात हुई थी। पुलिस ने उचित प्रयास किया गया जिससे वे भागने में सफल रहे। ना ही आमना सामना होने के बाद भी फायरिंग की गई। इसी कारण पेट्रोलिंग टीम के साथ थानेदार को भी निलंबित किया गया है। बता दें, 30

एसपी हर किशोर राय ने बताया कि कन्हौली थाना से 1 किमी से भी कम दूरी में यह वारदात हुई थी

सितंबर की रात कन्हौली थाना क्षेत्र के कन्हौली गांव में हथियारबंद डकैतों ने रिटायर्ड शिक्षक रामस्वरूप मंडल के घर धावा बोलकर लूटपाट की थी। इस दौरान गश्त लगा रही कन्हौली पुलिस की टीम भी वहां पहुंची थी।

उन्हें देखकर डकैतों ने बम विस्फोट करने लगे। गश्ती टीम ने लापरवाही दिखाते हुए डकैतों का सामना करने के बदले पीछे हट गई। जिसके बाद ग्रामीणों ने भी गश्ती टीम के खिलाफ शिकायत की थी। मामले की सत्यता जानने के लिए जांच कराई गई और इसे सत्य पाया गया। इसके बाद कन्हौली थानाध्यक्ष समेत गश्ती टीम के सदस्यों को निलंबित कर दिया गया है।

कर्नाटक में हो रही है नौकरियों की नीलामी : राहुल

नयी दिल्ली। भारत जोड़ो यात्रा की अगवाई करते हुए कर्नाटक में पदयात्रा कर रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार नौकरियों की नीलामी कर रही है और पुलिस सब इंसपेक्टर जैसे मामूली पद पर करीब एक करोड़ रुपए में भर्ती की जा रही है। गांधी ने कहा कि कर्नाटक में लोगों का कहना है कि नौकरियों के नाम पर राज्य में लूट मची हुई है। राज्य सरकार में अलग-अलग पदों के लिए रिश्वत तय है। किस पद पर नौकरी पाने के लिए कितनी रकम देनी है यह तय होता है। कर्नाटक में नौकरियों के लिए कमीशन लिया जा रहा है। सरकारी काम करना है और उसके लिए ठेका देना है तो इसके लिए ठेकेदारों से कमीशन लिया जा रहा है।

सेना भी करेगी ई- वाहनों का इस्तेमाल

नयी दिल्ली। प्रदूषण की बढती समस्या से निपटने के लिए सेना भी इलेक्ट्रिक वाहनों (ई- वाहन) का इस्तेमाल करने जा रही है जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आयेगी और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी।

सेना के अनुसार उसने एक योजना बनायी है जिसके तहत चुनिंदा यूनिटों में 25 प्रतिशत हल्के वाहनों , 38 प्रतिशत बसों तथा 48 प्रतिशत मोटरसाइकिल की जगह ई - वाहन खरीदे जायेंगे। गत अप्रैल में सेना ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के समक्ष इन वाहनों का प्रदर्शन किया था। इस मौके पर ई वाहन बनाने वाली कंपनियों टाटा मोटर्स , परफेक्ट मेटल इंडस्ट्रीज और रिवोल्ट मोटर्स ने अपने वाहन दिखाये थे तथा उनकी क्षमता के बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद इस योजना ने गति पकड़ी और इस दिशा में तेजी से काम हुआ। इस योजना के लिए सैन्य कार्यालयों , पार्किंग और रिहायशी परिसरों में वाहनों की चार्जिंग के लिए स्टेशन बनाये जा रहे हैं। इनमें एक तेज गति से चार्च करने वाला तथा दो से तीन धीमी गति से चार्ज करने वाले स्टेशन होंगे।

बरेली मंडल के प्रभारी मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने ली समीक्षा बैठक

अधिकारियों को सतर्कता बरतने और आवश्यक कार्रवाई करने के दिए निर्देश

संवाददाता/गौरवशाली भारत

लखनऊ। प्रदेश के बरेली मंडल के प्रभारी मंत्री श्री ए.के.शर्मा जी ने बरेली मंडलायुक्त एवं मंडल के चारों ज़िलों के अधिकारियों के साथ वर्षा व जल भराव से उत्पन्न परिस्थितियों की समीक्षा की।

इस दौरान माननीय मंत्री जी की तरफ से प्रशासन को अपने स्तर पर सतर्कता बरतने और आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बरेली की मंडलायुक्त श्रीमती संयुक्ता समद्दर मंडल के चारों जिलों की स्थिति से रूबरू कराया। उन्होंने बताया कि

उनके बरेली मंडल में स्थिति सामान्य है। मौजूदा हालातों को देखते हुए प्रभारी मंत्री श्री ए.के.शर्मा जी ने अधिकारियों को सतर्क रहने के लिए निर्देश दिए। इस दौरान बैठक में ऊर्जा विभाग के उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे। माननीय मंत्री जी ने अधिकारियों को सभी क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति जल्द से जल्द सामान्य किए जाने के निर्देश भी दिए।

फायरिंग में मौत

ऊधमसिंह नगर के काशीपुर में यूपी पुलिस की फायरिंग

जसपुर के ज्येष्ठ प्रमुख की पत्नी की फायरिंग में हुई मौत

एजेंसी

काशीपुर। कुंडा थाना क्षेत्र के भरतपुर गांव में देर शाम सादी वर्दी में दबिश देने आई पुलिस की कारवाई के दौरान हुई फायरिंग में जसपुर ब्लाक के ज्येष्ठ प्रमुख की पत्नी की गोली लगने से मौत हो गई।

मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने कुंडा थाने ले सामने फोरलेन जाम कर दिया। इससे दोनों तरफ वाहनों की जाम गया। जाम की सूचना पर भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया। इस दौरान यूपी पुलिस के पांच जवानों के भी घायल होने की बात सामने आ रही है।

दो गाड़ियों में पहुंचे थे 10 से 12 लोग

बुधवार की शाम दो गाड़ियों पर सादी वर्दी में 10 से 12 हाथों में पिस्टल लेकर कुंडा थाने के ग्राम भरतपुर में ज्येष्ठ प्रमुख गुरताज भुल्लर के घर आ धमके। सादी वर्दी में पिस्टल के साथ

आए लोगों से जब जानकारी ली गई तो उन्होंने अपने को यूपी की एसओजी टीम बताया। टीम ने एक वांछित डंपर चालक की तलाश में आने की बात कही।

कहासुनी के बीच हुई फायरिंग

इस दौरान ज्येष्ठ प्रमुख और टीम के बीच कहासुनी हो गई। बात बढ़ने पर मौके पर फायरिंग हो गई। आरोप है कि यूपी एसओजी की टीम ने इसी दौरान फायरिंग कर दी, जिसमें ज्येष्ठ प्रमुख की पत्नी गुरप्रीत कौर गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई। इस पर उन्हें इलाज के लिए मुरादाबाद रोड एक अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

> डंपर चालक के कुंडा थाने में छिपे होने की सूचना पर टीम ने दबिश दी थी। दबिश के दौरान हुई फायरिंग में पांच जवान भी घायल हुए हैं।
>
> - हेमंत कुटियाल, एसएसपी मुरादाबाद

मौत की सूचना पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने कुंडा थाने के सामने फोर लेन पर जाम लगा दिया।

ग्रामीणों ने मामले में एसओजी टीम के सभी आरोपितों को गिरफ्तारी करने की मांग की। वहीं पुलिस टीम ने भी ग्रामीणों पर आरोप लगाया है कि उनकी फायरिंग में दो पुलिस वाले घायल हुए हैं।

शार्ट न्यूज

असम में तीसरी बार बाढ़ आने से हालात गंभीर

गुवाहाटी। असम के कई जिलों में कल रात भर हुई भारी बारिश से राज्य के कई हिस्सों में तीसरी बार बाढ़ आने से स्थिति गंभीर हो गयी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार बाढ़ की ताजा लहर से अब तक राज्य में लगभग 40,000 लोग इससे प्रभावित हुए हैं। बाढ़ से प्रभावित लोगों ने जिलों में बनाए गए राहत शिविरों में शरण ली है। असम के चार जिलों में करीब 50 गांव कल रात भर भारी बारिश के कारण बाढ़ से प्रभावित हैं। राज्य में भारी बारिश के कारण धेमाजी, लखीमपुर और डिब्रूगढ़ जिले सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए के अनुसार धेमाजी जिले में बाढ़ से 15,084 लोग प्रभावित हैं। बाढ़ का पानी कई जिलों में घुस गया है। लाली नदी में बाढ़ के कारण एक नाव पलट गई। उसमें सवार छह लोगों को बचा लिया है, लेकिन लापता बच्चे की तलाश जारी है। इस बीच, जटिंगा नदी में अचानक आई बाढ़ से असम के दीमा हसाओ जिले के कई इलाके प्रभावित हुए हैं। राज्य में ब्रह्मपुत्र नदी जोरहाट के नीमातीघाट में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। असम और मेघालय में आने वाले दिनों में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

त्रिपुरा में हिंसा के विरोध में मुर्मू के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगी माकपा

अगरतला। त्रिपुरा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दो-दिवसीय दौरे के दौरान बुधवार को आयोजित कार्यक्रमों से विपक्षी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने दूरी बनाए रखने की घोषणा की है। माकपा ने इसकी वजह राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को माना है जिसने पिछले साढ़े चार वर्षों में विपक्ष पर हमलों और हिंसा की वारदातों को अंजाम दिया है। माकपा के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी ने कहा, राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में लिए नेताओं सहित विधायकों और पूर्व सांसदों को आमंत्रित किया गया है, लेकिन पार्टी ने राष्ट्रपति को भाजपा शासन में राज्य की कानून व्यवस्था जानने और हस्तक्षेप करने का संदेश देने के लिए कार्यक्रमों से दूरी बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में भाजपा के शासन के दौरान, विपक्षी दलों पर तीन हजार से अधिक हमले सत्ताधारी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए। जबकि दो हजार से अधिक माकपा कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया। पिछले साढ़े चार वर्षों में माकपा को अपनी राजनीतिक गतिविधियों को करने की अनुमति नहीं दी गई है, लेकिन इस सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। चौधरी ने कहा, राष्ट्रपति के कार्यक्रम में हमारी अनुपस्थिति सरकार को यह संदेश देगी कि त्रिपुरा में कोई लोकतंत्र नहीं है और भाजपा के शासन में गुंडों का शासन चल रहा है और राज्य की जनता एक चुनी हुई सरकार की ऐसी गतिविधियों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

इक्कीस न्यायालय परिसरों में स्थापित होंगे ई-सेवा केन्द्र

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 21 न्यायालय परिसरों में ई-सेवा केन्द्र स्थापित करने के लिए 40.32 लाख रूपए के वित्तीय प्रावधान को मंजूरी दी है। गहलोत के इस निर्णय से न्यायालय परिसरों में कम्प्यूटर, स्कैनर, इंटरनेट कनेक्शन एवं मानव संसाधन सहित विभिन्न कार्य हो सकेंगे। यह केन्द्र अजमेर जिले के बिजयनगर, अलवर, मण्डावर (अलवर), चौहटन (बाड़मेर), तलेरा (बूंदी), सुजानगढ़ (चूरू), सांभर (जयपुर), विराटनगर (जयपुर), दूदू (जयपुर), पोकरण (जैसलमेर), जेजेबी न्यायालय (जैसलमेर), रानीवाड़ा (जालोर), झुंझुनूं, खेतड़ी, चिड़ावा (झुंझुनूं), ओसियां (जोधपुर), सोजत (पाली), राजसमंद, नाथद्वारा, राजसमंद जेजेबी व पारिवारिक न्यायालय परिसरों में स्थापित किए जाएंगे। ई-सेवा केन्द्रों को स्थापित करना आम आदमी के न्याय तक पहुंचने के अधिकार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उल्लेखनीय है कि न्यायालय परिसरों में ई-सेवा केन्द्र स्थापित होने से आमजन को अपने वाद की स्थिति, सुनवाई की अगली तारीख, निर्णयों एवं आदेशों की प्रतियां प्राप्त करने, मामलों को ई-फाइलिंग, ई-स्टाम्प पेपर की ऑनलाइन खरीद, जेल में रिश्तेदारों से मुलाकात के लिए ई-मीटिंग की बुकिंग आदि में सहायता मिल सकेगी।

जयपुर जिले में 267 विद्यालयों में स्थापित किये जायेंगे आई सी टी लैब

जयपुर। राजस्थान में जयपुर के जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने कहा कि जिले में 267 विद्यालयों में आई सी टी लैब स्थापित करने लिये प्रत्येक विद्यालय को 75 हजार 750 रुपये आवंटित किये जायेंगे, जिसके लिये 202.26 लाख रुपये आवंटित करने का सर्वसम्मति से बैठक में अनुमोदन लिया गया। श्री राजपुरोहित ने आज कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित डी.एम.एफ.टी. गवर्निंग काउन्सिल की 6 वीं बैठक में यह बात कही। उन्होंने बताया कि कलक्ट्रेट परिसर में वृक्षारोपण एवं आधारभूत सुविधाओं के लिये एक करोड़ रुपये का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। उन्होंने बताया कि 435 सिलिकोसिस पीड़ित एवं 93 सिलिकोसिस से मृतकों के आश्रित व्यक्तियों को पूर्व में दी गई सहायता राशि 13 करोड़ 27 लाख रुपये का अनुमोदन करवाया गया। जिला कलक्टर ने बताया कि जिले के खनन प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्य करवाये जायेंगे, जिनके लिये 34.70 करोड़ रुपये के कार्यों का अनुमोदन किया गया। बैठक में विराट नगर विधायक इन्द्राज गुर्जर ने क्रमोन्नत विद्यालय में कक्षा कक्षों के निर्माण के लिये राशि दिये जाने की मांग रखी वहीं दूदू विधायक बाबूलाल नागर ने श्मशान, खेल मैदान एवं स्कूलों में कमरों के निर्माण के लिये राशि दी जाने की मांग की।

झुंझुनूं में बस कार की टक्कर में दो की मौत

झुंझुनूं। राजस्थान में झुंझुनूं जिला मुख्यालय के पास दिल्ली हाईवे पर बीड़ के पास आज एक लोक परिवहन बस एवं ब्रीजा कार की आमने-सामने भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई एवं एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बगड़ से झुंझुनूं आ रही ब्रीजा कार को सामने से आ रही एक लोक परिवहन की बस ने जोरदार टक्कर मारी जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। जबकि बस भी पलट गई। बस में सवार एक दर्जन सवारियों के चोटे आई है। कार में दो लोग सवार थे। जिनमें एक झुंझुनूं में कार्यरत स्टेट जीएसटी के ज्वाइंट कमिश्नर सुनील मील का भाई राजकुमार मील एवं दूसरा उसका एक साथी था। सूचना मिलने पर बगड़, सदर और कोतवाली थाने के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। दुर्घटना इतनी भयंकर थी कि दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई कार में फंसे एक मृतक को बाहर निकालने के लिए दो क्रेन बुलाकर उनकी सहायता लेनी पड़ी। सभी को बीडीके अस्पताल लाया गया, जहां दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं डॉक्टर तेजपाल सिंह ने बताया कि मौके पर पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बस को जब्त कर लिया है। हादसे में भाई की मौत की सूचना के बाद स्टेट जीएसटी के ज्वाइंट कमिश्नर सुनील मिल भी अस्पताल पहुंचे जहां उनके साथियों ने उनको ढांढस बंधाया।

किशोरी से अश्लील हरकत करने का बुजुर्ग आरोपी को तीन वर्ष का कारावास

श्रीगंगानगर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में पॉक्सो न्यायालय ने स्कूल में अपनी बेटी के साथ पढ़ने वाली उसकी सहेली के घर दिनदहाड़े जाकर अश्लील हरकत करने के आरोपी 65 वर्षीय बुजुर्ग को तीन वर्ष का कारावास की सजा सुनाई। बालकों का लैंगिक अपराधों से सरंक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट) मामलों की विशेष अदालत (संख्या एक) के न्यायाधीश सुरेंद्र खरे ने आज तीन वर्ष कारावास की सजा देते हुए 45 हजार का अर्थदंड लगाया। आरोपी पीड़ित किशोरी का मुंह बोला नाना था। विशिष्ट लोक अभियोजक गुरुचरणसिंह रुपाणा ने प्रकरण के तथ्यों की जानकारी देते हुए बताया कि सूरतगढ़ शहर थाना में पीड़ित किशोरी की मां द्वारा दी गई रिपोर्ट पर 18 सितंबर 2016 को आरोपी सुंदरसिंह रायसिख (65) के खिलाफ दिनदहाड़े घर में पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने जुर्म प्रमाणित पाए जाने पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ सक्षम धाराओं में चालान पेश किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से प्रकरण की सुनवाई के दौरान 6 गवाह और 9 दस्तावेज साक्ष्य पेश किए गए।

हिमाचल कांग्रेस को बड़ा झटका

प्रियंका गांधी की रैली से पहले 8 नेताओं ने एक साथ पार्टी छोड़ी; प्रदेशाध्यक्ष को सामूहिक इस्तीफा दिया

शिमला। हिमाचल के सोलन में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की 14 अक्टूबर की परिवर्तन प्रतिज्ञा रैली से पहले पार्टी को बड़ा झटका लगा है।

कांग्रेस, युवा कांग्रेस व इंटक के 8 नेताओं ने एक साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इन नेताओं ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह को त्यागपत्र भेजा है।

इन नेताओं ने दिया त्यागपत्र

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव आकाश सैणी, अध्यक्ष युवा इंटक जिला शिमला राहुल नेगी, उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस शिमला शहरी अमित मेहता, सचिव जिला कांग्रेस कमेटी शिमला शहरी भगत सिंह ठाकुर, सचिव जिला कांग्रेस कमेटी शिमला शहरी नरेश कुमार, उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी शिमला शहरी मेहर सिंह कंवर, सचिव जिला कांग्रेस कमेटी शिमला शहरी धीरज कश्यप और सचिव प्रदेश युवा कांग्रेस प्रतीक शर्मा ने सामूहिक तौर पर इस्तीफा दिया है।

हर्ष महाजन के करीबी पार्टी छोड़ने वाले युवा नेता

कांग्रेस छोड़ने वाले नेता पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष हर्ष महाजन के करीबी है। हर्ष महाजन ने दो सप्ताह पहले ही कांग्रेस छोड़ भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा है। अब उनके करीबी 8 कांग्रेस नेताओं ने एक साथ इस्तीफा दिया है।

सक्रिय कार्यकर्ताओं को नहीं मिल रही तरजीह

आकाश सैनी ने बताया कि धरातल पर काम करने वाले सक्रिय कार्यकर्ताओं को पार्टी में तवज्जो नहीं दी जा रही है। कुछ समय से पार्टी में नई परिस्थितियां पैदा हुई है। इन परिस्थितियों में पार्टी में काम करना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि फिलहाल अभी यह तय नहीं है कि किस पार्टी में जॉइन करना है। बीते कल ही कांग्रेस महासचिव धर्मपाल ठाकुर ने भी पार्टी से इस्तीफा दिया है।

वायुसेना के हैरतअंगेज करतब से लोग मंत्रमुग्ध

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के एयर ऑफिसर कमांडि (एओसी) के मुख्यालयों की हीरक जयंती के मौके पर भारतीय वायुसेना के जवानों ने एयर शो में हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर विभिन्न प्रकार के लड़ाकू विमानों ने स्मरणीय करतब दिखाया। जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख क्षेत्र के वायुसेना के विभिन्न सामग्रियों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी थी। एयर शो के दौरान राफेल, एसयू 30 एमकेआई, एमआईजी 29 और जगुआर जैसे लड़ाकू विमान, परिवहन विमान (130 जे सुपर हरक्यूलिस) के अलावा हेलीकॉप्टर (एएलएच ड्रूव, एमआई 17, एएच 64 ई अपाचे और सीएच 47 चिनूक) द्वारा करतब दिखाया गया। इसके साथ ही आकाशगंगा टीम द्वारा स्काइडाइविंग की गयी। इस मौके पर उत्तरी क्षेत्र के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन-चीफ लेफ्टिनेंट उपेंद्र द्विवेदी, एयर मार्शल एस. प्रभाकरन, वेस्टर्न एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ एवं वाइस एयर मार्शल पी. के. वोहरा, जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख हेडक्वार्टर्स के एओसी इन चार्ज मौजूद रहे। इस मौके पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र भी मौजूद रहे। एयर मार्शल प्रभाकरन ने कहा कि मुख्यालय एओसी जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की स्थापना 1962 में हुई थी और तब से इसकी प्राथमिक भूमिका दोनों प्रदेशों में सभी हवाई संचालन का समन्वय करने की रही है। उन्होंने बताया कि एओसी ने 1965 तथा 1971 हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।

अंकिता हत्याकांड के बाद कुमाऊं में 1524 होटलों की जांच

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड में अंकिता हत्याकांड के बाद पुलिस प्रशासन की ओर से कुमाऊं मंडल में होटलों तथा रिसॉर्ट के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया गया। और 1524 होटलों तथा रिसॉर्ट पर छापा मारा गया।

प्रशासन की ओर से इस सभी के खिलाफ जांच कार्रवाई की गयी। इनमें कई में अनियमितता पायी गयी है। आठ होटलों को सीज किया गया है। कुमाऊं परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक डॉ. नीलेश आनंद भरणे की ओर से बुधवार को हल्द्वानी में खुलासा करते हुए कहा गया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर मंडल के पांच जिलों में अभी तक 922 होटलों के अलावा 236 रिसॉर्ट, 338 होमस्टे तथा 28 स्पा सेंटर के खिलाफ जांच कार्रवाई की गयी है। इनमें से 170 होटलों तथा रिसॉर्ट के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। आठ होटलों तथा रिसॉर्ट को सीज कर दिया गया है। इनसे कुल 171500 रूपये की धनराशि अभी तक वसूली गयी है। वहीं, 123 होटलों तथा रिसॉर्ट के खिलाफ पुलिस अधिनियम की धारा 83 और 81 के तहत कार्रवाई की गयी है, जबकि 59 को नोटिस जारी किये गये हैं।

उन्होंने कहा कि 34 होमस्टे तथा चार स्पॉ सेंटर के खिलाफ भी कार्रवाई की गयी है। साथ ही 2345 कर्मचारियों का सत्यापन नहीं कराया गया है। उन्होंने कहा कि आगे भी होटलों तथा रिसॉर्ट में लगातार जांच कार्रवाई की जायेगी और अनियमितता होने पर उनके खिलाफ ठोस कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

ऊधमसिंह नगर में कच्ची शराब के साथ महिला गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर में पुलिस ने बुधवार को कच्ची शराब के साथ एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई अमल में लायी जा रही है। उधमसिंह नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार किच्छा पुलिस की ओर से आज चौकी कलकत्ता फार्म के ग्राम जीरो बंदा नजीबाबाद क्षेत्र में तस्करों के खिलाफ जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने जीरो बंदा, नजीमाबाद निवासी शीला कौर को 100 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से कच्ची शराब बनाने के उपकरण भी बरामद किये गये हैं। आरोपी के खिलाफ किच्छा थाना में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई अमल में लायी जा रही है।

डेरा सच्चा सौदा की चेयरपर्सन बनीं हनीप्रीत

ट्रस्ट के13 सदस्यों की नई सूची वायरल, गुपचुप बदलाव का दावा; मैनेजमेंट ने चुप्पी साधी

हिसार। डेरा सच्चा सौदा सिरसा प्रमुख राम रहीम की धर्मपुत्री एवं मुख्य शिष्या हनीप्रीत के साथ एक ओर नया विवाद जुड़ गया है। डेरा प्रेमियों के एक धड़े फेथ वर्सेज वर्डिक्ट ने दावा किया कि हनीप्रीत को गुपचुप तरीके से डेरे का वाइस पैटर्न और डेरा सच्चा सौदा मैनेजमेंट का चेयरपर्सन बना दिया गया है।

इससे हनीप्रीत को धीरे- धीरे गद्दी का उत्तराधिकारी बनाया जा रहा है। दावा किया गया है कि गुरुग्राम में डेरा प्रमुख की पैरोल के दौरान इसमें बदलाव किए गए। फेथ वर्सेज वर्डिक्ट ग्रुप ने इससे संबंधित कागजात भी वायरल किए हैं। डेरे के प्रवक्ता जितेंद्र खुराना का कहना है कि बहन हनीप्रीत इसां साल 2011 से डेरा सच्चा सौदा की ट्रस्टी है। 2016 से उन्हें बोर्ड ऑफ ट्रस्टी का चेयरपर्सन नियुक्त किया गया था। डेरे की एग्जीक्यूटिव के चेयरमैन पीआर नैन है। एग्जीक्यूटिव कमेटी डेरे का काम देखती है। ट्रस्ट का काम मानवता भलाई के काम होते हैं। डेरे के गद्दी पर गुरमीत राम रहीम ही रहेंगे। कुछ असामाजिक तत्व साध संगत को गुमराह कर रहे हैं और वे डेरा अनुयायी नहीं है।

नए कागजात में डॉ. पीआर नैन चेयरपर्सन नहीं

ट्रस्ट के इन कागजात में डेरे के मौजूदा चेयरपर्सन डॉ. पीआर नैन इंसा का नाम नहीं है। जबकि पीआर नैन को डेरा प्रमुख ने अपनी नौंवी चिट्‌टी में डेरा सच्चा सौदा ट्रस्ट का चेयरपर्सन घोषित किया था। तब डेरा प्रमुख गुरुग्राम में पैरोल पर आया था। उससे पहले विपासना इंसा डेरे की चेयरपर्सन थी। बता दें कि राम रहीम साध्वी यौन शोषण, रणजीत हत्याकांड और पत्रकार छत्रपति की हत्या के मामले में उम्र कैद की सजा काट रहा है। इस समय वह रोहतक की सुनारिया जेल में बंद है।

इन कागजात में लिखा गया है कि यह डीड 21 फरवरी 2022 को ट्रस्ट के निर्माता गुरमीत राम रहीम सिंह इंसां गद्दीनशीन डेरा सच्चा सौदा साउथ सिटी 2 एच ब्लॉक, सेक्टर 50 नजदीक बानी स्कवायर मार्केट, गुरुग्राम जिला द्वारा बनाई गई है।

इस डीड के तहत अमेंडमेंट की जा रही है। डीड क्लॉज 5, सब क्लॉज (2) इस प्रकार बदला जा रहा है। हनीप्रीत इंसा, जो कि गुरमीत राम रहीम सिंह की मुख्य शिष्या व धर्म की बेटी है, मौजूदा चेयरपर्सन बोर्ड ऑफ ट्रस्टी को ट्रस्ट का वाइस पैटर्न यानि की बोर्ड ऑफ ट्रस्टी भी नियुक्त किया जाता है।

जम्मू उपायुक्त के फैसले के खिलाफ राजनीतिक दलों ने खोला मोर्चा

श्रीनगर। जम्मू प्रशासन की ओर से राजस्व अधिकारियों को एक साल से अधिक समय से यहां रहे रहे लोगों को निवास प्रमाणपत्र जारी करने के संबंध में दिये गये निर्देशों के खिलाफ राजनीतिक दलों ने मोर्चा खोल दिया है।

नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) ने सरकार के इस फैसले के खिलाफ जबरदस्त लामबंदी करनी शुरू कर दी है। नेकां ने ट्वीट में कहा सरकार जम्मू कश्मीर में 25 लाख बाहरी लोगों को बसाने की कवायद कर रही है, लेकिन हम इसका पुरजोर विरोध करेंगे। भाजपा चुनाव से डरती है और जानती है कि अगर चुनाव हुए तो वह बुरी तरह से हारेगी।

राज्य के लोग ऐसी कोशिशों को मतपत्रों के माध्यम से जवाब देगी।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि इस तरह के आदेश साफ करते हैं कि केंद्र सरकार की मंशा जम्मू में औपनिवेशिक योजना लागू करना है। जिला निर्वाचन अधिकारी और उपायुक्त जम्मू अवनी लवासा ने मंगलवार को जारी आदेश में कहा था कि जो लोग जम्मू में एक साल से अधिक समय से रह रहे हैं वह मतदाता के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं। इस आदेश के बाद ही जम्मू कश्मीर के राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया और एक के बाद एक बयान आने शुरू हो गये।

मुफ्ती ने ट्वीट किया, भाजपा जम्मू कश्मीर में धार्मिक और क्षेत्रीय विभाजन करना चाहती है, जिसे जम्मू कश्मीर की आवाम को नाकाम करना चाहिए क्योंकि कश्मीरी हो या डोगरा। हमारी पहचान और अधिकार तभी सुरक्षित रह सकते हैं जब हम एकजुट रहें। पीपुल्स कांफ्रेंस ने जम्मू उपायुक्त के फैसले को संदिग्ध बताया है। पार्टी ने कहा उपायुक्त जम्मू द्वारा राजस्व अधिकारियों को एक वर्ष से अधिक समय से जम्मू में रहने वाले बाहरी लोगों को निवास प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत करने का नवीनतम आदेश उन्हें वोट देने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से अत्यधिक संदिग्ध लगता है। यह उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ है। हमारे इस संदेह का सामधान करने की जिम्मेदारी एक बार फिर चुनाव आयोग और जम्मू-कश्मीर प्रशासन पर है। चुनाव आयोग और प्रदेश प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या इस तरह के निर्देश की अनुमति है।

तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने की गांव राजस्व सहायकों पर लाठीचार्ज की आलोचना

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना ईकाई के अध्यक्ष बांदी संजय कुमार ने यहां इंदिरा पार्क में गांव राजस्व सहायकों (वीआरए) पर पुलिस के लाठीचार्ज किये जाने की बुधवार को कड़े शब्दों में भर्त्सना की। कुमार ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे वीआएज़ पर पुलिस द्वारा दिखायी गयी बर्बरता पर कड़ा रूख अपनाते हुए कहा कि आधी रात के समय विभिन्न महिला वीआएज़ को गिरफ्तार किया गया और उन्हें विभिन्न पुलिस थानों में हिरासत में रखा गया। उन्होंने मीडिया के समक्ष अपनी बात रखते हुए कहा कि यह लोग पिछले 79 दिनों से हड़ताल पर है लेकिन टीआरएस सरकार ने इनकी सुध नहीं ली और अब क्रूरता की सब हदों को पार करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों को जेलों में ढूंस दिया गया। इन शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों से बात करने के लिए इंदिरा पार्क आने की जगह सरकार ने पुलिस को वहां भेज दिया और इन्हें जबरन पुलिस थानों में हिरासत में रखकर अपनी क्रूर मानसिकता का ही परिचय दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीआरएस की सरकार हड़ताल के दौरान मारे गये 50 से अधिक वीआरएज़ की मौत के लिए जिम्मेदार है।

बोम्मई ने दलित के घर नाश्ते का लुत्फ

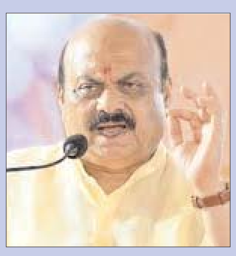

होस्पेट। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई बुधवार को जन संकल्प यात्रा के दौरान होस्पेट के पास कमलापुरा गांव में अंबेडकर नगर में राज्य सरकार की योजनाओं के एक दलित लाभार्थी के आवास पर पहुंचे। श्री बोम्मई सहित अन्य मंत्रियों के लिए लाभार्थी हीरालाल कोल्लरप्पा की दो पुत्रियों हुलिजेम्मा और रेणुका ने केसरीबाथ, मंदाकिकी वोगराने, मिर्ची और उप्पीटू सहित अन्य नाश्ता तैयार किया। पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, जल संसाधन मंत्री गोविंद करजोल और पर्यटन मंत्री आनंद सिघ सहित मुख्यमंत्री का काफिला हीरालाल के आवास पर पहुंचा, जहां उन्होंने लाभार्थी हीरालाल के पारिवारिक सदस्यों द्वारा बनाए गए शानदार व्यंजनों का स्वाद चखा। श्री बोम्मई और अन्य भाजपा नेताओं ने हीरालाल के परिवार के सदस्यों से बातचीत की। बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री को हीरालाल की पोती अश्विनी ताड़कर के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ने का पता चला और उन्होंने इस पर खुशी जताई। उन्होंने कॉलेज में प्रचलित शिक्षा और माहौल के बारे में पूछताछ करने पर अश्विनी को कॉलेज मेस में प्रचलित अत्यधिक दरों को हल करने का आश्वासन दिया।

धामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए 26 अहम फैसले

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। जिसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में छह पुलिस थाने और 20 चौकियों को स्वीकृति सहित 26 अहम फैसले लिए गए।

श्री धामी ने पहले ही इस बात के संकेत दे दिए थे कि जहां-जहां कानूनों में बदलाव करने की जरूरत महसूस होगी वहां जनता के अपेक्षा के अनुरूप सरलीकरण और समाधान किया है इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने बिना किसी देरी के विभिन्न जनपदों में कुल छह पुलिस थाने और 20 नई चौकियों की स्वीकृति दे दी है। राज्य सचिवालय में हुई बैठक में आवास, पेट्रोल पंप का लैंड यूज़ चेंज करने की विसंगति दूर

करने सहित कई अहम फैसले लिए गए।

पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण इन सभी क्षेत्रों को राजस्व पुलिस से हटाकर रेगुलर पुलिस देने को लेकर लंबे समय से मांग उठ रही थी। मुख्यमंत्री ने इस बाबत तत्काल निर्णय लेते हुए पुलिस मुख्यालय के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। बीते दिनों अंकिता भंडारी केस भी राजस्व पुलिस से रेगुलर पुलिस को सौंपा गया और तत्काल मामले में कार्रवाई कर दी गई।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अशोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि कैबिनेट द्वारा छह पुलिस थानों को स्वीकृति दी गई है जिसमें पौड़ी जिले में यमकेश्वर, टिहरी जिले में छाम, चमोली जिले में घाट, नैनीताल जिले में खानस्यूं, और अल्मोड़ा जिले में देघाट और धौली झीना की स्वीकृति कैबिनेट द्वारा दी गई है।

इसी प्रकार 20 पुलिस चौकियां जिनमें देहरादून जिले में लाखामंडल, पौड़ी जिले में बीरोंखाल, टिहरी जिले में गजा, कांडीखाल, चमियाला, चमोली जिले में नौटी, नारायणबगड़ और उर्गम पुलिस चौकी स्वीकृत हुई हैं। इसी प्रकार रुद्रप्रयाग जिले में चोपता, दुर्गाधार, उत्तरकाशी जिले में सांकरी, धौंतरी, नैनीताल जिले में ओखल कांडा, धानाचुली, हेड़ाखान और धारी पुलिस चौकी को स्वीकृति मिली है। इसी प्रकार अल्मोड़ा जिले में मजखाली, जागेश्वर, भौनखाल, चंपावत जिले में बाराकोर्ट पुलिस चौकी को स्वीकृति प्रदान की गई हैं। प्रदेश में इन क्षेत्रों में पुलिस चौकी खुलने से जहां पर्यटक स्थलों पर क़ानून व्यवस्था मजबूत होगी वहीं दूसरी ओर पीक सीजन में जाम की स्थिति में भी निजात मिलेगी। इसके साथ भी पर्यटक स्थलों पर शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर भी कारवाई की जा सकेगी।

यूकेएसएसएससी भर्ती घोटाला : सीबीआई जांच की मांग के मामले में कांग्रेस नेता की याचिका पर सुनवाई पूरी

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) भर्ती घोटाले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबाआई) जांच की मांग को लेकर कांग्रेस नेता एवं विधानसभा में प्रतिपक्ष के उपनेता भुवन चंद्र कापड़ी की याचिका पर बुधवार को सुनवाई पूरी कर ली। न्यायालय इस मामले में कभी भी आदेश पारित कर सकता है।

कापड़ी की ओर से दायर याचिका पर वरिष्ठ न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की एकलपीठ में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि विशेष कार्य बल (एसटीएफ) इस मामले की उचित जांच नहीं कर रही है। संशोधित प्रार्थना पत्र न्यायालय में पेश करने के बाद जांच एजेंसी की ओर से आयोग के पूर्व अध्यक्ष तथा अन्य लोगों की गिरफ्तारी की गयी।

याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि भर्तियों में 2020 में भी गड़बड़ी के मामले सामने आये हैं और मंगलौर तथा पौड़ी में दो मुकदमे दर्ज पंजीकृत हुए थे, लेकिन दोषियों के खिलाफ आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गयी। विपक्ष की ओर से विधानसभा में भी सीबीआई जांच की मांग की गयी।

दूसरी ओर सरकार की ओर से महाधिवक्ता एस.एन. बाबुलकर तथा सरकारी अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह संधु अदालत में पेश हुए और उन्होंने इसका जोरदार विरोध किया। उन्होंने कहा कि एसटीएफ की ओर से 80 प्रतिशत जांच पूरी कर ली गयी है।

जबलपुर में क्लर्क रिश्वत लेते गिरफ्तार

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित जिला अस्पताल विक्टोरिया में पदस्थ एक क्लर्क को लोकायुक्त पुलिस की टीम ने आठ हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। लोकायुक्त एसपी संजय साहू ने बताया कि विनोद अकोटर ने जीपीएफ राशि निकालने के लिए जिला अस्पताल विक्टोरिया के एकाउंट विभाग में आवेदन दिया था। जिस पर यहां पदस्थ नीरज मिश्रा ने 8 हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। विनोद ने आज क्लर्क नीरज मिश्रा को 8 हजार रुपए की रिश्वत दी।

हिमाचल प्रदेश में लंपी वायरस से 7500 पशुओं की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में लंपी वायरस से मरने वालें पशुओं का आंकड़ा 7500 को पार हो गया है। हर दिन लंपी वायरस के कारण करीब 150 पशुओं की मौत हो रही हैं। सरकार और विभाग के सभी इंतजाम लंपी वायरस के सामने धराशायी हो गए हैं। तेजी से बढ़ रहे लंपी वायरस से पशुपालकों की समस्याएं बढ़ रही हैं। पशुपालकों ने सरकार से मांग उठाई है कि वायरस को रोकने के उचित कदम उठाए जाएं। पशुओं की मौत के कारण पशुपालकों को काफी ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा हैं। नुकसान की भरपाई के लिए सरकार मुआवजा भी प्रदान करें। हिमाचल प्रदेश में लंपी वायरस का संक्रमण बेकाबू हो रहा हैं। दिन-प्रतिदिन लंपी वायरस के मामलों में बढ़ोतरी हो रही हैं। पशुपालन विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 1,08,960 पशु लंपी वायरस के कारण संक्रमित हो गए हैं। पशुपालन विभाग की ओर से प्रदेश भर में 2,80,752 पशुओं को वैक्सीन लगाई जा चुकी हैं। लंपी वायरस का संक्रमण प्रदेश के 10 जिलों में फैल चुका हैं। इन जिलों में शिमला, कांगड़ा, सिरमौर, ऊना, मंडी, हमीरपुर, बिलासपुर, कुल्लू सोलन और चंबा जिला हैं। लाहुल-स्पीति और किन्नौर जिले में लंपी वायरस का अभी तक कोई मामला नहीं हैं। पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ प्रदीप शर्मा ने कहा कि लंपी से कमजोर पशु ज्यादा मर रहे हैं। जहां यह वायरस फैला है, वहां पांच किलोमीटर के दायरे में पशुओं को वैक्सीन लगाई जा रही है। हिमाचल प्रदेश में जिन पशुपालकों के पशुओं की लंपी वायरस के कारण मौत हुई हैं। उन पशुओं को मुआवजा नहीं मिल रहा हैं। हिमाचल विधानसभा सत्र के दौरान पशुपालन मंत्री वीरेंद्र कंवर ने ऐलान किया था कि गाय की मौत पर पशुपालकों को 30 हजार का मुआवजा प्रदान किया जाएगा।

सफाई कर्मचारियों की क्रमिक भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

भिवानी। हरियाणा भर के सफाई कर्मचारी अपनी मांगें पूरी न होने से सरकार से खासे खफा हैं। और आंदोलन की घोषणा की है। कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से सरकार के खिलाफ विरोध जता रहे हैं, पर इस बार सफाई कर्मचारियों ने सरकार पर वोट की चोट मारने का बड़ा ऐलान करते हुए आंदोलन की घोषणा की है, जिसके तहत दो दिवसीय क्रमिक अनशन का ऐलान, फिर दो दिवसीय हड़ताल का ऐलान 20 अक्टूबर तक मांगे नहीं मानी गईं तो भाजपा सरकार का हरियाणा से सफाया करने के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करने की चेतावनी भी है। इसी कड़ी में नगर परिषद कार्यालय के समक्ष नगर पालिका कर्मचारी संघ के बैनर तले सफाई कर्मचारियों ने बुधवार को दूसरे दिन भी क्रमिक भूख हड़ताल जारी रखी तथा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान सफाई कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि 20 अक्टूबर तक मांगें नहीं मानी तो आदमपुर उपचुनाव से भाजपा सरकार को हरियाणा से साफ करने के लिए आंदोलन को बिगुल फूंक दिया जाएगा। इस मौके पर पुरुषोत्तम दानव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए हरियाणा में सफाई का ठेका गुजरात की कंपनी दे दिया।

शार्ट न्यूज

दिल्ली विश्वविद्यालय कल्चर कौंसिल की स्टीयरिंग कमेटी गठित

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इसकी कल्चर कौंसिल की स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया गया है। इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए विश्वविद्यालय ने बताया है कि कल्चर कौंसिल के कामकाज के सुगम संचालन के लिए इस संचालन समिति का गठन किया है। कमेटी का चेयर पर्सन विश्वविद्यालय के पीआरओ श्री अनूप लाठर को नियुक्त किया गया है। उनके साथ इकोनॉमिक्स विभाग से प्रो. परमजीत को वाइस चेयर पर्सन नियुक्त किया गया है। कल्चर कौंसिल के डीन प्रो. रविंद्र कुमार हैं। विश्वविद्यालय के खजांची श्री नवल किशोर को कल्चर कौंसिल के खजांची की भी जिम्मेवारी सौंपी गई है। इन पदाधिकारियों के अतिरिक्त फ़ैकल्टी ऑफ म्यूजिक एंड फाइन आर्ट्स की प्रोफेसर अल्का नागपाल, उर्दू विभाग से प्रो. इरतेज़ा क्रीम, एसएससीबीएस की प्रिंसिपल प्रो. पूनम वर्मा, मिरांडा हाउस की प्रिंसिपल प्रो. बिजयलक्ष्मी नंदा, हंसराज कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. रमा, हिन्दू कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. अंजु श्रीवास्तव, ज्वाइंट डीन कल्चर काउंसिल डॉ दीप्ति तनेजा, डिप्टी डीन कल्चर काउंसिल डॉ हेमंत वर्मा, राम लाल आनंद कॉलेज से डॉ प्रेरणा मल्होत्रा और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज से डॉ चारु कालरा को कल्चर कौंसिल की स्टीयरिंग कमेटी के सदस्य नियुक्त किया गया है।

साउथ दिल्ली जागरूकता रैली की शुरुआत

नई दिल्ली। साउथ दिल्ली जागरूकता रैली की शुरुआत बाल विकास धारा के अध्यक्ष देवेंद्र बराल जी के नेतृत्व में बच्चों ने मार्च निकाला जिसमें बालिकाओं ने बाल विवाह मुक्त भारत का संदेश दिया। बाल विकास धारा संस्था ने कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन के सहयोग से दिल्ली के रंगपुरी पहाड़ी क्षेत्र में 16 अक्टूबर को पुरे देश में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी जी के अगुवाई में लांच होने वाली बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के उपलक्ष्य में आज से दिल्ली में बाल विवाह रोकने हेतु एक जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें बाल विवाह मुक्त भारत का संदेश देते हुए बाल बालिकाएं मुहिम चलाएं। इस मुहिम के तहत बाल विवाह करवाना या किसी तरह से सहयोगी बनना जैसे खाना बनाना, पंडित गिरी, फोटोग्राफी, बैंडवाला आदि भी बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत कानूनी अपराध है। हमें संकल्प लेना है कि बाल विवाह न करना है ना करवाना है। अपने आसपास ऐसा होने पर इसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाने में देंगे या चाइल्ड हेल्पलाइन हेल्पलाइन नंबर 1098 पर देंगे। जागरूकता रैली की शुरुआत बाल विकास धारा के अध्यक्ष देवेंद्र बराल जी के नेतृत्व में मार्च निकाला गया जिसमें बाल बालिकाओं ने बाल विवाह मुक्त भारत का संदेश दिया आज से प्रारंभ हुए जागरूकता अभियान 16 अक्टूबर को अधिक से अधिक पूरे देश में बाल विवाह रोकने के लिए मशाल रैली निकाली जाएगी साथ ही इसमें कई संस्थाएं अलग-अलग क्षेत्रों में बाल विवाह रोको का नारा देते हुए मार्च निकाले गए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए देवेंद्र बराल जी ने बाल विवाह रोकने की महत्वाकांक्षा को लोगों को जागरूक किया गया।

उत्तम नगर में कारोबारी की हत्या का मामला, यूपी के कन्नौज से 3 आरोपी गिरफ्तार; 2 हमलावर भी शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली में कपड़ा व्यवसायी की हुई हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। अब पुलिस ने इस मामले के 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि इनमें दो हमलावर भी शामिल हैं। इन सभी आरोपियों को उत्तर प्रदेश के कन्नौज से गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी, द्वारका, एम हर्ष वर्धन ने कहा, बिंदापुर पुलिस थाना क्षेत्र में साड़ी दुकान मालिक की हत्या के मामले में कुल 3 आरोपी जिनमें 2 हमलावर भी शामिल हैं उन्हें उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के सीसीटीवी फुटेज वायरल हुए थे। बताया जा रहा है कि इस हत्याकांड को लूटपाट के दौरान अंजाम दिया गया था। जानकारी के अनुसार उत्तम नगर के मानस कुंज में रहने वाले मोहित अरोड़ा पर बदमाशों ने अभी हाल ही में आधी रात को फायरिंग कर दी थी। घटना के समय वे अपने भाई के साथ स्कूटी से घर जा रहे थे। तभी दो बाइक सवार और उन्हें रोका। एक ने उनपर गोली चला दी थी। घायल हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया था जहां डॉक्टर्स ने अरोड़ा को मृत घोषित कर दिया था।

ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में एजुकेशन जोन-2 के वार्षिक एथलीट मीट का शुभारंभ

बच्चे अपने अंदर का स्पोर्ट्स पर्सन बाहर निकाले, हम भरोसा दिलाते है कभी भी पैसों की कमी उनकी प्रतिभा के आड़े नहीं आएगी

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री व शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया ने बुधवार को ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में एजुकेशन जोन-2 के वार्षिक एथलीट मीट का उद्घाटन किया तथा मशाल जलाकर एथलीट मीट का शुभारंभ किया।

3 दिन तक इस एथलीट मीट में ज़ोन-2 के विभिन्न स्कूलों के 900 से अधिक स्टूडेंट्स भाग ले रहे है। इस मौके पर शिक्षा मंत्री ने एथलीट मीट में भाग ले रहे स्टूडेंट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि यह उभरते खिलाड़ी अपनी मेहनत व प्रतिभा के दम पर आगे चलकर विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में मेडल जीतकर दिल्ली व देश को गौरवान्वित करेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्त्व में दिल्ली सरकार स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने का काम कर रही है। इसका उदाहरण ईस्ट विनोद नगर का मॉडर्न लुक लिए यह स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स है जहाँ आज से 4 साल पहले तक कंकड़ और गड्ढों से भरा एक ट्रैक हुआ करता था लेकिन खेल को बढ़ावा देने के अरविंद केजरीवाल जी के विज़न के साथ यहां अंतराष्ट्रीय स्तर का सिंथेटिक ट्रैक विकसित किया गया व अन्य बहुत सी सुविधाएं विकसित की गई। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने न केवल ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बल्कि दिल्ली के सारे स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स को शानदार बनाने का काम किया है।

सिसोदिया ने कहा कि हमने दिल्ली सरकार के स्कूलों को शानदार बनाने के लिए उनमें जो बदलाव किए और सुविधाएं विकसित की, वैसी ही सुविधाएं अपने खेल के मैदानों को भी शानदार बनाने की लिये विकसित की। उन्होंने कहा कि हमने स्कूलों में भी बेहतरीन खेल सुविधाएं स्थापित की। इसी का नतीजा है कि पहले दिल्ली के जिन स्कूलों को टेंट वाले स्कूल के नाम से जाना-जाता था उन्हें अब स्विमिंग पूल वाले स्कूलों के नाम से जाना जाता है।

उपमुख्यमंत्री ने एथलीट मीट में भाग ले रहे खिलाडियों को संबोधित करते हुए कहा कि, सरकार का काम बेहतरीन सुविधाएं देना है,स्पोर्ट्स टीचर्स का काम बेहतरीन स्पोर्ट्स ट्रेनिंग देना है और बच्चों का मेहनत करके सफल होना है। और सरकार में रहते हुए अरविंद केजरीवाल जी की ओर से मैं सभी बडिंग स्पोर्ट्स पर्सन को भरोसा दिलाता हूँ कि यदि आपमें प्रतिभा है, आप राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी है तो पैसों की कमी से कभी आपको खेल में आगे बढ़ने में बाधा नहीं आएगी।

दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने अपने स्कूलों के स्टूडेंट्स द्वारा क्यूरेट की गई 30 ई-पत्रिकाएं को किया लॉन्च

इस नायाब पहल के तहत, स्टूडेंट्स द्वारा स्टूडेंट्स के लिए जारी की गई पहली ई-मैगज़ीन, पहले अंक का थीम सभी के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार अपने स्कूलों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को एक्सपोज़र देने, लीक से हटकर सोचने और उन्हें वैश्विक मुद्दों के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार नए इनोवेटिव आइडियाज को अपना रही है। उसी के मद्देनजर, शिक्षा निदेशालय ने हाल ही में अपने स्कूलों के स्टूडेंट्स द्वारा क्यूरेट की गई 30 ई-पत्रिकाओं को लांच किया। यह सभी पत्रिकाएं 30 अलग-अलग स्कूलों से संबंधित हैं और एक ऐसी प्रक्रिया स्थापित करने पर फोकस करती हैं जहां बच्चे खुद स्टूडेंट्स मैगज़ीन तैयार करने के साथ-साथ सामाजिक और शैक्षिक महत्व के मुद्दों पर भी अपने विचार रख सके।

बता दे कि ई-मैगज़ीन में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (एसडीजी) का एक अनूठा तत्व है। इसमें विशेष रूप से क्वालिटी एजुकेशन और लैंगिक समानता पर ख़ास जोर दिया गया है। साथ ही राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करने के साथ-साथ स्टूडेंट्स ने इन पत्रिकाओं में एसडीजी पर अपनी राय भी साझा की है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने स्टूडेंट्स के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, स्कूल एक ऐसी जगह है जहां स्टूडेंट्स को जिन्दगी जीने की लर्निंग मिलती है। उन्होंने कहा कि एक सरकार के रूप में, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऐसी पहल को बढ़ावा दे जो स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास में सहायता करें और उन्हें भविष्य के लिए विज़न प्रदान करें। हमारे सामने सबसे बड़ा काम यह है कि हम अपने छात्रों को भावनात्मक रूप से मजबूत होने के लिए तैयार करें और उन्हें उस दुनिया के लिए तैयार करें जो टेक्नोलॉजी के कारण तेजी से बदलाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि इस ई-पत्रिका के माध्यम से, हम अपने छात्रों की प्रतिभा को पहचानने, उनके विचारों, उपलब्धियों और क्रिएटिविटी को डॉक्यूमेंटेड करने का अवसर देना चाहते है। ताकि भविष्य में इन बच्चों के लिए कोई कार्यक्रम तैयार करते समय इसके माध्यम से उनकी जरूरतों को पहचाना जा सकें।

चुनाव जिताने में पंच परमेश्वर की अहम भूमिका : एस राहुल

नई दिल्ली। भाजपा दिल्ली प्रदेश के द्वारा 16 अक्टूबर को रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली पंच परमेश्र्वर सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सरिता विहार में घर - घर पंच परमेश्वरो से जनसम्पर्क किया जा रहा है। इसके साथ ही संगठनात्मक बैठक भी मण्डल अध्यक्ष पवन पाण्डे की अध्यक्षता में हुई। बैठक को पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश मंत्री एस राहुल, ओखला विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी ब्रह्म सिंह, ओखला विधानसभा विस्तारक संजय राय, विधानसभा सह प्रभारी सुनील बिधूड़ी, मण्डल प्रभारी डॉ लेखराज सिंह आदि ने संबोधित किया। प्रदेश मंत्री एस राहुल ने कहा कि चुनाव को जिताने में पंच परमेश्वरो की अहम भूमिका होती है। ये पंच परमेश्वर अपने बूथ पर मजूबत पकड़ रखते है। और बूथ के मतदाताओं से निरन्तर संपर्क में रहते है। और इन्ही पंच परमेश्वरो के सम्मेलन का शंखनाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी करेंगे। दिल्ली के प्रत्येक बूथों पर पंच परमेश्वर बनाये गए है। प्रत्येक बूथ पर पंच परमेश्वर की संरचना में बूथ अध्यक्ष, बूथ पालक, बीएलए- 2, युवा कार्यकर्ता, महिला कार्यकर्ता को रखा गया है। ये बूथ पर काम करने वाले पंच परमेश्वर ही मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अपने-अपने बूथ के मतदाताओं तक पहुचायेंगे। और इसके साथ निगम के कार्यो पर भी चर्चा करेंगे। इस मौके पर जन्मेजय शर्मा, अमित बिधूड़ी, संजीव कौशिक, रमेश यादव, ललित बढ़ाना, जितेंद्र शर्मा, आलोक सिंह ,सुचिता चौधरी, पूनम, शोभा सिंह, सुदेश शर्मा, नीरज दुबे, बलवीर सिंह, आदि मौजूद रहे।

दिल्ली के 17 फीसदी छात्र शराब पीकर चलाते हैं गाड़ी, 42 प्रतिशत बिना हेलमेट के

नई दिल्ली। दिल्ली के कॉलेजों में पढ़ने वाले युवा छात्र सड़क सुरक्षा को लेकर बेहद लापरवाही बरतते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक 17 फीसदी छात्रों ने शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात स्वीकार की है। यह जानकारी सफदरजंग अस्पताल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के एक अध्ययन में सामने आई है। इस अध्ययन में दिल्ली के 5 कॉलेज के 675 छात्रों से सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल पूछे गए थे। चौंकाने वाली बात यह रही कि अध्ययन में शामिल 20 फीसदी लोगों ने पिछले 30 दिनों में सीट बेल्ट न लगाने की बात स्वीकार की।

वहीं, 37.2 फीसदी ने गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करने की बात स्वीकारी। 17.4 फीसदी ने माना कि उन्होंने शराब पीने के बावजूद गाड़ी चलाई। वहीं, दोपहिया वाहन चलाते समय 42 फीसदी ने हेलमेट न पहनने की बात स्वीकारी। अध्ययन में यह भी देखा गया कि शराब पीने वाले लोगों ने सड़क सुरक्षा के नियमों को ज्यादा ताक पर रखा। शोधकर्ताओं ने इसे बेहद चिंताजनक बताया है और छात्रों की समय-समय पर काउंसलिंग की मांग की है।

42 फीसदी हेलमेट नहीं लगाते

अध्ययन में हिस्सा लेने वाल छात्रों की औसत आयु 19.62 वर्ष थी। अध्ययन में लड़कों के मुकाबले लड़कियां ज्यादा शामिल थीं। 52.6 फीसदी लड़कियों और 47.4 फीसदी लड़कों ने सड़क सुरक्षा से जुड़े सवालों के जवाब दिए।

भारत में जर्मनी के राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन ने केजरीवाल से की मुलाकात

दिल्ली के सरकारी स्कूल-अस्पतालों में आए क्रांतिकारी बदलाव के लिए जमकर की तारीफ

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारत में जर्मनी के राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन ने आज दिल्ली सचिवालय में सीएम श्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। उन्होंने दिल्ली के सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में आए क्रांतिकारी बदलाव के लिए मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि भारत में पहली बार शानदार सरकारी स्कूलों को देखकर बड़ी खुशी हुई। पहले इनकी स्थिति बेहद खराब थी।

महज चार-पांच साल में सरकारी स्कूलों में विश्वस्तरीय बदलाव करना बहुत ही आश्चर्यजनक है। मैं सरकारी स्कूल देखना चाहूंगा और हैप्पीनेस क्लास में भी जाना चाहूंगा। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि शिक्षा में सुधार लाने के लिए हमने सरकारी स्कूलों की नई बिल्डिंग्स बनाई।

टीचर-प्रिंसिपल की ट्रेनिंग कराई और शिक्षा पर 25 फीसद बजट खर्च कर रहे हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली और पानी के क्षेत्र में हुए अच्छे कार्य की वजह से देशभर में हमारी सरकार को जाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली की सड़कों को विश्वस्तरीय बनाना चाहते हैं और इस पर जर्मनी के एक्सपर्ट की मदद लेने पर विचार कर सकते हैं। हमारी सरकार वायु प्रदूषण को कम करने के लिए विभिन्न पहलों के साथ ई-बसों और दो-तीन पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है। 2025 तक दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन में 80 फीसद बसें इलेक्ट्रिक की होंगी।

भारत में जर्मनी के राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन ने आज सुबह दिल्ली सचिवालय आकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की और उनके बीच दिल्ली के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर कहा कि भारत में जर्मनी के राजदूत डॉ. फिलिप एकरमैन ने आज दिल्ली सचिवालय में माननीय मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी से मुलाकात की। यमुना की सफाई और दिल्ली की सड़कों को सुधारने को लेकर जर्मनी और दिल्ली आपसी सहयोग के रास्ते तलाशेंगे। जर्मनी के राजदूत ने दिल्ली सरकार के स्कूलों और अस्पतालों में बदलाव लाने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री की सराहना की।

सूचना छिपाने वाले अधिकारियों पर एलजी से कार्रवाई करने का अनुरोध

विधानसभा में प्रश्न पूछने वाले भाजपा विधायकों को मार्शलों से बाहर करवा दिया जाता है: बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि दिल्ली सरकार तानाशाही और मनमाने तरीके से काम कर रही है। केंद्रीय सूचना आयुक्त द्वारा दिल्ली सरकार पर आरटीआई एक्ट के तहत सूचनाएं न देने और गलत सूचनाएं देने का आरोप तो लगाया ही गया है, केजरीवाल सरकार विधानसभा में भी सवालों के जवाब नहीं देती। यह सरकार भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों को छिपाने का काम कर रही है। उन्होंने उपराज्यपाल से अनुरोध किया है कि जो अधिकारी सूचनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। बिधूड़ी ने कहा है कि आरटीआई एक्ट-2005 इसलिए बनाया गया था कि सरकार के कार्यों में पारदर्शिता आ सके, भ्रष्टाचार पर रोक लग सके और सरकारों की कार्यप्रणाली पर जनता की निगरानी हो सके, लेकिन दिल्ली सरकार ने इन सभी नियमों को तिलांजलि दे दी है। यह विडंबना है कि जो लोग आरटीआई का सहारा लेकर दिल्ली की सत्ता में पहुंच गए, वही सूचना के अधिकार की सबसे ज्यादा धज्जियां उड़ा रहे हैं। बिधूड़ी ने कहा कि केंद्रीय सूचना आयुक्त ने जिस तरह के आरोप लगाते हुए उपराज्यपाल को पत्र लिखा है, वह दिल्ली सरकार के लिए बहुत ही शर्म की बात है। दिल्ली सरकार के विभाग या तो जवाब ही नहीं देते और जवाब देते भी हैं तो वे गलत होते हैं। ऐसे विभागों में राजस्व, स्वास्थ्य, बिजली, स्लम और डीएसआईडीसी प्रमुख हैं नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह स्थिति सिर्फ अधिकारियों की नहीं है बल्कि केजरीवाल सरकार स्वयं विधानसभा में विधायकों के अधिकारों का हनन कर रही है। सरकार का यह कर्तव्य है कि वह विधानसभा में सदस्यों को समुचित और सच्ची जानकारी दे लेकिन जब से अरविंद केजरीवाल की सरकार आई है, विधानसभा में सदस्यों के प्रश्न पूछने का अधिकार ही छीन लिया गया है। वर्तमान विधानसभा के पिछले पौने तीन साल के दौरान जितने भी विधानसभा सत्र हुए हैं, उनमें से सिर्फ सात दिन ही प्रश्नकाल रखा गया है।

प्रश्न पूछने वाले भाजपा के विधायकों को मार्शलों के माध्यम से विधानसभा से बाहर करवा दिया जाता है। इसके अलावा भी इस सरकार ने विपक्ष द्वारा प्रस्तुत एक भी विषय पर चर्चा नहीं कराई। केजरीवाल सरकार का यह तानाशाहीपूर्ण, मनमाना और सच्चाई को छिपाने वाला रवैया किसी से छिपा नहीं है। केजरीवाल सरकार सिर्फ एकतरफा प्रचार और दावों के आधार पर चल रही है और अगर कोई इस पर सवाल उठाता है तो उसके सवालों के न तो जवाब दिए जाते हैं और न ही आरटीआई एक्ट के तहत सूचना दी जाती है।

बिधूड़ी ने उपराज्यपाल महोदय से अनुरोध किया है कि केंद्रीय सूचना आयुक्त ने जिन अधिकारियों पर सूचना छिपाने या गलत सूचना देने का आरोप लगाया है, उन सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इन अधिकारियों द्वारा सरकार के निर्देश के कारण ही सही सूचनाएं नहीं दी गई ताकि जनता के सामने सच्चाई न आ सके।

दिल्ली सरकार का श्रमिकों को दिवाली तोहफा, सरकार ने बढ़ाया श्रमिकों का न्यूनतम वेतन, नई दरें 1 अक्टूबर से लागू

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की ओर से श्रमिकों को दिवाली का तोहफा मिला है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शुक्रवार को दिल्ली के अकुशल, अर्ध कुशल और अन्य श्रमिकों का महंगाई भत्ता बढ़ाने का आदेश जारी किया है। साथ ही उपमुख्यमंत्री ने सभी श्रमिकों और कर्मचारियों को बढ़ी हुई दर के साथ भुगतान सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है।

उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि गरीब और मजदूर वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए बढ़ती महंगाई के बीच यह बड़ा कदम उठाया गया है। इसका लाभ लिपिक और सुपरवाइजर वर्ग के कर्मचारियों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि असंगठित क्षेत्र के ऐसे श्रमिकों को महंगाई भत्ते पर रोक नहीं लगाई जा सकती है, जिन्हें सामान्यत- केवल न्यूनतम मजदूरी मिलती है। इसलिए दिल्ली सरकार ने महंगाई भत्ते जोड़कर नया न्यूनतम वेतन की घोषणा की है।

महंगाई भत्ते के तहत अकुशल मजदूरों के मासिक वेतन को 16506 रुपये से बढ़ाकर 16792 रुपये , अर्ध कुशल श्रमिकों के मासिक वेतन को 18187 रुपये से बढ़ाकर 18499 रुपये व कुशल श्रमिकों के मासिक वेतन को 20019 रुपये से बढ़ाकर 20357 रुपये किया गया है। इसके अलावा सुपरवाइजर और लिपिक वर्ग के कर्मचारियों की न्यूनतम मजदूरी की दर बढ़ाई गई है। इनमें गैर मैट्रिक कर्मचारियों का मासिक वेतन 18187 से बढ़ाकर 18499 रुपये, मैट्रिक लेकिन गैर स्नातक कर्मचारियों का मासिक वेतन 20019 से बढ़ाकर 20357 रुपये तथा स्नातक और इससे अधिक शैक्षणिक योग्यता वाले मजदूरों का मासिक वेतन 21756 से बढ़ाकर 22146 रुपये कर दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री श्री सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्त्व में मजदूर भाईयों के हित का ध्यान रखते हुए हमने उनका महंगाई भत्ता बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 2 साल में कोरोना के कारण समाज का हर वर्ग आर्थिक रुप से भी प्रभावित हुआ है। उपर से रोजमर्रा की उपभोग की वस्तुओं के लगातार बढ़ते दाम से लोगों की कमर टूट गई हैं। ऐसे में मैं उम्मीद करता हूं कि इस बढ़ोतरी से मजदूर भाईयों को सहायता मिलेगी।

अंकित शर्मा मर्डर : दिल्ली पुलिस ने मुख्य आरोपी किया गिरफ्तार, शरीर पर थे 51 निशान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मंगलवार को पूर्वोत्तर दिल्ली हिंसा के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में तेलंगाना के मीरपेट से एक प्रमुख आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान 34 वर्षीय मुंजताजिम उर्फ मूसा कुरैशी के रूप में हुई है। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम था। पुलिस ने बताया कि आरोपी 2020 से फरार था और तेलंगाना में छिपा था। बता दें कि 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली हिंसा के दौरान अंकित शर्मा की हत्या कर दी गई थी। शर्मा की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला था कि उनके फेफड़ों और दिमाग पर चोट के कारण उनकी मौत हुई थी। रिपोर्ट में आगे खुलासा हुआ कि अधिकारी पर धारदार हथियारों से हमला किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, मौत का कारण फेफड़ों और दिमाग रपर लगी चोटों से रक्तस्राव था। इसके अलावा कुछ चोटें तेज धार वाले हथियारों से हुई थीं। दिल्ली में हिंसा के दौरान अंकित शर्मा और हेड कांस्टेबल रतन लाल सहित कम से कम 53 लोग मारे गए थे। बता दें कि 23 फरवरी 2020 को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 के समर्थकों और विरोधियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। गुस्साई भीड़ ने घरों में आग लगा दी, वाहनों में आग लगा दी और दुकानों में तोड़फोड़ की।

करवा चौथ स्पेशल फेस्टीवल पर कॉलेज में मेहँदी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

- कॉलेज की छात्राओं ने विभिन्न डिज़ाइनों में रचाई मेहँदी
- मेहँदी प्रतिस्पर्धा में करीब 40 छात्राओं ने लिया भाग
- खामोश और मुस्कान को मिला सांत्वना पुरस्कार

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। करवा चौथ के मांगलिक अवसर पर बुधवार को बैजनाथ चौधरी राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्राओं के हुनर को निखारते हुए प्राचार्या डॉ. अनीता तँवर की अध्यक्षता में महिला प्रकोष्ठ के तहत मेहंदी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महिला प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. सुशीला यादव की देखरेख में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की लगभग 40 प्रतिभागी स्वरुप छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान सभी छात्राओं ने विभिन्न डिज़ाइन सहित अपने हाथों को सुंदर मेहंदी से सजाया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल सदस्य की भूमिका का निर्वहन करते हुए प्रोफेसर संतोष यादव, ममता बायला, सुदेश द्वारा छात्राओं को सिनिअर्स जुनियर वर्ग परिणाम घोषित किया गया। प्रथम स्थान पर रही बीए प्रथम वर्ष की दीपाली, द्वितीय वर्ष संयुक्त रुप से, द्वितीय स्थान पर बीकॉम प्रथम वर्ष की छात्रा वंशिका और बीकॉम प्रथम वर्ष संयुक्त रुप से छात्रा निकिता और तृतीय स्थान हासिल करने वाली बीए प्रथम वर्ष की छात्रा सपना और बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा रानू संयुक्त रूप से विजेता रही। इस दौरान बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा खामोश और बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा मुस्कान को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बैजनाथ चौधरी राजकीय महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनीता तँवर ने बताया कि, मेहंदी लगाना भी एक कला है। पुरातन समय में मेहंदी गोल टिक्के के रूप में लगाई जाती थी। पहले सुविधाओं के अभाव में मेहँदी कीप उपलब्ध नहीं हो पाती थी। माचिस की तीली से सुदंर मेहंदी डिजाइन तैयार की जाती थी। अब वर्तमान समय में मेहँदी प्रोफेशनल तरीके से और विभिन्न डिजाइनों में लगाई जाती है। मेहँदी मांगलिक अवसर पर हाथों की शोभा बढ़ाने के साथ-साथ शादी समारोह सहित विशेष पर्व करवा चौथ उपलक्ष्य महिलाओं की पहली पसंद रही है। इस मेहंदी प्रतियोगिता को करवाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों में छुपी हुई कला को उभारना है। इस कार्यक्रम के अवसर पर समस्त छात्राओं सहित कॉलेज़ स्टॉफ़ उपस्थित रहा।

संपादकीय

नई दिल्ली
गुरुवार 13 अक्टूबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

संपादकीय

बेलगाम बोल

राजनेता सार्वजनिक मंचों से नफ़रती भाषण देने का कोई न कोई मौक़ा निकाल ही लेते हैं

पिछले कई सालों से अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बना कर सत्तापक्ष के लोग भड़काऊ बयान देते आ रहे हैं। यह सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा। कई मामलों में देशव्यापी आक्रोश भी फूटा, कुछ मामलों में मुकदमे भी दायर कराए गए, मगर लगता है, उससे किसी ने कोई सबक नहीं लिया। इससे यही जाहिर होता है कि अब न तो उन्हें सामाजिक ताने-बाने की चिंता है और न कानून का भय। अभी दिल्ली के एक सार्वजनिक मंच से सत्तापक्ष के दिल्ली से एक सांसद और उत्तर प्रदेश में लोनी के विधायक ने अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ जहर उगला। सांसद महोदय ने कहा कि एक विशेष समुदाय का संपूर्ण बहिष्कार जरूरी है।

विधायक ने तो जोश में यहां तक स्वीकार किया कि दिल्ली दंगों के समय वे वहां उपस्थित थे। इन दोनों बयानों का वीडियो तेजी से प्रसारित होना शुरू हुआ तो पुलिस सक्रिय हुई और उस कार्यक्रम के आयोजकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने कार्यक्रम की इजाजत नहीं ली थी। मगर नफरती बयान देने वाले नेताओं के खिलाफ न तो पार्टी ने कोई कड़ा रुख अपनाया है और न किसी कानूनी कार्रवाई की पहल हुई है।

हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब सार्वजनिक मंचों से इस तरह अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ जहर भरे बयान दिए गए। हरिद्वार और उसके बाद दूसरी जगहों पर धर्म संसद आयोजित कर नफरती भाषण दिए गए। कुछ समय पहले नुपुर शर्मा के बयान पर पूरी दुनिया के मुसलिम समाज ने तीखी प्रतिक्रिया जताई थी। उन्हें पार्टी से तो निलंबित कर दिया गया, मगर अभी तक वे कानून के शिकंजे से दूर ही हैं।

कई राजनेता, जो बाकायदा चुनाव जीत कर आए हैं, वे अक्सर सार्वजनिक सभाओं में इस तरह के भड़काऊ भाषण देते देखे जाते हैं, मगर उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होती। इससे भी इन नेताओं का मनोबल बढ़ता है। सार्वजनिक जीवन में प्रतिनिधियों का व्यक्तिगत आचरण बहुत मायने रखता है, मगर इस तकाजे को ये राजनेता शायद नहीं समझते या समझना चाहते।

उन्हें भरोसा है कि इसी तरह के बयानों से उनका जनाधार मजबूत होता है। लोकतांत्रिक मर्यादा की धज्जियां तो पिछले विधानसभा चुनाव के समय भी खूब उड़ी थीं, जब सार्वजनिक मंचों से जहर बुझे तीर चलाए गए थे। दरअसल, जब कोई भी राजनीतिक दल भड़काऊ भाषणों के जरिए ही अपना जनाधार बढ़ाने का प्रयास करे, तो उसमें सांप्रदायिक सौहार्द के लिए कड़े अनुशासन की अपेक्षा धुंधली पड़ जाती है।

चुने हुए प्रतिनिधि किसी एक समुदाय के नहीं होते। उनकी जिम्मेदारी सभी धर्म और समुदाय के लोगों की सुरक्षा, सुविधा और बुनियादी हकों की हिफाजत की होती है। अगर वे ऐसा नहीं कर पाते, किसी समुदाय विशेष को वे खुद डराने का काम करते हैं, तो उनके प्रतिनिधित्व पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अव्वल तो उनके खिलाफ खुद पार्टी को अनुशासनात्मक कदम उठाना चाहिए, ताकि दूसरे नेताओं के लिए नजीर बन सके।

मगर वह ऐसा नहीं कर पाती, तो कानून को स्वतः संज्ञान लेकर सामाजिक ताने-बाने की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। अगर वोट की राजनीति के चलते समाज में नफरत का वातावरण बने, तो इसे किसी भी रूप में लोकतांत्रिक नहीं कहा जा सकता। ऐसी क्या बाध्यता है कि इस तरह के बयानों से सामाजिक समरसता को छिन्न-भिन्न करके ही कुछ लोग अपनी पहचान कायम रखने का प्रयास कर रहे हैं?

देश में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार

बच्चे देश के भविष्य होते है। यदि देश का भविष्य ही कुपोषित रहेगा, कमजोर रहेगा तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना करना बेमानी होगा। देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50त्न बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैंद्य देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता हैद्य देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय अलग खोल के रखा गया है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका हैद्य ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता है। मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय सोचनीय तथा विचारणीय पहलू है। सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैंद्य इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश हैद्य विगत दिनों करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 18 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 16 लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैंद्य जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए । जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101 वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगाद्य पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है जिनमें 1,57 लाख बच्चे अल्प कुपोषित तथा 4,58 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। दूसरे नंबर पर बिहार प्रदेश आता है जहां 5 लाख कुपोषित बच्चे और तीसरे नंबर पर गुजरात प्रदेश होता है जहां 3:30 लाख बच्चे कुपोषित हैं। महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्य प्रदेश बहुत सक्षम और देश के बड़े राज्य हैं, यहां पर स्वास्थ्य विभाग पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, फिर ऐसी क्या वजह है कि बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा तथा चिंताजनक हो गई है। कुपोषित बच्चे भी बड़े होते हैं तो वह कई बीमारियों को लेकर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और इससे उनकी लंबाई तथा स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है देश के 34 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का कद औसत कद से बहुत कम हो जाता है। 21 प्रतिशत बच्चे जो कुपोषण के कारण यदि वह बच भी जाते हैं तो उनका वजन अत्यंत कम हो जाता है। ऐसे कम लंबाई तथा कम वजन के बेचारे बच्चे देश का क्या भविष्य बना पाएंगे या देश में अपना योगदान क्या दे पाएंगे। इसीलिए भारत सरकार राज्य सरकारों को कम से कम बच्चों की तरफ तो ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगीद्य वैश्विक भूख सूचकांक(ग्लोबल हंगर इंडेक्स) के आंकड़ों के हिसाब से 2021 में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है इस मामले में वह अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से काफी पीछे हैद्य इस मामले में भारत 2020 में ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार 94 वें स्थान में था, और आज की स्थिति में 101 वे स्थान में पहुंच गया है।

बुलडोज़र राज : दबंग की छवि के लिये मानवाधिकार को ठेंगा

निर्मल रानी

भारतीय राजनीति का एक दौर वह भी था जबकि राजनेता, जनता के समक्ष एक विनम्र,उदार,सज्जन व मृदुभाषी नेता रूप में अपनी छवि बनाकर रखना चाहते थे। और उनकी कोशिश होती थी कि उनकी वाणी,आचरण तथा कार्यशैली से भी ऐसा ही संदेश जनता तक पहुंचे। यही वजह थी कि ऐसे राजनेता समाज के हर वर्ग में समान रूप से लोकप्रिय हुआ करते थे। परन्तु समय बीतने के साथ साथ न केवल राजनीति का स्वरूप बदलता गया बल्कि राजनेताओं की कार्यशैली उनके स्वभाव उनकी नीयत व नीतियों में भी काफ़ी बदलाव देखा जाने लगा। इसका नतीजा यह हुआ कि आज के राजनेता स्वयं को विनम्र,उदार,सज्जन व मृदुभाषी नेता रूप में पेश करने के बजाये उग्र,आक्रामक,कटु वचन यहां तक कि विभाजनकारी बोल बोलने वाला एवं दबंग नेता के रूप में पेश करने लगे हैं। आज अनेक जनप्रतिनिधि सार्वजनिक सभाओं में खुले आम ग़ैर संवैधानिक बातें करते,अपने समर्थकों को धर्म व जाति विशेष के लोगों के विरुद्ध हिंसा के लिये उकसाते,ज़हर उगलते तथा विद्वेष फैलाते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतें भी इनकी हेट स्पीच से परेशान हैं और कई बार इनपर तल्ख़ टिप्पणियां भी कर चुकी हैं। परन्तु सत्ता के संरक्षण,मीडिया द्वारा ऐसे नेताओं के महिमामण्डन तथा उन्हें शोहरत के शिखर तक पहुँचाने से ऐसे नेताओं को नियंत्रित करने के बजाये उल्टे इन्हें शह मिल रही है और ऐसे नेताओं की तादाद दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।

राजनीति के इसी अंदाज़ ने शासन व्यवस्था में भी अपनी जगह बना ली है। ठोक देंगे,गर्मी निकाल देंगे,खंडहर बना देंगे जैसी तीसरे दर्जे की भाषा का इस्तेमाल अब संवैधानिक पदों पर बैठे राजनेताओं द्वारा किया जाने लगा है। और आक्रामकता के इसी क्रम में जे सी बी यानी बुलडोज़र का भी प्रवेश हो चुका है। किसी अपराध के आरोपी या आरोपियों का मकान,दुकान या किसी धर्मस्थान आदि कुछ भी ढहा देना किसी भी सरकार या शासन के लिये अब आम बात बनती जा रही है। हालांकि पूर्व में भी अवैध इमारतों के गिराये या ढहाये जाने की कार्रवाइयां होती रही हैं। परन्तु इसके लिये सरकार

या संबंधित विभाग को पूरी क़ानूनी प्रक्रिया के दौर से गुज़रना होता है। परन्तु अब तो अदालती आदेशों के बिना ही किसी भी संदिग्ध या आरोपी व्यक्ति का भवन आनन फ़ानन में खंडहर कर देना किसी सरकार के लिये मामूली बात हो गयी है। और यदि ज़्यादा शोर शराबा हो तो सरकार उसे अवैध निर्माण बता देती है। साथ ही यह सन्देश देने की भी कोशिश करती है कि सरकार अपराधियों के प्रति सख़्त है और अपराध के विरुद्ध ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ बुलडोज़र का ध्वस्तीकरण अभियान मध्य प्रदेश होते हुए दिल्ली,गुजरात आसाम और राजस्थान सहित कई राज्यों तक पहुंच चुका है। दंगाइयों व उपद्रवियों के नाम पर आरोपियों के मकान गिराये जा रहे हैं। किसी को अपने नाम के साथ %बुलडोज़र बाबा % लिखे जाने में गर्व है तो कोई %बुलडोज़र मामा % की उपाधि से ख़ुश है। हद तो यह कि राजनेताओं की आक्रामक छवि बनाने के लिये उनकी फ़ोटो के साथ बुलडोज़र के चित्र छपे बड़े बड़े फ़्लेक्स बड़े बड़े शहरों के मुख्य मुख्य चौराहों पर लगाये जाने लगे हैं। इसतरह के इश्तेहारों के माध्यम से भी यही सन्देश दिया जाता है कि देखो उनका नेता कितना सख़्त व दबंग है। इन नेताओं के समर्थक विदेशों में भी बुलडोज़र पर अपने बुलडोज़री नेता के आदम क़द चित्र लगाकर जुलूस निकाल रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि ब्रिटिश प्रधाननमंत्री बोरिस जॉनसन ने जब इसी वर्ष 20-21 अप्रैल को जब भारत का दो दिवसीय दौरा किया तो उन्हें भी अपने भारत दौरे के दूसरे दिन यानी 21 अप्रैल को गुजरात के वड़ोदरा स्थित एक निजी जे सी बी (बुलडोज़र) कम्पनी का दौरा कराया गया और उनका बुलडोज़र पर लटके हुए एक विवादित फ़ोटो शूट कराया गया जिसकी देश विदेशों में बहुत आलोचना भी हुई। अपराधियों के प्रति सख़्ती से पेश आना निश्चित तौर पर बहुत ज़रूरी है। परन्तु आरोपी व अपराधी में अंतर रखना भी बहुत ज़रूरी है। निष्पक्ष होना भी ज़रूरी है। किसी व्यक्ति या समुदाय विशेष के प्रति शासक व शासन द्वारा दुराग्रह रखना भी न्याय संगत नहीं। और ख़ास तौर से ऐसा करते समय पूरी क़ानूनी प्रक्रिया का पालन करने के साथ साथ संबंधित पक्ष के सभी सदस्यों के मानवाधिकारों की रक्षा करना भी बेहद ज़रूरी है। मध्य प्रदेश में तो एक ऐसा मामला भी सामने आया कि धर्म विशेष से सम्बन्ध रखने वाले दंगे के एक आरोपी के जिस मकान को गिराया गया वह उसका मकान भी नहीं था बल्कि वह उस मकान में किराये पर रहता था। इससे बड़ा अन्याय या शासकीय पूर्वाग्रह पूर्ण ज़ुल्म और क्या हो सकता है। यदि मान लिया जाये कि शासन की नज़र में कोई आरोपी ही वास्तविक अपराधी भी है तो भी उसका मकान ध्वस्त कर उसके मां बाप भाई बहन व पत्नी बच्चों को भी घर से बेघर कर देना,यह क़ानून की किस किताब में लिखा है ? सरकार व क़ानून का काम अपराधी को सज़ा देना है न कि उसके पूरे परिवार को ? परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे पूर्वाग्रही शासक जो ग़रीब को रोज़गार मुहैय्या नहीं करा सकते,बेघर को घर नहीं दे सकते वे मात्र अपनी आक्रामक छवि स्थापित करने की ख़ातिर सरकारी मशीनरी का सहारा लेकर आनन फ़ानन में किसी को अपराधी बता कर उसका मकान ध्वस्त कर डालते हैं। भले ही वह मकान आरोपी या अपराधी के नाम है अथवा नहीं ? संभव है कि राजनीति के वर्तमान अंधकारमय युग में दबंग या आक्रामक छवि निर्माण करना और इसके माध्यम से किसी वर्ग विशेष को आहत करते हुए किसी दूसरे वर्ग को ख़ुश करना सस्ती राजनीति की ज़रुरत बन चुकी हो। परन्तु अपनी ऐसी दबंग आक्रामक छवि बनाने के लिये क़ानून,अदालत व मानवाधिकारों को ठेंगा दिखाना क़तई न्याय संगत नहीं।

करवा चौथ : सुहागिनों का सबसे बड़ा त्यौहार

योगेश कुमार गोयल

करवा चौथ पर्व का हमारे देश में विशेष महत्व है क्योंकि विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए पूरे दिन व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल पीकर व्रत खोलती हैं। भारतीय समाज में वैसे तो महिलाएं विभिन्न अवसरों पर अनेक व्रत रखती हैं लेकिन पति को परमेश्वर मानने वाली नारी के लिए इन सभी व्रतों में सबसे अहम स्थान रखता है 'करवा चौथ' व्रत। पति की दीर्घायु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, ऐश्वर्य तथा सौभाग्य के साथ-साथ जीवन के हर क्षेत्र में उसकी सफलता की कामना से सुहागिन महिलाओं द्वारा कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाने वाला यह व्रत अन्य सभी व्रतों से कठिन माना जाता है, जो सुहागिनों का सबसे बड़ा व्रत एवं त्यौहार है। यह व्रत महिलाओं के लिए 'चूड़ियों का त्यौहार' नाम से भी प्रसिद्ध है। महिलाएं अन्न-जल ग्रहण किए बिना अपार श्रद्धा के साथ यह व्रत रखती हैं तथा रात्रि को चन्द्रमा के दर्शन करके अर्ध्य देने के बाद ही व्रत खोलती हैं। यही वजह है कि अखण्ड सुहाग का प्रतीक यह व्रत अन्य सभी व्रतों के मुकाबले काफी कठिन माना जाता है। कहा जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है और सुहागिनें यह व्रत 12-16 वर्ष तक हर साल निरन्तर करती हैं, उसके बाद वे चाहें तो इसका उद्यापन कर सकती हैं अन्यथा आजीवन भी यह व्रत कर सकती हैं। आजकल तो कुछ पुरूष भी पूरे दिन का उपवास रखकर पत्नी के इस कठिन तप में उनके सहभागी बनते हैं।

दिनभर उपवास करने के बाद शाम को सुहागिनें करवा की कथा सुनती व कहती हैं तथा चन्द्रोदय के बाद चन्द्रमा को अर्ध्य देकर अपने सुहाग की दीर्घायु की कामना कर प्रण करती हैं कि वे जीवन पर्यन्त अपने पति के प्रति तन, मन, वचन एवं कर्म से समर्पित रहेंगी। पूजा-पाठ के बाद सुहागिनें अपनी सास के चरण स्पर्श कर उनसे सौभाग्यवती होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

करवा चौथ पर्व के संबंध में वैसे तो कई कथाएं प्रचलित हैं लेकिन सभी कथाओं का सार पति की दीर्घायु और सौभाग्यवृद्धि से ही जुड़ा है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार 'करवा चौथ' व्रत का उद्गम उस समय हुआ था, जब देवों व दानवों के बीच भयंकर युद्ध चल रहा था और युद्ध में देवता परास्त होते नजर आ रहे थे। तब देवताओं ने ब्रह्माजी से इसका कोई उपाय करने की प्रार्थना की और ब्रह्मा जी ने उन्हें सलाह दी कि अगर सभी देवों की पत्नियां सच्चे एवं पवित्र हृदय से अपने पति की जीत के लिए प्रार्थना एवं उपवास करें तो देवता दैत्यों को परास्त करने में अवश्य सफल होंगे। ब्रह्मा जी की सलाह पर समस्त देव पत्नियों ने कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को यह व्रत किया और रात्रि के समय चन्द्रोदय से पहले ही देवता दैत्यों से युद्ध जीत गए। तब चन्द्रोदय के पश्चात् दिनभर की भूखी-प्यासी देव पत्नियों ने अपना-अपना व्रत खोला। ऐसी मान्यता है कि तभी से इसी दिन करवा चौथ का व्रत किए जाने की परम्परा शुरू हुई। करवा चौथ के व्रत के संबंध में अनेक प्रचलित कथाओं में से एक महाभारत काल से जुड़ी है। कहा जाता है कि एक बार धनुर्धारी अर्जुन तप करने के उद्देश्य से नीलगिरी पर्वत पर गए तो द्रोपदी बहुत चिंतित हुई। उसने विचार किया कि यहां हर समय कोई न कोई संकट आता ही रहता है, इसलिए अर्जुन की अनुपस्थिति में इन संकटों से बचने के लिए क्या उपाय किया जाए ?

आवारा जानवरों की समस्या को सरकार और पशु प्रेमी गंभीरता से क्यों नहीं लेते?

योगेन्द्र योगी

वंदे भारत ट्रेन के भैंस से टकराने पर महज भैंस मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह महज एक हादसा भर नहीं है, बल्कि देश में कुप्रबंधन के प्रमाण हैं। ऐसी घटनाओं से देश-विदेश में भारत की कितनी किरकिरी होती है, नीति नियंताओं को शायद इसका अंदाजा नहीं है।

देश के होनहार इंजीनियरों ने अत्याधुनिक रेलगाड़ी बनाते वक्त कल्पना भी नहीं की होगी कि उनकी टेक्नोलॉजी की ऐसी दुर्दशा भी हो सकती है। भैंसों का झुंड अत्यंत मेहनत और लगने से विकसित की गई आधुनिक तकनीक की धज्जियां भी उड़ा सकता है। तूफानी रफ्तार ट्रेन को पटरी से उतार सकती है। अहमदाबाद के पहले बटवा और मणिनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से भैंस टकरा गई थी। देश की पहली हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस अभी तीन रूटों पर चल रही है। देसी बुलेट ट्रेन कही जाने वाली वंदे भारत ट्रेन लगातार दूसरे दिन जानवरों से टकराने से हादसे का शिकार हुई।

वंदे भारत ट्रेन के भैंस से टकराने पर महज भैंस मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह महज एक हादसा भर नहीं है, बल्कि देश में कुप्रबंधन के प्रमाण हैं। ऐसी घटनाओं से देश-विदेश में भारत की कितनी किरकिरी होती है, नीति नियंताओं को शायद इसका अंदाजा नहीं है। यह दुर्घटना बताती है कि भारत में सार्वजनिक स्थानों पर शासन-प्रशासन कैसे चलता है। भैंस ही नहीं बल्कि दूसरे पालतू जानवरों को भी इस देश में खुलेआम घूमने की आजादी है। फिर चाहे वह स्थान ट्रेन की पटरी हो, सड़क हो, राजमार्ग या राष्ट्रीय राजमार्ग हो। भटकते जानवरों से हवाई अड्डे तक अछूते नहीं हैं। इसी वर्ष 19 जुलाई को एक आवारा कुत्ते के लद्दाख एयरपोर्ट पर रनवे पर आ जाने से लेह-दिल्ली जाने वाली फ्लाइट को निर्धारित वक्त पर उड़ान स्थगित करनी पड़ी थी।

देश में यूं तो सार्वजनिक समस्याओं का अंबार लगा हुआ है पर खुले रूप से घूमते जानवरों की समस्या आजादी के बाद से कभी खत्म नहीं हो सकी। यह समस्या बढ़ती ही जा रही है। आवारा जानवरों की समस्या को पशु प्रेमी और सरकारों ने कभी गंभीरता से नहीं लिया। पशुओं के प्रति क्रूरता के मामलों में जितनी सजगता और सतर्कता बरती जाती है, उतनी कभी उनके पुनर्वास पर नहीं बरती जाती।

अन्य समस्याओं की तरह देश का आम नागरिक इन जानवरों की समस्या से त्रस्त है, पर सवाल यही है कि आखिर वे कहें तो कहें किससे। सड़क या दूसरे सार्वजनिक स्थानों पर घूमते जानवरों के प्रबंधन का दायित्व स्थानीय निकायों का होता है। निकायों की हालत किसी से छिपी हुई नहीं है। देश के ज्यादातर निकाय माली हालत का शिकार हैं। निकायों में वित्तीय संसाधनों के अलावा मैन पावर की भारी कमी है। विशेष कर मैट्रो और दूसरे बड़े शहरों की तुलना में निकायों के कामकाज की हालत ऊंट के मुंह में जीरे जैसी है।

एक बीमा कंपनी की रिपोर्ट %एको एक्सीडेंट इंडेक्स 2022% के अनुसार, देश में सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण जानवर थे। देश के महानगरों में जानवरों के कारण होने वाले दुर्घटनाओं में कुत्तों के कारण 58.4 प्रतिशत तथा इसके बाद 25.4 प्रतिशत दुर्घटनाएं गायों के कारण हुईं। खासकर चेन्नई में जानवरों के कारण सबसे अधिक 3 प्रतिशत से ज्यादा दुर्घटनाएं दर्ज हुई हैं। आश्चर्यजनक बात यह है कि चूहों के कारण 11.6 प्रतिशत दुर्घटनाएं हुईं।

दिल्ली और बैंगलुरू में जानवरों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या 2 प्रतिशत थी।

जानवरों से टकराने की ऐसी दुर्घटनाएं न सिर्फ यात्रियों के लिए जान जोखिम में डालने वाली हैं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारी किरकिरी होती है।

अगर साइबर अपराधियों से बचना चाहते हैं तो मजबूत रखें पासवर्ड

अगर आप कमजोर पासवर्ड रखते हैं, तो निश्चित रूप से यह भेदा जा सकता है। ऐसे कई लोग अपना नाम रखकर 123 रख देते हैं, जैसे राहुल 123। इसी प्रकार से कई लोग अपनी डेट ऑफ बर्थ को लगा लेते हैं, तो इस तरह के सिंपल पासवर्ड ट्रैक करने में साइबर टीम में को जरा भी दिक्कत नहीं होती है। आज की दुनिया पूरी तरह से डिजिटल हो चुकी है, केवल एक हिस्सा नहीं बल्कि संपूर्ण डिजिटल हिस्सा आजकल पासवर्ड पर डिपेंडेंट हो गया है। आप चाहे अपना ईमेल लॉग इन करें, चाहे अपना कोई सोशल मीडिया अकाउंट लॉगिन करें, यहां तक कि आपका फोन और दूसरे एप्लीकेशंस तक पासवर्ड पर डिपेंडेंट हो गए हैं। ऐसे में सभी के सामने बड़ा प्रश्न होता है, कि क्या वास्तव में तमाम साइबर क्रिमिनल आपके पासवर्ड को भेद सकते हैं ? आपके पासवर्ड को जान सकते हैं ? तो इसका जवाब हां में है। अगर आप कमजोर पासवर्ड रखते हैं, तो निश्चित रूप से यह भेदा जा सकता है। ऐसे कई लोग अपना नाम रखकर 123 रख देते हैं, जैसे राहुल 123। इसी प्रकार से कई लोग अपनी डेट ऑफ बर्थ को लगा लेते हैं, तो इस तरह के सिंपल पासवर्ड ट्रैक करने में साइबर टीम में को जरा भी दिक्कत नहीं होती है। ऐसे में अगर आप अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स यहां तक कि बैंकिंग और दूसरी डिटेल्स को सिक्योर रखना चाहते हैं तो आपको अपना पासवर्ड बेहद सुरक्षित रखना होगा। यह जान लीजिए कि स्ट्रांग पासवर्ड आसानी से पता नहीं लगाया जा सकते और अपेक्षाकृत यह थोड़ा लंबे होते हैं और क्रैक नहीं किए जा सकने वाले होते हैं। इतना ही नहीं इसमें अपर केस लोअर केस और नंबर के साथ साथ स्पेशल कैरक्टर्स भी शामिल रहते हैं, ऐसे में जब यह सब मिलाकर आप स्ट्रांग और यूनिक पासवर्ड बनाते हैं तो यह किसी के द्वारा भी भेदा जाना मुश्किल होता है। एक और बड़ी गलती जो लोग करते हैं कि पासवर्ड तो वह स्ट्रांग जरूर बना लेते हैं, लोग लेकिन उसे कहीं नोट कर के रख देते हैं।

करवा चौथ पर्व नारी शक्ति और उसकी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण

आधुनिक होते समाज में भी महिलाएं पूरी निष्ठा भावना एकाग्र चित्त से पति की दीर्घायु कामना से व्रत ज़रूर करती है - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - भारत एक आस्थावान व धर्म प्रधान देश है। यहां हजारों वर्षों से कई मान्यताएं जो कई सदियों पूर्व से हमारे पूर्वजों के द्वारा देखा, महसूस किया या सुना हुआ किस्सा अपनी अगली पीढ़ियों को श्रद्धा पूर्वक सौंपा गया और आज अनेकता में एकता का धनी भारतवर्ष अपने गौरवमई परंपरा को कायम रखते हुए हर त्यौहार को बहुत श्रद्धा भाव उत्साह के साथ मना कर बैंकुठ लोक से देख रहे अपने पूर्वजों का सम्मान बढ़ा रहे हैं ऐसा मेरा मानना है। चूंकि 13 अक्टूबर को महिलाएं पूरी निष्ठा, भावना, एकाग्र चित्त से पति की दीर्घायु कामना के लिए व्रत रख करवा चौथ मना रही है इसलिए हम सबसे पहले हम नारी शक्ति को सैल्यूट करेंगे कि, त्याग बलिदान सहनशक्ति की मूर्त नारी हर रिश्ते को बखूबी निभाती है चाहे वह बेटे का हो या फिर बहन पत्नी मां बहू सांस हर रिश्ते को बखूबी निभाती है। आज उसने पति के लिए करवा चौथ व्रत रखा है इसलिए हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर इस विषय पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम करवा चौथ की करें तो करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता हैं और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति और् उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण हैं। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फ़िर वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है ।आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है।

साथियों बात अगर हम करवा चौथ पर्व मनाने की करें तो करवा चौथ का त्योहार हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखता है। यह त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए प्रेम, त्याग और समर्पण का प्रतीक माना गया है। इस त्योहार में महिलाएं सुबह से व्रत का संकल्प लेते हुए शाम को चंद्रमा के दर्शन और पूजा के बाद व्रत तोड़ती हैं। यह पर्व हर वर्ष कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। यह व्रत सुहागन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना के लिए रखती हैं। करवा चौथ के व्रत में चंद्रमा की विशेष पूजा की जाती है और चंद्रमा की पूजा के बाद ही व्रत का समापन होता है। इसी दिन सभी सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुखमय दांपत्य जीवन के लिए विधि विधान से व्रत रखती हैं। यह निर्जला व्रत महिलाओं के लिए सबसे कठिन व्रत कहा जाता है, रात में चांद को अर्ध्य देकर महिलाएं अपना व्रत संपन्न करती हैं। बता दें कि मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से महिलाओं को अखंड सौभाग्य का वरदान मिलता है। करवा चौथ पर गणेश जी, शंकर-पार्वती, करवा माता के अलावा चंद्रमा की पूजा का विशेष महत्व है।इस साल करवा चौथ पर कई अति दुर्लभ योग बनेंगे, जिसमें व्रत का फल दोगुना प्राप्त होगा।

करवा चौथ का व्रत हर सुहागि?न स्?त्री रखती है ताकि उनके पति की लंबी उम्र हो और वह स्?वस्?थ रहें।व्रत की यह परंपरा सदि?यों से चलती आ रही है। कहते हैं कि? यह व्रत देवताओं की पत्नियों ने भी रखा था। और तो और महाभारत काल में भी इस व्रत का प्रसंग मि?लता है। देशभर में करवा चौथ की धूम देखने को मिली है, इसी के साथ विदेशों में भी भारतीय मूल के लोगों ने पूरे रीति रिवाज से करवा चौथ मनाया है।

अन्य त्योहारों की तरह ही करवा चौथ भी हिन्दुओं का सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है और ये त्योहार भारत के हर राज्यों में विभिन्न तरीकों से सेलिब्रेट किया जाता है। थाली सजाने के तरीके से लेकर पूजा पाठ के तरीकों तक, इस त्योहार भारत के अलग अलग राज्यों अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम करवा चौथ को लेकर कई प्राचीन कथाओं की करें तो वैसे कई प्राचीन कथाएं प्रचलित है। इन्हीं में एक कथा के अनुसार, करवा चौथ व्रत की परंपरा की शुरुआत देवी-देवताओं से समय से ही हुई थी। मान्यता है एक बार देवताओं और दानवों से बीच कई दिनों तक युद्ध हुआ। युद्ध में देवताओं को हार का सामना करना पड़ रहा था। तब सभी देवता ब्रह्मदेव के पास पहुंचे और रक्षा की प्रार्थना की। ब्रह्मदेव ने संकट से बचने और दानवों से युद्ध में विजय पाने के लिए देवातओं को अपनी अपनी पत्नियों से व्रत रखने के लिए कहा। ब्रह्मदेव बोले-पत्नियां यदि व्रत रखकर सच्चे मन से उनकी विजय प्राप्ति की प्रार्थना करेंगी तो निश्चय ही उन्हें युद्ध में विजय हासिल होगी।

ब्रह्मदेव का सुझाव पाकर सभी देवताओं की पत्नियों ने पति की प्राण रक्षा और युद्ध में विजय प्राप्ति के लिए व्रत रखा।

यह दिन कार्तिक माह की चतुर्थी का दिन था। पत्नियों ने व्रत रखकर पतियों के लिए विजय प्राप्ति की प्रार्थना की। पत्नियों की प्रार्थना स्वीकार हो गई और देवताओं ने युद्ध में दानवों को हरा दिया। विजय प्राप्ति की सूचना पाकर ही पत्नियों ने व्रत खोला। तब चंद्रोदय हो गया था। तब से ही करवा चौथ मनाए जाने की परंपरा शुरू हो गई।

गलती करो पर पछतावा नहीं

गलती करो पर पछतावा की जगह,
उस गलती से सीखो, पछतावे के दर्द
में रोने की जगह, बल्कि उसे ठीक
कर, अपनी साहस की कहानी
लिखो।

गलती किससे होती नहीं,
दर्द के बोझ को हृदय में ना रख कर,
पहचानो क्या है गलत और सही,
जिंदगी भर गलती का भार उठाने से
अच्छा, परखो कहां-कहां गलतियां
हो रही।

कदम उठाए हैं तो बहकना भी
लाजमी है, पर वक्त रहते खुद को
संभाल लो, स्वयं की कमियां भी
तराशनी है, स्वयं से घृणा करने की
जगह, स्वयं को सही दिशा में ढाल
लो।

गलत हो तब,जब गलती का
एहसास ना हो, एहसास होना तो
मानवता की निशानी है, गलती पर
पर्दा या लिबास ना हो, उसे डालने
की जगह, स्वयं में से वह गलती को
निकालनी है।

गलती करो पर पछतावा की जगह,
उस गलती से सीखो, पछतावे के दर्द
में रोने की जगह, बल्कि उसे ठीक
कर, अपनी साहस की कहानी
लिखो।।

शार्ट न्यूज

जेठ ने भाई की प्रेग्नेंट बीवी को उतारा मौत के घाट, साली को भी कुल्हाड़ी से काट डाला

जरीफनगर। बदायूं में दो भाइयों ने मिलकर अपने छोटे भाई की पत्नी और उसकी बहन की हत्या करने का मामला सामने आया है। इस घटना के पीछे पारिवारिक विवाद सामने आया है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ये मामला जिले के जरीफनगर थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव का है। कमल सिंह और उनके भाई अलग-अलग घरों में रहते हैं। कमल हरियाणा में रहकर मजदूरी का काम करता है। वहीं उसकी 35 वर्षीय पत्नी लज्जालती और 10 वर्षीय साली मंजू गांव में ही जेठ-जेठानी के घर के पास अपने छप्पर के घर में रहती थीं। बीती रात कमल सिंह के दो भाई देवराज उर्फ जडैल और बहोरी ने धारदार हथियार से प्रहार कर दोनों बहनों की हत्या कर दी। घटना के पीछे की वजह बताई जा रही है कि मंगलवार को जनरल सिंह और बहोरी की पत्नियां अपने-अपने पतियों से झगड़ बैठीं थीं। झगड़े के बाद दोनों पत्नियों ने पुलिस को शिकायत की। पुलिस ने दोनों को थाने ले आयी। कुछ देर बाद दोनों पत्नी माफी मांगते हुए अपने-अपने पतियों को थाने से लेकर घर पहुंची। लेकिन इसके बाद दोनों पत्नियां मायके चली गयी। पत्नी के साथ हुए झगड़े से नाराज जनरल सिंह और बहोरी ने अपने छोटे भाई की पत्नी और उसकी साली को खुरपी और कुल्हाड़ी से काट डाला घटना को अंजाम देने के बाद दोनों भाई मौके से फरार हो गये। पुलिस मामला दर्ज करते हुए आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन किया।

सहारनपुर : गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों के पास से मिली संदिग्ध सामग्री

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े होने के शक में सहारनपुर से गिरफ्तार किये गये आठ संदिग्धों के पास से उत्तर प्रदेश एटीएस ने पेन ड्राइव और मोबाइल फोन से आतंकवाद संबंधी साहित्य बरामद किया है। एटीएस सूत्रों ने बुधवार को दावा किया कि इस साहित्य से लोगों के दिमाग में जिहाद और आतंकवादी गतिविधियों की जानकारियां दी जा रही थी। ये लोग मोबाइल एप के जरिए एक-दूसरे के संपर्क में रहते थे। गौरतलब है कि एटीएस ने आतंकी संगठन 'अलकायदा इंडियन सब कांटीनेंट' जिसका उपनाम अलकायदा-बर्र-ए-शरीफ है, उसके सहयोगी आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिद्दीन से जुड़े आठ संदिग्ध लोगों को कल गिरफ्तार किया था। इनमें से चार संदिग्ध सहारनपुर जिले के रहने वाले थे। जिले के थाना गागलहेड़ी निवासी लुकमान के पास से जिहादी साहित्य की चार किताबें बरामद हुई हैं। इनके पास से पेन ड्राइव और अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं। ये लोग मदरसों में पढ़ाई करने के नाम पर इधर-उधर रह रहे थे। इनमें से अब्दुल तल्हा और अहसान ने मदरसे में ही शरण ली हुई थी। अब्दुल तल्हा 11 माह तक गागलहेड़ी क्षेत्र के एक मदरसे में शिक्षक रहा है। यहां रहने के दौरान उसने खुद को बंगाल का निवासी बताया था। एटीएस इन सभी से पूछताछ के आधार पर अभी और जगहों पर छापेमारी कर सकती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इन संगठनों का बड़ा नेटवर्क बना गया है।

आकाशीय बिजली की कड़क से धराशाई हुआ मकान, एक दर्जन घायल

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश में आजमगढ़ जिले के महाराजगंज ब्लॉक के गोसाईंपुर ग्राम सभा में बीती देर शाम हरिजन बस्ती का एक मकान आकाशीय बिजली की कड़क से धराशाई हो गया, जिसके मलबे में दबने से दर्जन भर लोग घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को बताया कि अनुसार घायलों का इलाज महाराजगंज व जिला मुख्यालय के निजी अस्पताल में चल रहा है। इस मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लेकर आजमगढ़ जिला प्रशासन को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। योगी ने हादसे में घायल लोगों का समुचित उपचार कराए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना लगते ही नायब तहसीलदार सगड़ी विनय प्रभाकर व थाना प्रभारी कमल कांत वर्मा ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त मकान का निरीक्षण किया। उन्होंने उपचार केंद्र जाकर घायलों का हालचाल लिया। धराशाई मकान की मालिक प्रिया देवी ने बताया कि घटना के वक्त समूह की महिलाओं और पुरुषों की बैठक चल रही थी। बैठक में कुल 15 लोग मौजूद थे। बैठक समापन के बाद सब जाने की तैयारी में थे, तभी बारिश शुरू हो गई। लोग बारिश से बचने के लिए ईंट व गारे से बने छप्पर में चले गए, बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की तेज आवाज से छप्पर भरभरा कर गिर गया। जिसके नीचे दबकर सभी घायल हो गए। मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार व पुलिस प्रशासन ने घायलों की यथा संभव मदद का भरोसा दिया।

झांसी : पुलिस ने डकैती की वारदात को अंजाम देने से पहले बदमाशों को किया गिरफ्तार

झांसी। उत्तर प्रदेश में मऊरानीपुर के लहचूरा थानाक्षेत्र में पुलिस को डकैती की योजना को अंजाम देने की तैयारी में जुटे छह बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। यहां पुलिस लाइन में बुधवार को संवाददाताओं को इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक-नगर (एसपी-सिटी) आर एस राय ने बताया कि लहचूरा पुलिस प्रभारी निरीक्षक अमरनाथ के नेतृत्व में जब पुलिस टभ्म अपराधियों की तलाशी अभियान में जुटी थी उसी समय जानकारी मिली थी कि कुछ बदमाश सुखनई और धसान नदी के बीच जंगल में एक झोपड़ी में असलहा के साथ मौजूद हैं और किसी बड़ी योजना को अंजाम देने की तैयारी में लगे हैं। सूचना पाकर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर छह बदमाशों बृजेंद्र कुशवाहा निवासी नई बस्ती, आकाश उर्फ राहुल उर्फ भोला निवासी पंचवटी झांसी, देवेंद्र कुशवाहा निवासी पठोरिया दतिया गेट, मुकेश अहिरवार रोरा लहचूरा, नारायणदास कुशवाहा मातवाना निवासी बरूआसागर और धर्मेंद्र कुशवाहा निवासी शिवाजी नगर को गिरफ्तार किया। एसपी सिटी ने बताया कि बदमाशों के पास से दो बंदूक, एक एयर गन, एक तमंचा, कारतूस और छुरा बरामद किया गया। गिरफ्तार बदमाशों में से बृजेंद्र, आकाश और नारायण दास पर इससे पहले भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पूछताछ मे बदमाशों ने माना कि वह पास के गांव में डकैती डालने वाले थे।

देश का युवा वर्ग है भाजपा की रीढ़ : दिनेश शर्मा

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिनेश शर्मा ने देश के युवा वर्ग को पार्टी की रीढ़ बताते हुए कहा है कि युवा वर्ग को प्रशिक्षण देकर राष्ट्र का सच्चा सिपाही एवं जनता के प्रति जवाबदेह बनाने के लिये ही भाजपा सरकारें कार्यरत हैं। शर्मा ने बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सुगठित राष्ट्र के निर्माण के लिये केन्द्र और राज्यों में भाजपा सरकारों की नीतियों के केन्द्र में युवा वर्ग रहता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष अविनाश सिंह चौहान और विधायक पूनम संखवार सहित पार्टी के अन्य नेता भी उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि मिलनसार स्वाभाव के श्री यादव सभी को साथ लेकर चलने वाले राजनेता थे।

कौशांबी : नवनिर्मित सरकारी दीवार ढही,भेड़ों का झुंड दबा, 76 भेड़ें मरीं

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में जिला मुख्यालय मंझनपुर नगर पालिका द्वारा बनाई गई नवनिर्मित दीवार अचानक ढह जाने से उसके मलबे में 125 भेड़ें दब गयीं। जिनमें से 76 भेड़ों की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मंझनपुर दुर्गा मंदिर के मेला मैदान में नगर पालिका द्वारा चाहारदीवारी बनाई जा रही है। कल देर शाम से हो रही बारिश से बचने के लिये रास्ते से निकल रहे भेड़ों का झुंड नवनिर्मित दीवार के बगल में खड़ा हो गया। इसी दौरान अचानक दीवार भरभरा कर गिर गई। इसके मलबे में सभी भेड़ें दब गयीं। पशुपालकों द्वारा इस हादसे की सूचना अधिकारियों को दी गई। सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और जेसीबी से मलबे में दबी भेड़ों को निकालने का कार्य शुरू किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अब तक दो दर्जन भेड़ों को जिंदा निकाल लिया गया, जबकि 76 भेड़ें मर गई।

फिर बढ़ने लगा गंगा का पानी

वाराणसी में देव दीपावली की तैयारियों पर ब्रेक की आशंका

वाराणसी। यूपी में हो रही बारिश का असर नदियों पर दिखाई देने लगा है। राप्ती-घाघरा के बाद गंगा का पानी भी तेजी से बढ़ रहा है। वाराणसी में बुधवार को गंगा का जलस्तर 24 घंटे में 48 सेंटीमीटर बढ़ गया है। इससे गंगा घाटों की कई सीढ़ियां पानी में डूब गई हैं। गंगा पार भी पानी चढ़ गया है। पानी में बढ़ाव से देव दीपावली की तैयारियों में ब्रेक लगने की आशंका जताई जाने लगी है। इस बार गंगा उस पार देव दीपावली की भव्य तैयारियां हो रही हैं। रेती पर टेंट सिटी भी लग रही है। इसके

लिए तमाम कार्य कराए जा रहे हैं।

केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार की सुबह 10 बजे गंगा का जलस्तर 65.48 मीटर पर आ गया था। लखनऊ, कानपुर और पश्चिमी यूपी में भारी बारिश को गंगा के जलस्तर में बढ़ाव का कारण माना जा रहा है।

पानी बढ़ने से कई घाटों की पांच सीढ़ियां डूब गई हैं। वाराणसी में पांचवां मौका है जब गंगा का जलस्तर उफान पर है। घाटों के डूबने का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है।

देव दीपावली के आयोजनों में शामिल होने वालों का कहना है कि देव दीपावली से पहले घाटों की ठीक से सफाई होनी है। बाढ़ आने की वजह से अभी तक मिट्टी और गाद पूरी तरह से हटाई नहीं जा सकी थी। दीया लगाने के लिए घाटों और रेतों पर जगह भी चिन्हित किए जाने हैं।

गंगा में बाढ़ की वजह से देव-दीपावली की तैयारी अभी तक शुरू नहीं हो पाई है। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि देव दीपावली से 3 दिन पहले ही पूरी तैयारियां कर ली जाएंगी। घाटों की साफ-सफाई का जिम्मा भी बेसिक शिक्षा के प्रभारियों को सौंपा गया है। सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने सेक्टर में देव दीपावली से जुड़े मैनेजमेंट को देखेंगे।

मिर्जापुर : मोहन भागवत ने मां विंध्यवासिनी के दर्शन किये

मिर्जापुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डा मोहन भागवत ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में विंध्याचल धाम स्थित मां विंध्यवासिनी के मंदिर में दर्शन पूजन किया।

स्थानीय भाजपा विधायक एवं विंध्य धाम के पुरोहित रत्नाकर मिश्र ने डा भागवत को मां का अनुष्ठान कराया। डा भागवत निजी यात्रा पर यहां आये थे। उनका दर्शन पूजन का कार्यक्रम प्रोटोकाल में नहीं था। हालांकि दर्शन की संभावना के मद्देनजर सारी तैयारियां पहले से की गयी थी।

डा भागवत वाराणसी से सड़क मार्ग द्वारा यहां स्थित संत देवरहवा बाबा आश्रम पहुंचे। जहां आश्रम के वर्तमान गुरु हंस बाबा का आशीर्वाद लिया और उनके साथ चार घंटे गुजारे। उन्होंने हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। यहां डा भागवत ने 51 मन बूंदी के लड्डू का प्रसाद चढ़ाया। हंस बाबा के आश्रम में यह उनकी यह तीसरी यात्रा थी। इससे पहले भी वह इस स्थान पर आ चुके हैं। डा भागवत के यहां आने की सूचना पर सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन एलर्ट मोड़ पर था। पूरे आश्रम को सुरक्षा के घेरे में रखा गया था। इस दौरान कुछ खास लोगों को ही जाने की इजाजत दी गई थी। यहां तक कि भाजपा के जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को भी प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी।

वन मंत्री के भतीजे की गुंडई, रेस्टोरेंट में घुसाई कार, की तोड़फोड़, दी जान से मारने की धमकी

बरेली। बरेली शहर के सत्कार रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ और मारपीट के मामले में वन राज्यमंत्री एवं नगर विधायक डॉक्टर अरुण कुमार के भतीजे अमित और उसके साथियों के खिलाफ थाना प्रेमनगर में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मंगलवार देर रात अमित ने अपने साथियों के साथ वहां उत्पात मचाया था। इस मामले में सत्कार रेस्टोरेंट के मालिक नरेश कश्यप के बेटे सुशांत कश्यप की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। उन्होंने मारपीट के साथ ही तोड़फोड़ और रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। जनकपुरी गुरुद्वारा के सामने सत्कार रेस्टोरेंट है। रेस्टोरेंट के मालिक नरेश चंद्र का कहना है। वह करीब 11 बजे घर आ गए। दो चार लोग ही खाना खा रहे थे। आरोप है कि अमित कार से पहुंचा। वह नशे में धुत था। उसने काउंटर में कार की टक्कर मारी। खाना खा रहे लोग वहां से भागे। चीख पुकार मच गई। तमाम राहगीर जुट गए। कर्मचारियों ने विरोध किया तो नेता के भतीजे अमित और उसके दो-तीन साथियों ने मारपीट और गाली गलौज शुरू कर दी। सूचना पर नरेश चंद्र पहुंचे तो भतीजा अमित उनसे भी भिड़ गया। नरेश ने तुरंत ही इसकी पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी गाड़ी लेकर भाग गए। पुलिस को वीडियो दे दिया गया है। नरेश रात में ही आरोपी के घर पहुंचकर शिकायत की। इंस्पेक्टर (क्राइम) प्रेमनगर मेहर सिंह का कहना है कि सत्कार रेस्टोरेंट पर विवाद की सूचना आई थी। मौके पर पुलिस को भेजा गया। इस मामले में सत्कार रेस्टोरेंट के मालिक नरेश कश्यप के बेटे सुशांत कश्यप की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बुलंदशहर : बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार दो को रौंदा, एक की मौत

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश में जनपद बुलंदशहर के खुर्जा नगर में बेकाबू ट्रक ने बाइक सवार दो लोगों को रौंदा दिया, जिससे एक की मौके पर ही मौत हो गयी और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि इस हादसे में घायल बाइक सवार को अस्पताल पहुंचा दिया गया है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि थाना पहासू क्षेत्र के ग्राम फाजिलपुश निवासी राकेश अपने साथी महेश के साथ मोटरसाइकिल से खुर्जा आया था। इसी दौरान जब वह खुर्जा गेट के पास पहुंचा, तभी ट्रक और मोटरसाइकिल में आपस में भिड़ंत हो गई। ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार दोनों व्यक्तियों को कुचल दिया।

डेंगू के मामले बढ़ते ही शुरू हो गई खून की दलाली, धड़ल्ले से चल रहा गोरखधंधा

प्रयागराज। डेंगू का प्रकोप बढ़ने के बाद शहर में खून के सौदागरों की दलाली बढ़ गई है। शहर के सरकारी और प्राइवेट ब्लड बैंक और निजी अस्पतालों के बाहर उनकी सक्रियात बढ़ती जा रही है। पीड़ित परिवार को मोटी रकम लेकर खून मुहैया करा रहे हैं लेकिन इसकी कोई शिकायत करने वाला नहीं है। असुरक्षित रक्त लेकर मरीजों को चढ़ाया जा रहा है। पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इससे बेखबर है। कुछ दिन पहले मुट्ठीगंज के एक युवक की हालत बिगड़ी तो उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने तीन यूनिट ब्लड का इंतजाम करने के लिए कहा। एक यूनिट के

लिए डोनर मिल गया लेकिन बाकी के लिए समस्या हुई। अस्पताल के बाहर ही एक व्यक्ति मिला और पांच हजार रुपये में दो यूनिट ब्ल्ड का इंतजाम कराया। यह बात मरीज के घरवालों ने छुपाए रखी। ये सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं है। बताया जा रहा है कि इधर, खून और प्लेटलेट्स की मांग बढ़ने पर कुछ गिरोह सक्रिय हो गए हैं। वे रिक्शा चालक और अन्य लोगों को एक हजार रुपये देखकर खुद ही रक्त निकाल लेते हैं। सिर्फ ब्लड ग्रुप की जांच कराकर मरीज को मुहैया करा रहे हैं। दरअसल इस वक्त ब्लड और प्लेटलेट्स के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। ब्लड बैंक में बिना डोलर के प्लेटलेट्स नहीं मिल रहा है। एक डोनर पर दो से तीन यूनिट ही प्लेटलेट्स मिल रहा है। ऐसे में दलालों की मदद लेकर लोग अपनी मरीजों की जान बचा रहे हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि ये ब्लड कहां से मुहैया हो रहा है, यह पता नहीं है। दलालों की ब्लड बैंक से सेटिंग है या फिर उन्होंने खुद ही नकली ब्लड बैंक बना लिया है, यह किसी को पता नहीं है।

चोरी के शक में युवक की पीट-पीटकर हत्या, दोस्त के भी तोड़े हाथ-पैर

खुल्दाबाद। प्रयागराज में चोरी के शक में सोमवार को एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वहीं दूसरे युवक का हाथ-पैर तोड़ दिया गया। घायल युवक एसआरएन अस्पताल में भर्ती है। जब इसकी खबर युवक के परिजनों को मिली तो घर में कोहराम मच गया। उन्होंने सड़क पर शव रखककर जाम लगा दिया। वहीं पुलिस ने हर संभव मंदद का आश्वासन देकर मामला शांत कराया। सीसीवीट फुटेज की मदद से पुलिस ने बिजली ठेकेदार जीपी शुक्ल समेत दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। ये मामला बेनीगंज के बाबा चौराहे का है। मंगलवार की सुबह एक मकान के बाहर खून से लथपथ युवक की लाश

पड़ी थी वहीं कुछ कदम आगे मरणासन्न स्थिति में दूसरा युवक मिला। मौके पर पुलिस पहुंची और दोनों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे युवक का इलाज चल रहा है। जख्मी युवक ने अपना मुन्ना बताया। वह अकबरपुर का रहने वाला है। वही मृतक की पहचान जहीर उर्फ गुप्पू के तौर पर हुई है। खुल्दाबाद पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

मृतक जहीर के घर वालों को जब उसकी हत्या का पता चला तो परिजनों में मातम छा गया। नुरुल्लाह रोड पर महिलाओं ने जाम लगा दिया। करीब आधे घंटे तक वहां विरोध प्रदर्शन चला। इस दौरान आवागमन प्रभावित हो गया। पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट करके गाड़ियों को निकाला। वहीं स्थानीय लोगों ने मृतक की पत्नी और बच्चों को आर्थिक मुआवजा देने की मांग की।

डंडे और रॉड से किया गया हमला

पुलिस ने मौके से सीसीटीवी फुटेज बरामद किया। जहीर और मुन्ना पर सोमवार रात दो बजे चार-पांच लोगों ने मिलकर हमला बोल दिया। आरोपियों ने दोनों युवकों को रॉड और डंडे से पीट दिया।

जिससे उनके हाथ-पैर की हड्डियां टूट गई। एसएसपी शैलेश पांडेय ने बताया कि शुरुआती जांच में में चोरी के शक में मारने पीटने की बात सामने आई है। सीसीटीवी फूटेज की मदद से हमलवारों की पहचान की जा रही है वहीं कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

अयोध्या : मुख्यमंत्री ने दीपोत्सव की तैयारियों को परखा

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस साल दीपावली के अवसर पर आयोजित दीपोत्सव की तैयारियों का जायजा लेकर इस आयोजन के लिये होने वाले सभी काम समय से पूरे करने के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। योगी ने बुधवार को यहां रामकथा संग्रहालय में दीपोत्सव को लेकर समीक्षा बैठक की।

इसमें उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देतु हुए कहा कि इस साल का दीपोत्सव पिछले वर्षों की तुलना में और अधिक भव्य दिव्य होना चाहिए। इसमें प्रमुख सचिव पर्यटन ने कार्ययोजना प्रस्तुत की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दीपोत्सव को लेकर लोगो भी जारी किया। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिए कि समय रहते दीपोत्सव की तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं।

इस बार का दीपोत्सव बीते सालों की तुलना में भव्य दिव्य होना चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान सफाई व्यवस्था चुस्त दुरुस्त होनी चाहिए। सिपाहियों की ड्यूटी भी 8-8 घंटे की ही लगाई जाए। इनके खाने पीने की व्यवस्था किया जाए। अनुशासन का हर हाल में ध्यान रखा जाए।

बारिश के बाद रामगंगा से सटे 154 गांवों पर मंडराया बाढ़ का खतरा, अलर्ट जारी

बरेली। पांच दिन तक लगातार हुई बारिश का असर नदियों के जलस्तर पर दिखाई दे रहा है। रामगंगा से सटे बरेली के 154 गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के इंतजाम शुरू कर दिए हैं। अलर्ट जारी कर दिया गया है। रामगंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मंगलवार को 160.220 मीटर पर पहुंच गया। यह खतरे के निशान से दो मीटर नीचे है। प्रशासन ने बाढ़ की आशंका वाले गांवों में 49 बाढ़ चौकियां सक्रिय कर दीं हैं। अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। जिला आपदा राहत अधिकारी ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को अलर्ट कर दिया है। बाढ़ से बचाव के इंतजाम करने को कहा है। एडीएम फाइनेंस ने अस्थाई राहत कैंप बनाने की तैयारी करने को कहा है। कैंप की संचालन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। ड्राई राशन, दवाइयां और कपड़ों की व्यवस्था करने को कहा है। ताकि आपात स्थिति से निपटा जा सके। राहत कैंप ऊंचे स्थान पर बनाने को कहा। कैंप में महिला और बच्चों के रहने के लिए बेहतर इंतजाम करने को कहा है। स्वास्थ्य विभाग को जरूरी दवाइयां मौजूद रखने को कहा है। पशुपालन विभाग को पशुओं के चारे और उपचार की व्यवस्था करने को कहा है। बाढ़ राहत चौकियों पर शिकायत पंजिका भी मौजूद रहेगी। बारिश से किच्छा नदी का पानी दुनका-बिहारीपुर मार्ग पर भर गया।

आगरा : 34 देशों की सुंदरियों ने ताजमहल में कराये फोटोशूट

आगरा। उत्तर प्रदेश की ताजनगरी आगरा में बुधवार को 34 देशों की सुंदरियों ने ताजमहल का दीदार कर फोटोशूट भी कराया। ये सभी सुंदरियां 'मिस सुपर मॉडल वर्ल्डवाइड 2022 कॉन्टेस्ट' की प्रतिभागी थीं। उनके साथ में भारतीय सुंदरी सोनिया मंसूर भी शामिल थीं। एक ओर ताजमहल का संगमरमरी हुस्न था तो दूसरी ओर दुनिया के 34 विभिन्न देशों की सुंदरियां थीं। ताजमहल देखने पहुंचे पर्यटकों को समझ ही नहीं आया कि ताजमहल को देखें या दुनिया भर से पहुंची खूबसूरत कमसिन बालाओं को।

पत्नी से विवाद के बाद ससुराल पहुंचे शख्स ने पेट्रोल डालकर खुद को लगाई आग, अस्पताल ले जाते हुए मौत

प्रतापगढ़। मुंबई में ट्रक ड्राइवरी करने वाला एक युवक मंगलवार दोपहर पेट्रोल लेकर ससुराल पहुंचा। घर के बाहर खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली।

ससुराल के लोग आग बुझाकर उसे सीएचसी रानीगंज ले आए। वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई थी।

फतनपुर के केवराकला का सुशील कुमार (25) मुंबई में ट्रक चलाता था। वह तीन सप्ताह पहले घर आया था। दो दिन पहले किसी बात को लेकर पत्नी निशा देवी से उसका विवाद हो गया। हालांकि परिवार के लोगों ने दोनों को शांत करा दिया। सुशील शाम को पत्नी को उसके मायके रानीगंज के अवधानपुर पहुंचाकर घर लौट गया। मंगलवार दोपहर वह हाथ में पेट्रोल लेकर ससुराल पहुंच गया।

घर के बाहर खुद पर छिड़ककर आग लगा ली। ससुराल के लोग किसी तरह आग बुझाकर उसे रानीगंज सीएचसी ले आए। यहां से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। एसओ सर्वेश सिंह ने बताया कि युवक ने घरेलू विवाद में आत्मदाह किया है। परिवार के लोग कोई तहरीर देंगे तो कार्रवाई की जाएगी।

अवधानपुर में पेट्रोल छिड़ककर जान देने वाला ट्रक ड्राइवर ने आत्मघाती कदम उठाया। साथ ही छह माह बाद दुनिया में आने वाले अपने बच्चे को अनाथ कर गया। उसकी मौत से पूरा परिवार रो-रो कर बेहाल है।

पांच भाइयों में चौथे नंबर का सुशील मुंबई में ट्रक ड्राइवरी करता था। पत्नी निशा देवी छह साल के बेटे कुनाल के साथ घर पर रहती थी। करीब तीन सप्ताह पहले वह घर आया तो दोनों में कोई विवाद नहीं था। दो दिन पहले विवाद हुआ लेकिन फिर माहौल सामान्य हो गया। उसके भाई भारत कुमार ने बताया कि पत्नी से कोई बड़ा विवाद नहीं था। किसी को आशंका नहीं थी कि सुशील ऐसा कदम उठा लेगा।

बरेली : रोहित बनकर जुबेर पहुंचा हनुमान मंदिर, पुलिस ने धर दबोचा

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में थाना प्रेमनगर स्थित बड़ाबाग हनुमान मंदिर में जुबैर नामक युवक अपना नाम रोहित बताकर बीती रात प्रवेश कर गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि मंगलवार होने से मंदिर परिसर में काफी भीड़भाड़ थी। युवक ने बाकायदा वहां लोगों के बीच हनुमान चालीसा भी पढ़ा और मौका मिलते ही मंदिर के दानपात्र से कुछ धनराशि भी चोरी कर ली। पकड़े जाने पर उसने सही नाम नहीं बताया। जब उसका मोबाइल फोन चेक किया गया, तब असलियत खुल गई और उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। उस समय मंदिर के बड़ा बाग में तमाम भक्तों का भंडारा चल रहा था। इसी बीच रोहित बनकर जुबैर नामक व्यक्ति भीड़ में शामिल हो गया। काफी देर तक उसने पूजा पाठ करने का नाटक किया। इस पर वहां मौजूद पुजारी को कुछ शक भी हुआ। युवक ने दानपात्र में हनुमान चालीसा की पुस्तिका ऊपर से फंसा दी, जिससे दानपात्र में रुपए अंदर नहीं जा पायें। वह मंदिर की परिक्रमा लगाते हुए चुपचाप ऊपर से रुपए उठाकर अपनी जेब में रखता रहा। उसने मंदिर परिसर में स्थित शिव मंदिर से भी कुछ पैसे उठाये। इस दौरान भीड़ ने उसे पैसे चुराते पकड़ लिया। सख्ती करने पर उसने कुछ नहीं बताया। तलाशी में मिले उसके मोबाइल फोन से उसका सही नाम पता चला। पूछताछ में उसने बताया कि उसे दिल्ली जाने के लिए पैसों की जरूरत थी, इसलिए मंदिर के दानपात्र से चोरी कर ली। तलाशी में उसके कब्जे से दानपात्र से चोरी किए 1792 रुपये भी बरामद हो गए। उसकी पहचान बरेली स्थित सिरौली मोहल्ला काजी टोला निवासी जुबैर के रूप में हुयी। जानकारी मिलने पर प्रेमनगर पुलिस पहुंची। प्रेमनगर थाना इंस्पेक्टर क्राइम मेहर सिंह ने बताया कि पुजारी कुलदीप मिश्रा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी को हिरासत में ले लिया है। आरोप है कि पकड़े गए इस युवक ने मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी थी।

दो सगे भाइयों की हत्या के मामले में पिता पुत्र दोषी करार दिये गये

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में दो सगे भाइयों की हत्या के 20 साल पुराने मामले में अपर जिला सत्र न्यायालय (फास्ट ट्रैक कोर्ट) ने आरोपी पिता पुत्र को दोषी करार देते हुए सजा सुनायी है।

न्यायाधीश मदनमोहन झा ने बुधवार को इस मामले में दोषी पाए जाने पर पिता को उम्रकैद तथा बेटे को 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

दोनों पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड की 90 फीसदी राशि मृतक की पत्नी को देय होगा। अर्थदंड न देने पर दोषियों को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस मामले में दो आरोपियों को अदालत ने सबूतों के अभाव में दोषमुक्त करार दिया।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी केके पांडेय ने बताया कि हरिगोविंद राव पुत्र जयगोपाल राव निवासी चिउंटहा थाना कसया व मृतकों के रिश्तेदार ने रामकोला पुलिस को 17 जनवरी 2001 को तहरीर में बताया कि मौसेरे भाई हरिनारायण प्रताप राव पुत्र इष्टदेव राव निवासी रामबर बुजुर्ग थाना रामकोला अपने खेत में स्थित बांस की कोठ से बेटे सोनू राव के साथ बांस कटवा रहे थे। तभी बच्चन यादव अपनी लाइसेंसी बंदूक, ब्रजेश यादव तमंचा लेकर और रामाश्रय व छोटे हाथ में फरसा एवं कुल्हाड़ी लिये बांस काटने से मना करने लगे।

हरिनारायण ने उनको बताया कि बांस के मालिक होने के कारण वह इसे कटवा रहे हैं। इस पर इन लोगों ने हरिनारायण को पकड़ लिया। शोर मचाने पर मौके पर जीतेंद्र पुत्र इष्टदेव, इष्टदेव पुत्र भूपन तथा भांजा राजेश पुत्र नरेंद्र निवासी मल्लीपुर थाना सहजनवा बचाने पहुंचे। इनके आने पर ब्रजेश ने कट्टे से जीतेंद्र को तथा बच्चन ने अपनी लाइसेंसी बंदूक से हरिनारायण को गोली मार दी।

सहारनपुर : खिलाड़ियों का भोजन शौचालय में रखने के मामले की जांच शासन को भेजी

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के डा. अंबेडकर स्टेडियम में खिलाड़ियों का भोजन शौचालय में रखने के मामले में जिला प्रशासन की जांच में संबद्ध अधिकारियों की लापरवाही उजागर हुयी है। जिलाधिकारी अखिलेश यादव ने जांच रिपोर्ट शासन को भेजते हुए इस प्रकरण की विज्ञतृत जांच कराने की अनुशंसा की है। गत 16 सितंबर को स्टेट जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता के आयोजन के दौरान भोजन में कच्चे चावल होने और भोजन को टायलेट के फर्स पर रखने के प्रकरण में जिलाधिकारी की जांच पूरी कर ली गयी है। उन्होंने अपनी जांच आख्या अपर मुख्य सचिव को भेज दी है। इस मामले में प्रदेश के खेल निदेशक आरपी सिंह ने क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी अनिमेष सक्सेना को निलंबित कर दिया था। जिलाधिकारी ने अपनी जांच रिपोर्ट में कहा है कि क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी ने किसी भी अधीनस्थ अधिकारी को भोजन की जिम्मेदारी नहीं सौंपी थी।

जौनपुर : बहन के घर जा रहे दो भाइयों की कार दुर्घटना में मौत

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जासोपुर के पास शाहगंज- जौनपुर मार्ग पर बीती देर रात एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों भाई बहन के गांव छबीलेपुर जा रहे थे। पुलिस ने बुधवार को बताया कि चालक कार छोड़कर फरार हो गया, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

शार्ट न्यूज

सीतारमण ने की जापान के वित्त मंत्री से चर्चा

वाशिंगटन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां जापान के वित्त मंत्री शुनिची सुजुकी के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठक में भाग लेने के इतर श्रीमती सीतारमण ने यह भेंट की। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि यह वर्ष भारत जापान द्विपक्षीय संबंधों के लिए विशेष है क्योंकि दोनों देश राजनयिक संबंध स्थापित होने के 70वां वर्ष मना रहा है और भारत अपनी आजादी का 75वां वर्ष भी मना रहा है। उनहोंने कहा कि वर्ष 2023 भारत और जापान के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारियां लेकर आ रहा है क्योंकि भारत जहां जी 20 की अध्यक्षता करने जा रहा है वहीं जापान भी जी 7 की अध्यक्षता करने वाला है। दोनों मंत्रियों ने भारत प्रशांत आर्थिक सहयोग पर भी चर्चा की।

साथ-साथ दूसरी नौकरी करना नैतिकता का सवाल : विप्रो सीईओ

बेंगलुरु। विप्रो के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी थिएरी डेलापोर्टे ने बुधवार को कहा कि मूनलाइटनिंग यानि कंपनी में काम करते हुए पैसे के लिए उसी क्षेत्र में दूसरा काम करना कोई कानूनी सवाल नहीं बल्कि नैतिकता का मुद्दा है। उन्होंने यह भी कहा है कि कर्मचारियों का प्रतिस्पर्धी कंपनियों के लिए साथ-साथ काम करना निश्चित रूप से गलत है। विप्रो के तिमाही परिणामों की घोषणा के अवसर पर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए श्री डेलापोर्टे ने कहा,नौकरी के साथ में इधर-उधर कोई छोटा-मोटा काम कर लेना बिल्कुल चल सकता है पर यदि आप हमारी ही तरह के परिवेश में काम करने वाली कंपनी में दूसरा काम करते हैं तो वह नैतिक नहीं है। सीईओ ने कहा कि मूनलाइटिंग कानूनी मुद्दा नहीं बल्कि नैतिकता का सवाल है। उन्होंने साथ में यह भी कहा कि हितों के टकराव वाली दो नौकरी साथ-साथ करना उनके ख्याल में उचित नहीं है। हालही में विप्रो ने मूनलाइटनिंग के आरोप में अपने 300 कर्मचारियों को बर्खास्त किया है। उनकी बर्खास्तगी विप्रो के चेयरमैन रिशाद प्रेमजी ने एक छोटे से मेल के जरिए की थी।

विप्रो का दूसरी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ 9.27 प्रतिशत घटा

बेंगलुरु। देश की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी विप्रो का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 9.27 प्रतिशत घटकर 2,659 करोड़ रुपये रहा। एक वर्ष पूर्व समान माह में यह 2,930 करोड़ रुपये था। विप्रो के प्रबंध निदेशक और सीईओ थियरी डेलापोर्टे ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, परिचालन मार्जिन के कारण कंपनी का दूसरी तिमाही में लाभ घटा है। विप्रो ने आलोच्य तिमाही में वार्षिक आधार पर 14.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 22,539.7 प्रतिशत का परिचालन से राजस्व अर्जित किया जो वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में 19,667.4 करोड़ रुपये था। कंपनी का राजस्व चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अर्जित हुए 21,528.6 करोड़ रुपये से 4.69 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह लाभ 2563.6 करोड़ रुपये से 3.71 प्रतिशत अधिक है। विप्रो ने कहा कि आईटी सेवा क्षेत्र में उसका राजस्व 279.77 करोड़ डॉलर रहा, जो वार्षिक आधार पर 8.4 प्रतिशत अधिक है।

खुदरा महंगाई में तेजी जारी, सितंबर में पहुंची 7.41 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। सब्जियों, ईंधन, अनाजों और मांस मछली आदि की कीमतों में आयी तेजी के कारण इस वर्ष सितंबर में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा महंगाई बढ़कर 7.41 प्रतिशत पर पहुंच गयी जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 4.35 प्रतिशत रही थी। अगस्त 2022 में यह 7 प्रतिशत पर थी। इस दौरान खाद्य पदार्थों की खुदरा महंगाई 8.60 प्रतिशत पर पहुंच गयी जबकि अगस्त 2022 में यह 7.62 प्रतिशत पर और सितंबर 2021 में यह 0.68 प्रतिशत पर रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा आज जारी आंकड़ों के अनुसार सितंबर में शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई में अधिक बढोतरी हुयी है। इस दौरान शहरी क्षेत्रों में खुदरा महंगाई में 0.58 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गयी जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 0.63 प्रतिशत बढ़ी। इसी तरह से खाद्य पदार्थों की खुदरा महंगाई भी शहरी क्षेत्रों में सितंबर 2022 में 0.72 प्रतिशत बढ़ी जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 0.98 प्रतिशत बढ़ी है। इस महीने में अनाजों के साथ ही उसके उत्पादों, मांस मछली, अंडे, दूध एवं उसके उत्पादों,सब्जियों और दालों की कीमतों में जहां तेजी रही वहीं तेल एवं वसा की कीमतों में नरमी देखी गयी। फलों की कीमतों में भी कुछ नरमी रही।

रुपया 12 पैसे टूटा

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में रही तेजी के साथ ही घरेलू स्तर पर बैंकरों और डीलरों की मांग आने से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 12 पैसे फिसलकर 82.33 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले दिवस यह 82.21 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 11 पैसे फिसलकर 82.32 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 81.15 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा लेकिन अमेरिकी मुद्रा की मांग आने के दबाव में यह 82.37 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक उतर गया। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 12 पैसे फिसलकर 82.33 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

औद्योगिक उत्पादन अगस्त में 0.8 प्रतिशत गिरा

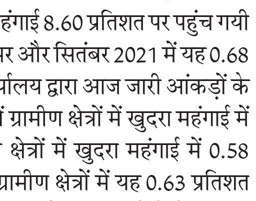

नयी दिल्ली। विनिर्माण और खनन क्षेत्र की गतिविधियों में समुचन के कारण भारत की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक उत्पादन अगस्त 2022 में सालाना आधार पर 0.8 प्रतिशत घट गया। अगस्त 2021 में अनुकुल तुलनात्मक आधार की बदौलत औद्योगिकी वृद्धि दर में 13 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया था। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि अगस्त 2022 में विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में पिछले वर्ष इसी माह की तुलना में 0.7 प्रतिशत और खनन क्षेत्र में 3.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। हलांकि इस दौरान विद्युत उत्पादन में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि हुयी। अगस्त 2022 में आईआईपी (आधार वर्ष 2011-12) 131.3 अंक रहा जो एक वर्ष पूर्व समान माह में 132.4 अंक था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के बीच औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही है। खनन क्षेत्र का उत्पादन चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अगस्त की पांच महीनों की अवधि में 4.2 प्रतिशत ऊंचा जबकि विनिर्माण और विद्युत क्षेत्र में क्रमश: 7.9 और 10.6 प्रतिशत बढ़ी है।

मर्सिडीज बेन्ज इंडिया की बिक्री जनवरी-सितंबर में 28 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। लग्जरी कार विनिर्माता मर्सिडीज बेन्ज इंडिया ने जनवरी-सितंबर 2022 अवधि में 28 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,469 कारों की बिक्री की। मर्सिडीज ने बुधवार को एक बयान में कहा कि आलोच्य अवधि में कंपनी ने 2021 में बेची गयी कुल कारों की संख्या को पार कर लिया है। वाहनों की आपूर्ति की कमी के बावजूद नये उत्पादों, ग्राहकों की पसंद या विश्वास और चल रहे त्योहारी मौसम के कारण वृद्धि में बढ़ोतरी हुयी है। मर्सिडीज बेन्ज इंडिया के प्रबंधन निदेशक और सीईओ मार्टिन श्वेक ने कहा, हमारा बिक्री का आंकड़ा कोरोना के पूर्व स्तर पर पहुंच गया है और हमने इस वर्ष के शुरुआती नौ महीनों में पिछले वर्ष 2021 में बेची गयी कारों के आंकड़े को पार कर दिया है। मौजूदा बाजार गति हमें विश्वास दिला रही है कि हम अपने सर्वाधिक बिक्री के आंकड़ा स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, भारत में बनी ईक्यूएस को ग्राहकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और इस लग्जरी विद्युत वाहन(ईवी) के लिए 300 से अधिक बुंकिंग प्राप्त हुयी है। हमें अपने सभी मॉडलों के लिए मजबूत मांग दिख रही है और हमारा ध्यान कारों को समय पर ग्राहकों को देना है।

चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि रहेगी 6-7 प्रतिशत : पीएचडी चैंबर

नयी दिल्ली। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि 6-7 प्रतिशत के बीच रह सकती है।

पीएचडी चैंबर का यह अनुमान ऐसे समय आया है जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने मंगलवार को अपनी एक वैश्विक रिपोर्ट में भारत की वृद्धि के अनुमान को 7.4 प्रतिशत से घटाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ ने भू-राजनैतिक और बढ़ती मुद्रास्फीति की चुनौतियों के मद्देनजर वैश्विक वृद्धि दर को भी घटाकर 2.7 प्रतिशत कर दिया है।

पीएचडी चैंबर के अध्यक्ष साकेत डालमिया ने बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में देश की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं के बारे में एक सवाल पर कहा, अन्य देशों के मुकाबले भारत में उत्पादों की अच्छी मांग के बदौलत विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसे देखते हुए हमें भारत में आर्थिक वृद्धि अच्छी रहने की संभावना दिखती है।

डालमिया ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि 6-7 प्रतिशत के बीच रहेगी जो दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में ऊंची होगी।

उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक ने भी भारत की वृद्धि दर को 7.5 प्रतिशत से

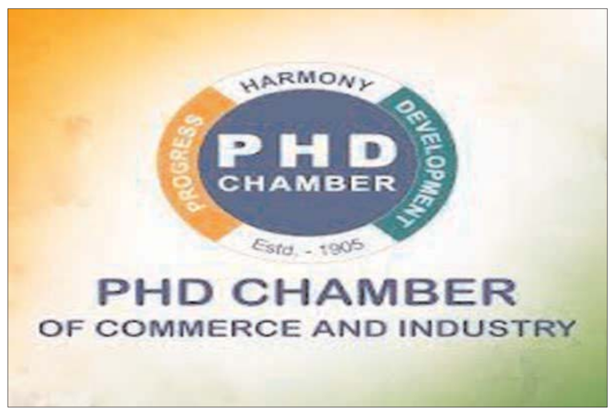

घटाकर 6.5 प्रतिशत और भारतीय रिजर्व बैंक ने 7.2 प्रतिशत से घटाकर 7.0 प्रतिशत कर दिया था।

डालमिया ने कहा कि पीएचडी चैंबर में 70 प्रतिशत सदस्य मध्यम आकार की कंपनियां हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी अध्यक्षता में जी-20 मंच पर एक विषय-भारत की आत्मा% रखा है उसी तरह हम दुनिया के सामने भारतीय उद्योग की आत्मा का प्रदर्शन करेंगे।

पीएचडी चैंबर, भारत के 75 वर्ष की पृष्ठभूमि के साथ 75 महीनों में अमेरिका और यूरोप के 75 संभावित देशों को कृषि समेत कपड़ा, ऑटो, फार्मास्यूटिकल्स समेत 75 उत्पादों के निर्यात पर ध्यान केंद्रित कर रहा हैं। जिससे देश को 2027 तक 750 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। देश के निर्यात में बढ़ावा देने के लिए अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, संयुक्त अरब अमीरात और चीन और अन्य देशों के बाजारों पर केंद्र बिंदु पर रहेंगे। श्री डालमिया ने कहा कि हम महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों के सक्रिय योगदान के बिना 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार नहीं कर सकते। हम महिला स्टार्ट-अप की सुविधा के लिए एक नयी पहल की योजना बना रहे हैं और प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप नारी शक्ति के साथ हमारे विचार समान हैं। पीएचडी चैंबर में अक्टूबर 2022 में सर्वश्री साकेत डालमिया, संजीव अग्रवाल और हेमंत जैन को क्रमश: अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गयी है।

एनबीए मर्चेंडाइज की रेंज लॉन्च

नयी दिल्ली। नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) और रिलायंस रिटेल लिमिटेड ने बुधवार को भारत में एनबीए मर्चेंडाइज की एक विस्तृत रेंज लॉन्च करने की घोषणा की।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह नए मर्चेंडाइज रिलायंस रिटेल के चुनिंदा स्टोरों और रिलायंस रिटेल के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगे। एनबीए-ब्रांडेड मर्चेंडाइज में वयस्कों और युवाओं के लिए कपड़े, एक्सेसरीज, बैक-टू-स्कूल सप्लाईज की व्यापक रेंज शामिल होगी।

एनबीए खेलों की दुनिया का एक जाना माना नाम है। भारत में भी इसके दीवानों की तादाद काफी अधिक है और इसी लोकप्रियता के सहारे एनबीए मर्चेंडाइज के भारतीय बाजारों पर छा जाने की उम्मीद है। एनबीए के मर्चेंडाइज सभी सात महाद्वीपों के 200 से अधिक देशों में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। रिलायंस रिटेल भारत का सबसे बड़ा रिटेलर है, जिसके देश भर में 15,800 से अधिक स्टोर हैं।

मर्चेंडाइज के साथ रिलायंस रिटेल अपने स्टोरों पर ग्राहकों को इंटरैक्टिव एनबीए एक्सपीरियंस देने की कोशिश करेगी। इसमें रिलायंस फाउंडेशन जूनियर एनबीए एक्टिवेशन के साथ एनबीए गेम हाइलाइट्स और संबंधित कंटेंट को इन-स्टोर टीवी पर दिखाया जाएगा।

एनबीए के अंतरराष्ट्रीय लाइसेंसिंग और बिजनेस डेवलपमेंट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रॉब मिलमैन ने कहा, रिलायंस वर्षों से एनबीए का एक विश्वसनीय भागीदार रहा है और इस सहयोग के माध्यम से हम भारत में अपनी खुदरा उपस्थिति को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। भारत में एनबीए की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है, ऐसे में उत्पादों को अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध कराना, भारत में प्रशंसकों को अधिक व्यापक एनबीए अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एनबीए इंडिया के ग्लोबल साझेदारी के एसोसियेट उपाध्यक्ष सिद्धार्थ चुरी ने कहा, हम भारत में रिलायंस रिटेल के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। एक प्रमुख स्पोर्ट्स और लाइफस्टाइल रिटेलर के रूप में, रिलायंस रिटेल हमें एनबीए-ब्रांडेड उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद करेगा।

रिलायंस रिटेल लिमिटेड के अध्यक्ष और सीईओ (फैशन और लाइफस्टाइल) अखिलेश प्रसाद ने कहा, एनबीए विश्व स्तर पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली स्पोर्ट्स लीग में से एक है, और रिलायंस रिटेल भारत में एनबीए प्रशंसकों के लिए मर्चेंडाइज की एक विस्तृत श्रृंखला की पेश करने के लिए उत्साहित है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि रिलायंस रिटेल स्टोर देश भर में एनबीए प्रशंसकों के लिए पसंदीदा स्थान बन जाए।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एक बार फिर 95 डॉलर प्रति बैरल से नीचे उतर गयी है। कच्चे तेली की कीमतों में गिरावट के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम बुधवार को भी स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.47 प्रतिशत गिरकर 93.85 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.62 प्रतिशत के दबाव के साथ 88.80 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 144 दिनों से राहत बरकरार है। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में चार महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

गिरावट से उबरा शेयर बाजार

मुंबई। वैश्विक स्तर के मिश्रित रूख के बीच घरेलू स्तर पर हुयी चौतरफा लिवाली के बल पर शेयर बाजार में जारी गिरावट पर ब्रेक लग गया और इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी 0.80 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल करने में सफल रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 478.59 अंक बढ़कर 57625.91 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 140.05 अंक उठकर 17123.60 अंक पर रहा। बीएसई में छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली देखी गयी जिससे मिडकैप 0.66 प्रतिशत बढ़कर 24921.94 अंक पर और स्मॉलकैप 0.22 प्रतिशत बढ़कर 18650.73 अंक पर रहा। बीएसई में सभी समूहों में तेजी रही जिसमें रियलटी 1.69 प्रतिशत, एफएमसीजी 1.38 प्रतिशत, पावर 1.13 प्रतिशत, बैंकिंग 1.11 प्रतिशत और वित्तीय सेवायें 0.92 प्रतिशत प्रमुखता से शामिल है। बीएसई में कुल 3517 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 1763 गिरावट में जबकि 1674 बढ़त में रही। 134 में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक स्तर पर मिश्रित रूख रहा। चीन का शंघाई कंपोजिट 1.53 प्रतिशत, ब्रिटेन का एफटीएसई 0.02 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.23 प्रतिशत की बढ़त में रहा। जापान का निक्केई 0.02 प्रतिशसत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.78 प्रतिशत उतर गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 165 अंकों की बढ़त के साथ 57312.49 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 57085.92 अंक के निचले और 57687.64 अंक के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस के 57147.32 अंक की तुलना में 478.59 अंक अर्थात 0.84 प्रतिशत चढ़कर 57625.91 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से 25 हरे निशान में जबकि पांच लाल निशान में रही। एनएसई का निफ्टी 42 अंकों की बढ़त लेकर 17025.55 अंक पर खुला। लिवाली के बल पर यह 17142.35 अंक के उच्चतम स्तर चढ़ा। इस दौरान यह 16960.05 अंक के निचले स्तर तक भी उतरा। अंत में यह पिछले दिवस के 16983.55 अंक की तुलना में 0.82 प्रतिशत अर्थात 140.05 अंक बढ़कर 17 हजार अंक के पार 17123.60 अंक पर रहा।

एनसीडीईएक्स ने शुरू किया कृषि रथ अभियान

मुंबई। नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एनसीडीईएक्स) ने जिंस डेरिवेटिव्स के बारे में अज्ञानता, गलत सूचना और गलत धारणाओं को रेखांकित करते हुए राष्ट्रव्यापी जागरुकता अभियान की शुरुआत की है। एक सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान में प्रगतिशील वित्तीय और व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

एनसीडीईएक्स ने एक बयान में कहा कि यह अभियान पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के मार्गदर्शन में शुरू हुए छठे वार्षिक विश्व निवेशक सप्ताह-2022 (डब्ल्यूआईडब्ल्यू) का हिस्सा है।

इस अभियान की शुरुआत कृषि रथ से हुयी जिसे सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कृषि रथ एक मोबाइल वैन है, जहां एनसीडीईएक्स अधिकारी जिंस डेरिवेटिव्स के माध्यम से जोखिम प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरुकता फैलाने के लिए क्षेत्रीय या स्थानीय सरकारी अधिकारियों, स्थानीय नेताओं, एफपीओ और अन्य हितधारकों के साथ संवाद और सहयोग करेंगे।

राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के कई प्रमुख स्थानों से नौ और कृषि रथ को रवाना किया गया जिससे करीब 33 कृषि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) बाजार स्थल और गांवों को तक पहुंचा जा सके।

एनसीडीईएक्स के प्रबंधन निदेशक और सीईओ अरुण रास्ते ने कहा कि एक्सचेंज में बेहतर बाजार पहुंच, कुशल मूल्य खोज उपकरण और वित्तीय समावेशन के साथ प्राथमिक उत्पादकों यानी किसानों हितों की सेवा करना हमारा निरंतर प्रयास रहा है।

उन्होंने कहा, हम इस अभियान को अपने निवेशक जागरुकता कार्यक्रम को बढ़ाने के अवसर के रूप में देख रहे हैं और हितधारक प्रभावी वित्तीय एवं व्यापार प्रथाओं के साथ मार्गदर्शन से जिंस डेरिवेटिव्स बाजार में अवसर तलाश सकते हैं।

भारत की ऊर्जा रणनीति में प्रतिबद्धताओं का संतुलन रखा जाता है : हरदीप सिंह पुरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि भारत की ऊर्जा रणनीति में साझा वैश्विक हितों और हरित संक्रमण के प्रति प्रतिबद्धताओं, सभी के लिए ऊर्जा की उपलब्धता, मुनासिब दाम और देश की ऊर्जा सुरक्षा पर उचित ध्यान रखा जाता है।

श्री पुरी ने अमेरिका में पेट्रोलियम उद्योग के गढ़ ह्यूस्टन में 'भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी में अवसर' पर एक गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगले दो दशकों में वैश्विक ऊर्जा मांग में वृद्धि का 25 प्रतिशत भारत से आने वाला है। उन्होंने कहा कि भारत ने कम कार्बन उत्सर्जन के साथ विकास की दिशा में कई कदम उठाए हैं, जिसमें हाइड्रोजन और जैव ईंधन जैसे उभरते ईंधन शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान चुनौतीपूर्ण ऊर्जा वातावरण के बावजूद, ऊर्जा संक्रमण और इसके जलवायु शमन लक्ष्यों के

प्रति भारत की प्रतिबद्धता कम नहीं होने वाली है। मंत्री ने कहा कि भारत देश में खनिज ईंधन की खोज और निकासी के लिए नो-गो (वर्जित) क्षेत्रों को 99 प्रतिशत तक कमी करके लगभग 10 लाख वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में खोज और उत्पादन को युक्तिसंगत बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए बड़े सुधार कर रहा है। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय डिपॉजिटरी रजिस्ट्री के माध्यम से अच्छी गुणवत्ता वाला भूवैज्ञानिक डेटा उपलब्ध हो सकेगा।

श्री पुरी ने एक के बाद एक कई ट्वीट के जरिए कहा कि जैव ईंधन, गैस आधारित अर्थव्यवस्था, हरित हाइड्रोजन, पेट्रोकेमिकल्स और अपस्ट्रीम क्षेत्रों के क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच अपार संभावनाएं स्पष्ट हैं और इसे निजी क्षेत्र की कंपनियों के सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार के सुधार उपायों के कारण, वैश्विक तेल कंपनियों द्वारा भारतीय ईएंडपी में अभूतपूर्व रुचि दिख रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि अन्वेषण और उत्पादन क्षेत्र के लिए भारत सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता का संकेत देते हुए श्री पुरी ने दुनिया की तेल और गैस राजधानी (ह्यूस्टन) में विशेष कोल-बेड मीथेन (सीबीएम) और अपतटीय क्षेत्र में तेल खोज और निकासी के लिए नीलामी के दौर का शुभारंभ करने की घोषणा की। इसके तहत 2.3 वर्ग किमी से अधिक क्षेत्र की पेशकश की गयी है। इससे पहले सरकार ने 10 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक नो गो क्षेत्रों में नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गयी थी। श्री पुरी ने वहां यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम द्वारा आयोजित गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता की। गोलमेज सम्मेलन में ऊर्जा की बड़ी कंपनियों के वरिष्ठ नेतृत्व सहित 35 कंपनियों के 60 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में भारतीय ऊर्जा सार्वजनिक उपक्रमों ने भी भाग लिया।

शक्कर सस्ती,खाद्य तेलो में नरमी, दलहनों में मजबूती, दाल महंगी, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर नरमी लिए बताई गई। खाद्य तेल मांग सुस्त होने से नरमी रही। दलहनो में तेजी दर्ज की गई। वहीं दालों में भाव ऊंचे बोले गये। चावल में उठाव साधारण रहा।

शक्कर में पूछपरख बताई गई। आज शक्कर में कामकाज 3680 से 3720 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 06 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा में कामकाज बना रहा।

खाद्य तेल में लिवाली अटकने से भाव गिरावट लिए रहे। आज सोयाबीन रिफाइंड में भाव नरम बोले गए। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली रही।

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मसूर तेजी लिए रहा। इसमें 50 से 60 रुपये तक बढ़ गए। दालों में मांग सुस्ती से भाव नीचे बोले गए। चावल में उठाव साधारण बताया गया। शक्कर 3680 से 3720 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 158 से 178 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 1925 से 3175 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 5700 से 7000, पैकिंग में 7200 से 7400 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों निमाड़ी 5800 से 6000, सोयाबीन 4200 से 4800 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल इंदौर 1710 से 1720, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1275 से 1280, सोयाबीन साल्वेंट 1235 से 1240, पाम तेल 995 से 1000 रुपये प्रति 10 किलो।

चना (कांटा) 4800 से 4850, मसूर 6350 से 6400, तुअर निमाड़ी 6600 से 7100, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 7500 से 7700, तुअर (कर्नाटक) 7700 से 7900, मूंग 6800 से 7000, मूंग हल्की 5700 से 6300, उड़द 7300 से 7500, उड़द हल्की 3000 से 4000 रुपये प्रति क्विंटल। चना दाल 6100 से 6600, तुअर दाल सवा नंबर 9500 से 9600, तुअर दाल फूल 10000 से 10200, तुअर दाल बोल्ड 10800 से 11200, आयातित तुअर दाल 9100 से 9200, मसूर दाल 7700 से 8000, मूंग दाल 8850 से 9150, मूंग मोगर 9300 से 9650, उड़द दाल 9000 से 9300, उड़द मोगर 8900 से 9200 रुपये प्रति क्विंटल।

बासमती 10500 से 11500, तिबार 8500 से 9500, दुबार 7500 से 8500, मिनी दुबार 6500 से 7500, मोगरा 4000 से 6000, बासमती सैला 7500 से 9500, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2550 से 2700, हंसा सैला 2500 से 2675, हंसा सफेद 2450 से 2500, पोहा 4200 से 4600 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा 1590 से 1600, मैदा 1480 से 1490, आटा 1400 से 1410, चना बेसन 3275 से 3300 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

प्रगति मैदान में शुरू हुआ पावरजेन इंडिया

नयी दिल्ली। बिजली उत्पादन, विरतण और पारेषण उद्योग से जुड़ी कंपनियों को एक मंच प्रदान करने वाला तीन दिवसीय पारवजेन इंडिया , इंडियन यूटिलिटी वीक और डिस्ट्रीब्यूटेक इंडिया आज से राजधानी के प्रगति मैदान में शुरू हुआ। ब्रिटेन की क्लेरियन एनर्जी के सहयोग से आईटीईएन मीडिया ने इसका आयोजन किया है। इसमें 200 से अधिक कंपनियां अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन कर रही है। इस दौरान विभिन्न विषयों पर सेमीनार भी आयोजित किये जा रहे हैं जिसमें 150 से अधिक वक्ता और 500 से अधिक प्रतिनिधी भाग ले रहे हैं। इसमें 8000 से अधिक लोगों के आने का अनुमान है। आयोजकों ने कहा कि इस तीन दिवसीय शो का उद्देश्य भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के मिशन को आसान बनाना है। आईटीईएन मीडिया के सीईओ अभिषेक भटनागर ने कहा कि भारत के नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य के साथ सभी के लिए विश्वसनीय एवं किफायती बिजली आधुनिक बिजली प्रणाली की शुरूआत करेगी।

डीएचएल एक्सप्रेस का दीवाली फेस्टिव ऑफर

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय एक्सप्रेस सेवा प्रदाता डीएचएल एक्सप्रेस ने दीवाली के मद्देनजर खुदरा ग्राहकों के लिए फेस्टिव ऑफर की पेशकश की है जिसके तहत अब 2 किलो से ज्यादा के शिपमेंट पर कम से कम 50 प्रतिशत की छूट के साथ विदेशों में उपहार और मिठाइयाँ भेजे जा सकते हैं। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह ऑफर 29 अक्टूबर तक है। इस दीवाली ऑफर के साथ डीएचएल का लक्ष्य दुनियाभर में मौजूद अपने दोस्तों और परिवार से जुड़े रहने में ग्राहकों की मदद करना है। उसने कहा कि दीवाली ऑफर के साथ मीलों दूर रहने वालों को घर पर होने का एहसास देने की पेशकश की गयी है। 220 देशों और क्षेत्रों को कवर करने वाले डीएचएल के डोर-टू-डोर शिपिंग एवं ट्रैकिंग ऑप्शन के साथ लक्ष्य अपने ग्राहकों का भरोसेमंद सर्विस पार्टनर बनना है।

वेदांत एसेट हुयी बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध

मुंबई। वेदांत एसेट लिमिटेड का बुधवार को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने के साथ ही यह इसमें शामिल होने वाली 403वीं कंपनी बन गयी है। वेदांत एसेट लिमिटेड ने 10 रुपये के मूल्य वाले 7,50,000 इक्विटी शेयरों का सार्वजनिक शेयर निर्गम (आईपीओ) पेश किया था जिसे 40 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया था। इसकी कुल मिलाकर राशि तीन करोड़ रुपये थी। कंपनी ने गत चार अक्टूबर को अपना आईपीओ सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था। बैंक ऑफ इंडिया, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक (जेआरजीबी) और मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक (एमपीजीबी) के कॉरपोरेट बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) के रूप में वेदांत एसेट कारोबार में लगा हुआ है और म्यूचुअल फंड वितरण व्यवसाय के तहत 350 से अधिक वेदांत मित्रों की साझेदारी के आधार के माध्यम से ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी स्थानों में 100 करोड़ रुपये से अधिक की परिसंपत्ति को संभाल रहा है। वेदांत एसेट की मुंबई स्थित हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड प्रमुख प्रबंधक थी।

सीतारमण ने येलेन से की मुलाकात

वॉशिंगटन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन के साथ वर्तमान वैश्विक वृहद आर्थिक स्थिति पर चर्चा की। सीतारमण ने इस यात्रा में सबसे पहले अमेरिकी वित्त मंत्री के साथ मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने सुश्री येलेन को नवंबर में भारत में होने वाली अमेरिका भारत आर्थिक और वित्तीय सहयोग बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया। सुश्री येलेन की वित्त मंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी।

शार्ट न्यूज

कुलदीप ने एकदिवसीय रैंकिंग में छलांग लगाई

दुबई। भारत के बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में शानदार गेंदबाजी की बदौलत आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में सात पायदान की छलांग लगाई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी रैंकिंग के अनुसार कुलदीप 563 रेटिंग पॉइंट के साथ 25वें पायदान पर आ गये हैं। कुलदीप ने दिल्ली में खेले गये आखिरी वनडे में 18 रन देकर चार विकेट लिये, जिसकी बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर सात विकेट से जीत दर्ज की और शृंखला 2-1 से अपने नाम की। इसी बीच, श्रेयस अय्यर (33), शुभमन गिल (37) और संजू सैमसन (93) ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय रैंकिंग हासिल की है। सैमसन ने जहां शृंखला के पहले मैच में 86 रन की नाबाद पारी खेली थी, वहीं अय्यर ने दूसरे मैच में शतक जड़ा था। गिल ने तीसरे मैच में 49 रन की पारी खेलकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में केवल 25 रन बनाने वाले शिखर धवन छह पायदान गिरकर रैंकिंग में 17वें स्थान पर आ गये हैं।

गढ़वाल की आकर्षक जीत

नयी दिल्ली। गढ़वाल एफसी ने बुधवार को रेंजर्स एफसी को 5-2 से हराकर खेलो इंडिया दिल्ली महिला प्रीमियर लीग में एक और शानदार जीत के साथ पूरे अंक अर्जित किए। विजेता के लिए सांफिदा और मोनिशा ने दो-दो गोल जमाए, जबकि फ्रॉगरैंसी ने एक गोल किया। रेंजर्स के दोनों गोल विपांशी ने किए। गढ़वाल पहले ही उपविजेता का सम्मान पा चुकी है। दूसरे मैच में ईव्स स्पोर्ट्स क्लब ने जगुआर एफसी को 13-0 से रौंद डाला। विजेता के लिए पुष्पा देवी (4) और वर्षा ने तिकड़ी जमाई। स्वेता और जूही सिंह ने दो-दो किये जबकि अंजलि और प्रीती ने एक-एक गोल किया।

डिस्कस थ्रोअर एथलीट कमलप्रीत पर डोपिंग के कारण तीन साल का प्रतिबंध

लुसाने। भारतीय डिस्कस-थ्रो खिलाड़ी कमलप्रीत कौर पर डोपिंग के आरोप में तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। एथलेटिक्स अखंडता इकाई (एआईयू) ने बुधवार को यह जानकारी दी। एआईयू ने ट्वीट किया, एआईयू ने भारत की कमलप्रीत कौर को 29 मार्च 2022 से प्रतिबंधित पदार्थ (स्टेनोजोलोल) की उपस्थिति/उपयोग के लिए तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। इस प्रतिबंध के कारण सात मार्च के बाद के कमलप्रीत के सभी परिणाम अमान्य हो गये हैं। अखंडता इकाई ने टोक्यो ओलंपिक में छठे स्थान पर रही कमलप्रीत की प्रतिबंध अवधि में एक वर्ष की कमी की क्योंकि उन्होंने इस प्रतिबंध को स्वीकार किया है। एआईयू ने कहा कि नियम 10.8.1 के अनुसार, डोपिंग रोधी नियम (एडीआर) में प्रावधान है कि संभावित रूप से चार साल की अपात्रता की अवधि के अधीन एक एथलीट प्रतिबंध की स्वीकृति के आधार पर अपात्रता की अवधि में एक साल की कमी से लाभान्वित हो सकता है।

महिला खिलाड़ियों ने लगातार देश का नाम बढ़ाया : ओम बिरला

सूरत/नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में बुधवार को कहा कि महिला खिलाड़ियों ने हमेशा देश का मान बढ़ाया है। श्री बिरला ने खेल समेत हर क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता पर कहा कि आज देश की बेटियां मात्र खेलों में ही नहीं बल्कि शिक्षा और विज्ञान सहित समाज के हर क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत की महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाया है। इस अवसर पर भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, सांसद, गुजरात सरकार के मंत्रीगण और विधायकगण मौजूद रहे। श्री बिरला ने खिलाडियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कहा कि खेल के मैदान की ऊर्जा और खिलाड़ियों की खेल भावना समाज और जीवन के हर क्षेत्र में उनका मार्गदर्शन करती है। उन्होंने कहा कि खेल भावना हमें राजनीति और व्यापार से लेकर शिक्षा के क्षेत्र तक सकारात्मक प्रतिस्पर्धा सिखाती है ताकि हम सदैव दूसरों को साथ लेकर निरंतर आगे बढ़ते रहें। श्री बिरला ने हर्ष व्यक्त किया कि इस वर्ष पहली बार राष्ट्रीय खेलों में पारंपरिक योगासन और मलखंभ को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यह खेल हमारी विरासत का हिस्सा हैं, जिन पर सभी भारतीयों को गर्व है। श्री बिरला ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल के बारे में कहा कि खेल के प्रति सरकार के समर्पण के कारण खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा है, जिसकी बदौलत खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर कई पदक जीतकर भारत का परचम लहरा रहे हैं।

राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा ने बढ़ाया प्रदेश का मान

चंडीगढ़। गुजरात में चल रहे 36वें राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण पदक सहित दस पदक जीत कर राज्य का मान बढ़ाया। इन खेलों में हरियाणा ने 38 स्वर्ण पदक सहित कुल 116 पदक जीते कर पदक तालिका में तीसरे स्थान पर है। सबसे खास बात यह रही कि 38 स्वर्ण पदकों में से हरियाणा ने 37 स्वर्ण पदक ओलंपिक खेलों में जीते हैं, जो किसी भी अन्य राज्य से दोगुने से भी ज्यादा हैं। पिछले तीन संस्करणों में हरियाणा के पदकों की संख्या इस बार सबसे अधिक रही है। पिछले राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा ने 107 खेलों में जीत हासिल की थी। हालांकि, पदक तालिका में सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड शीर्ष पर हैं। यह भी खुशी और गर्व की बात है कि कुल पदक विजेताओं में से 80 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधित्व हरियाणा से ही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी जीत पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और भविष्य में भी इसी प्रकार अपना उम्दा प्रदर्शन करने की कामना की। उन्होंने कहा कि विजेता खिलाड़ियों को राज्य सरकार की खेल नीति के अनुसार पुरस्कार व नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों की मेहनत के बल पर ही आज हरियाणा की खेलों के क्षेत्रों में ऐसी पहचान बनी है कि अन्य राज्य भी हरियाणा की खेल नीति का अनुसरण करने लगे हैं। राज्य के खिलाड़ी इसी प्रकार अपने बेहतरीन प्रदर्शन से हरियाणा और भारत का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करते रहेंगे।

राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा ने बढ़ाया प्रदेश का मान

चंडीगढ़। गुजरात में चल रहे 36वें राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण पदक सहित दस पदक जीत कर राज्य का मान बढ़ाया। इन खेलों में हरियाणा ने 38 स्वर्ण पदक सहित कुल 116 पदक जीते कर पदक तालिका में तीसरे स्थान पर है। सबसे खास बात यह रही कि 38 स्वर्ण पदकों में से हरियाणा ने 37 स्वर्ण पदक ओलंपिक खेलों में जीते हैं, जो किसी भी अन्य राज्य से दोगुने से भी ज्यादा हैं। पिछले 3 संस्करणों में हरियाणा के पदकों की संख्या इस बार सबसे अधिक रही है। पिछले राष्ट्रीय खेलों में हरियाणा ने 107 खेलों में जीत हासिल की थी। हालांकि, पदक तालिका में सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड शीर्ष पर हैं। यह भी खुशी व गर्व की बात है कि कुल पदक विजेताओं में से 80 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधित्व हरियाणा से ही है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को उनकी जीत पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी और भविष्य में भी इसी प्रकार अपना उम्दा प्रदर्शन करने की कामना की। उन्होंने कहा कि विजेता खिलाड़ियों को राज्य सरकार की खेल नीति के अनुसार पुरस्कार व नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों की मेहनत के बल पर ही आज हरियाणा की खेलों के क्षेत्रों में ऐसी पहचान बनी है कि अन्य राज्य भी हरियाणा की खेल नीति का अनुसरण करने लगे हैं। राज्य के खिलाड़ी इसी प्रकार अपने बेहतरीन प्रदर्शन से हरियाणा और भारत का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करते रहेंगे।उनके अनुसार ओलंपिक खेलों में भारत के पदक विजेत खिलाड़ियों में एक तिहाई से अधिक प्रतिनिधित्व करने वाला हरियाणा अधिक से अधिक ओलंपिक पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे शमी, सिराज, शार्दुल

एजेंसी

मुंबई। मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर की भारतीय तिकड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टी20 विश्व कप 2022 के लिये गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया रवाना होगी। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने बुधवार को यह जानकारी दी।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने बताया कि विश्व कप में भारत के अतिरिक्त खिलाड़ी दीपक चाहर की पीठ में चोट के कारण टी20 विश्व कप में खेलने की उनकी संभावनाएं लगभग समाप्त हो गयी हैं। चाहर के अलावा दो अन्य अतिरिक्त खिलाड़ी, श्रेयस अय्यर और रवि बिश्नोई फिलहाल ऑस्ट्रेलिया नहीं जा रहे।

भारत की मुख्य टीम छह अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुई थी, जहां खिलाड़ियों ने पिछले एक सप्ताह में प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लेने के साथ-साथ पश्चिम ऑस्ट्रेलिया एकादश के साथ एक अभ्यास मैच भी खेला। उनका अगला अभ्यास मैच गुरुवार (13 अक्टूबर) को होना है।

शीर्ष गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के चोटग्रस्त होने के कारण भारत की विश्व कप स्क्वाड में फिलहाल 14 खिलाड़ी ही हैं। चाहर के चोटग्रस्त होने के बाद अतिरिक्त खिलाड़ी शमी के विश्व कप स्क्वाड में शामिल होने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं।

शमी ने पिछले साल नवंबर में समाप्त हुए 2021 टी20 विश्व कप के बाद से कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है।

वह कोविड-19 से उबरने के बाद बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण ले रहे हैं। वह कोरोनावायरस के कारण ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू शृंखलाओं में नहीं खेल सके थे।

पर्थ में गुरुवार को अभ्यास मैच के बाद रोहित शर्मा की टीम को ब्रिस्बेन की यात्रा करनी है, जहां वह क्रमश: 17 और 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व कप के दो आधिकारिक अभ्यास मैच खेलेगी।

भारतीय टीम इसके बाद 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करने के लिये मेलबर्न का रुख करेगी। भारत सुपर 12 के ग्रुप दो में पाकिस्तान, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और पहले दौर की दो क्वालीफायर टीमों के साथ है।

भारत की टी20 विश्व कप टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, अर्शदीप सिंह।

सूर्यकुमार मुझे डिविलियर्स की याद दिलाते हैं : स्टेन

एजेंसी

कोलकाता। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज़ गेंदबाज़ डेल स्टेन ने टी20 विश्व कप 2022 से पहले भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की तारीफ करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया की पिच सूर्यकुमार के लिये फायदेमंद साबित होंगी और वह उन्हें एबी डिविलियर्स की याद दिलाते हैं।

स्टेन ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट लाइव पर कहा, वह उस तरह के खिलाड़ी हैं जो गेंद की गति का उपयोग करना पसंद करते हैं। वह विकेट के पीछे शॉट खेलना पसंद करते हैं। पर्थ, मेलबर्न जैसी जगहों पर इन सभी मैदानों पर थोड़ी अतिरिक्त गति है। आप गति का उपयोग करके फाइन लेग पर और विकेट के पीछे खेल सकते हैं।

स्टेन ने कहा, सूर्यकुमार बैक-फुट पर भी अच्छा खेलते हैं। उन्होंने कुछ शानदार बैक फुट कवर ड्राइव और फ्रंट फुट से भी कुछ खूबसूरत कवर ड्राइव खेले हैं। ऑस्ट्रेलिया में पिचें बल्लेबाज के अनुकूल हैं। वह '360 डिग्री' खिलाड़ी है, और जो मुझे एबी डिविलियर्स की याद दिलाते हैं। वह एबी डिविलियर्स का भारतीय संस्करण बन सकते हैं।

वह इस समय जिस फॉर्म में हैं, विश्व कप में निश्चित रूप से गेंदबाजों के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं।

स्टेन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में शतक जड़ने वाले श्रेयस अय्यर की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, आप अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए कुछ चीजें कर सकते हैं, लेकिन श्रेयस अय्यर इस समय जिस तरह की बल्लेबाजी कर रहे हैं, मुझे नहीं लगता कि उन्हें बहुत कुछ बदलना होगा। वह शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। वह गेंद को फुटबॉल की तरह देख रहे हैं और भारत में उनकी फॉर्म काफी समय से ऐसी रही है।

शुरुआती गलतियों से मैच हारे : डेनरबी

भुवनेश्वर। भारतीय महिला अंडर-17 फुटबॉल टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनरबी ने फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022 में अपने पहले मैच में अमेरिका (8-0) से हारने के बाद स्वीकार किया कि मैच की शुरुआती गलतियां उनकी हार का कारण बनीं। डेनरबी ने कहा, मेरा मानना है कि लड़कियां विरोधियों के सामने कुछ ज्यादा ही दबाव में थीं। यह उनका पहला विश्व कप मैच था। वे दबाव को नहीं संभाल सकीं। इस स्तर पर और ऐसे प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ भावनाओं को नियंत्रित करना बहुत कठिन है। खिताब के आकांक्षी अमेरिका ने मंगलवार रात यहां कलिंग स्टेडियम में भारत को 8-0 से हराया। स्वीडन के 63 वर्षीय कोच ने कहा, हमने अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ खेला और यह वास्तव में हमारे लिए कठिन था। हम बॉल को पास करने के लिए पर्याप्त आश्वस्त नहीं थे और उन्होंने खेल में कुछ शुरुआती गलतियां कीं जिसने वास्तव में हमारे प्रदर्शन को प्रभावित किया। दूसरी ओर, भारत की कप्तान अस्तम उरांव ने 0-8 की एकतरफा हार के बाद टीम की गलतियां स्वीकार करते हुए कहा, हम जानते हैं कि हम उनके सामने काफी अच्छे नहीं थे। उनकी गति, उच्च दबाव की रणनीति सहित सब कुछ हमसे मजबूत था। उन्होंने कहा, हमने मुकाबले से बहुत कुछ सीखा है और अपने कमजोर क्षेत्रों पर काम करके हम अपने अगले मैच में बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे। भारत को अपने अगले मुकाबले में शुक्रवार को मोरोक्को अंडर-17 टीम का सामना करना है, जो भारत की तरह ही अपना पहला विश्व कप खेल रही है। जब कोच डेनरबी से पूछा गया कि वह अगले मैच से पहले खिलाड़ियों को किस तरह प्रेरित करेंगे, तो उन्होंने कहा, कोच का चेहरा भी खिलाड़ी का चेहरा होता है। तो मैं मुस्कुराता रहूंगा और उन्हें हर संभव तरीके से सहारा दूंगा। मैंने लॉकर रूम में लड़कियों से बात की और कहा कि लड़कियों, सूरज फिर भी निकलेगा और हमारी एक नयी सुबह होगी। हमें हार को स्वीकार करना होगा और मजबूत होकर वापसी करनी होगी।

आठ रन से जीती इंग्लैंड, शृंखला में 2-0 की बढ़त बनाई

कैनबरा। इंग्लैंड ने डेविड मलान (82) के अर्द्धशतक और सैम करन (25/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टी20 में बुधवार को आठ रनों से हराकर शृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 178 रन बनाये, जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया 170 रन तक ही पहुंच सकी।

मलान ने शुरुआती विकेट गिरने के बाद इंग्लैंड की पारी को संभालते हुए 49 गेंदों पर सात चौकों और चार छक्कों की बदौलत 82 रनों की पारी खेली। मोईन अली ने उनके साथ पांचवें विकेट के लिये 92 रनों की साझेदारी करते हुए 27 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों के साथ 44 रन बनाये जिससे इंग्लैंड ने 20 ओवर में 178/8 का स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया के मध्यक्रम ने 179 रन के लक्ष्य का पीछा पारी को संबल दिया। मिचेल मार्श (45) और टिम डेविड (40) ने ऑस्ट्रेलिया को मैच जिताकर शृंखला जीवित रखने का प्रयास किया लेकिन करन के तीन विकेटों की बदौलत इंग्लैंड ने कंगारुओं को लक्ष्य से नौ रन पीछे रोक दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और पहले मैच में 132 रन की विस्फोटक साझेदारी करने वाली जॉस बटलर और एलेक्स हेल्स की सलामी जोड़ी 31 रन के अंदर ही पवेलियन लौट गये। कप्तान बटलर ने 13 गेंदों पर 17 रन बनाये जबकि हेल्स ने सात गेंदों पर मात्र चार रन जोड़े।

पहले मैच में सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आये मलान को कैनबरा में तीसरे नंबर पर भेजा गया और उन्होंने उसका भरपूर फायदा उठाया। इंग्लैंड के चार विकेट 54 रन पर गिरने के बाद मलान ने संयम के साथ पारी को आगे बढ़ाया। मोईन अली ने ग्लेन मैक्सवेल के हाथों जीवनदान मिलने के बाद मलान का साथ दिया और दोनों ने 92 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया।

जी-7 देशों को पुतिन का जवाब

चाहे कोई नियम बना लो, रूस कम कीमत पर तेल नहीं बेचेगा

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका देश किसी भी हालत में कम कीमत पर तेल नहीं बेचेगा। पुतिन का ये बयान ऐसे समय में आया है जब ग्रुप ऑफ सेवन (जी 7) द्वारा दुनिया भर में बेचे जाने वाले रूसी तेल की कीमत पर कैप लगाने का वादा किया गया है। जी-7 देशों की घोषणा के बाद पुतिन ने कहा कि वे चाहे कोई नियम बना लें लेकिन रूस अपने तेल को कम कीमत पर नहीं बेचेगा।

रूसी सरकारी मीडिया आरटी के रूसी ऊर्जा सप्ताह 2022 कार्यक्रम में बोलते हुए, पुतिन ने कहा, मुझे यह कहना है कि रूस हमारे अपने हितों के खिलाफ काम नहीं करेगा। हम तेल या गैस को कम कीमत पर ऑफर करके अपनी स्थिति को कम करने का काम नहीं करेंगे। नहीं, हम उनके (जी-7) आगे नहीं झुकेंगे। हम दूसरों द्वारा तय किए गए नियमों पर नहीं चलेंगे। हम हमारे नुकसान के लिए काम नहीं करेंगे।

पश्चिमी देश रूस से उसकी आय का सबसे बड़ा स्रोत तेल छीनने के प्रयास तेज कर रहे हैं।

यूरोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन में युद्ध अपने आठवें महीने के करीब है, जिसका कोई समाधान नहीं निकल रहा है। ऐसे में पश्चिमी देशों को संदेह है कि रूस तेल की निरंतर बिक्री से अपने मुनाफे के साथ युद्ध को तेज कर रहा है। रूस के बजट का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा तेल से आता है।

अगर जी-7 तेल की कीमत पर कैप लगाता है तो रूस दुनिया के अन्य देशों में उससे ज्यादा कीमत पर नहीं बेच पाएगा। हालांकि अभी तक जी-7 देशों ने रूसी तेल की कीमत तय नहीं की है। अगर रूसी तेल की कीमत पर कैप लगाई जाती है, तो रूस के राजस्व पर इसका बुरा असर पड़ेगा।

यूरोन्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के केंद्रीय बैंक के अनुसार, कच्चे तेल का निर्यात 2021 में 113 बिलियन यूरो था।

रूस यूरोप को गैस की आपूर्ति में वृद्धि कर सकता है : पुतिन

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को कहा कि उनका देश बाल्टिक सागर के जरिए जर्मनी जाने वाली नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन से यूरोप को गैस की आपूर्ति फिर शुरू करने के लिए तैयार है। पुतिन ने मास्को में एक ऊर्जा मंच को संबोधित करते हुए फिर आरोप लगाया कि नॉर्ड स्ट्रीम 1 पाइपलाइन के दोनों लिंक और नॉर्ड स्ट्रीम 2 पाइपलाइन के दो में से एक लिंक में विस्फोटों के पीछे अमेरिका का हाथ होने की आशंका है। पाइपलाइन में विस्फोटों के कारण बड़े पैमाने पर गैस का रिसाव हुआ और आपूर्ति ठप हो गई। अमेरिका पहले भी पुतिन के ऐसे आरोपों को खारिज कर चुका है।

पाकिस्तान को तकनीकी समर्थन की आवश्यकता : फजल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत के स्वास्थ्य मंत्री अजरा फजल पेचुहो ने कहा कि प्राकृतिक आपदा समस्याओं से ग्रसित देश को अब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा समर्थन प्राप्त हुआ है, लेकिन जलवायु परिवर्तन में सुधार के लिए तकनीकी सहायता की तत्काल आवश्यकता है। पाकिस्तान के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए सिंध की राजधानी कराची में मंगलवार को श्री पेचुहो ने कहा, हमें आपदाओं से बचाव के लिए तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश में विनाशकारी बाढ़ का पानी महीनों से जगह-जगह भरा हुआ है, जिससे लोगों पर निमोनिया और सांस से संबंधित अन्य बीमारियां लगने का भी खतरा मंडरा रहा है। श्री पेचुहो ने कहा कि सिंध में 74 लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

न्यूजीलैंड में 400 से अधिक व्हेल मछलियों की मौत, शार्क की वजह से नहीं मिली मदद

एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड में पिछले एक हफ्ते में 400 से अधिक व्हेल मछलियों की मौत हो गई है। इनमें से अधिकांश मछलिओं को मारा गया है। बुधवार को न्यूजीलैंड के पिट द्वीप पर 240 पायलट व्हेल मछलियों के मरने की पुष्टि हुई है। ये व्हेल मछलियां समुद्र तट के किनारे पर फंसी हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि व्हेल मछलियों के फंसे होने की स्थानों की न्यूजीलैंड की मुख्य भूमि से दूरी ने बचाव अभियान को असंभव बना दिया था। जिसके बाद प्रशासन ने उन्हें %इच्छा मृत्यू% देना का फैसला किया। मनुष्यों और पायलट व्हेल मछलिओं पर शार्क के हमलों के जोखिम को देखते हुए जिंदा बची व्हेल मछलिओं को इच्छा मृत्यू दे गई।

एजेंसी के मुताबिक, सरकारी तकनीकी समुद्री सलाहकार डेव लुंडक्विस्ट ने बताया कि व्हेल मछलियों को इच्छा मृत्यू देने के फैसले को कभी हल्के में नहीं लिया जाता है। इस तरह के मामलों में यह सबसे बेहतर विकल्प होता है।

शार्क के हमलों के जोखिम के कारण क्षेत्र में व्हेल मछलियां फिर से तैरने की कोशिश नहीं कर सकती है।

व्हेल मछलियों का पहला गुट न्यूजीलैंड के चैथम द्वीप पर शनिवार को फंसा मिला था, जो कि न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप के पूर्वी तट से करीब 840 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस द्वीप पर मनुष्यों की उपस्थिति न के बराबर है। जिसके बाद जिंदा बची हुई व्हेल मछलियों को इच्छा मृत्यू दे दी गई।

रहस्यमयी घटनाओं में से एक

व्हेल बीचिंग समुद्री विज्ञान की सबसे रहस्यमय घटनाओं में से एक है, जिसे समुद्री जीवविज्ञानी अभी तक डिकोड नहीं कर पाए हैं।

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि तट के बेहद करीब आने की वजह से व्हेल मछलियां फंस जाती हैं। जिसके बाद उनकी वापसी मुश्किल हो जाती है।

आंग सान सू की को और तीन वर्ष की सजा

नेपीडॉ। म्यांमार की राजधानी नेपीडॉ की एक अदालत ने देश की अपदस्थ नेता आंग सान सू की को रिश्वत लेने के आरोप में और तीन वर्ष कैद की सजा सुनाई है। न्यूज पोर्टल अय्यरवाडी की रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने नेपीडॉ केंद्रीय कारागार क्षेत्र हुई एक निजी सुनवाई में म्यांमार की राजनेता के खिलाफ यह फैसला सुनाया, जहां वह अपनी सजा काट रही हैं। उन्हें रिश्वत लेने के दो मामलों में दोषी पाया गया और प्रत्येक मामले में तीन-तीन वर्ष की सजा सुनाई गई, जिसे एक साथ पूरा किया जाना है। उन पर रिश्वत का आरोप कथित रूप से उनकी मां और जनरल आंग सान की पत्नी महा थिरी थुदम्मा खिन की के नाम से एक धर्मार्थ फाउंडेशन को 2018-2019 में कई व्यवसायियों द्वारा धन हस्तांतरण करने से संबंधित हैं। सू की को 1991 में शांति का नोबेल पुरस्कार मिला था और वह फरवरी 2021 तक म्यांमार की स्टेट काउंसलर रही थीं, जो प्रधानमंत्री के समकक्ष होता है, जिसके बाद सेना ने देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया। जुंटा ने सू की की सरकार को उखाड़ फेंका और तत्कालीन राष्ट्रपति विन मिंट के साथ उन्हें नजरबंद कर दिया। आज की सजा के साथ वह कुल 26 वर्ष जेल में बिताएंगी।

उड़ान भरते ही निकला बोइंग 747 का पहिया

रोम। इटली टरांटो में विमान बोइंग 747-400 ड्रीमलिफ्ट का एक पहिया विमान के उड़ान भरते ही निकल गया। यह हादसा मंगलवार को घटित हुआ। ब्रिटिश अखबार द सन ने अपनी रिपोर्ट में इस हादसे की एक तस्वीर प्रकाशित की है, जिसमें विमान का एक पहिया निकला हुआ दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक उड़ान भरने के बाद विमान के एक पहिया से धुआं निकलने लगा और विमान से निकल कर गिर गया। कथित तौर पर विमान का पहिया हवाई अड्डा के बाहरी क्षेत्र से बरामद कर लिया गया। प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक एक बड़ा आकार का जम्बो जेट विमान अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में सुरक्षित तरीके से लैंड कर लिया।

मिस हिटलर को मिली कैदखाने से आज़ादी

लंदन। ब्रिटेन में मिस हिटलर के नाम से आयोजित एक सौंदर्य प्रतियोगिता में शिरकत करने वाली महिला को 26 माह तक जेल में रहने के बाद आखिरकार आज़ादी मिल गयी है। एलिस कटर (25) की पेरोल की सुनवायी अदालत में मार्च में हुई और उसे सोमवार को बताया गया कि उसे तीन साल की सजा भुगतने के बाद लाइसेंस पर रिहा किया जायेगा। कटर और उसके तीन अन्य साथियों को उग्र दक्षिणपंथी संगठन नेशनल एक्शन (एनए) का सदस्य साबित होने के बाद 2020 में सजा सुनायी गयी थी । इस संगठन पर ब्रिटेन में प्रतिबंध है। जिस सौंदर्य प्रतियोगिता में कटर ने हिस्सा लिया था उसका नाम नाजी यातना शिविर के नाम पर रखा गया थो। कटर के साथियों मार्क जोंस, गैरी जैक और कोनोर स्कॉदर्न को भी प्रतिबंधित संगठन के साथ संबंधों के कारण कारावास की सजा सुनायी गयी थी । कटर को तीन साल, जोंस को साढ़े पांच साल, जैक को साढ़े चार साल और स्कॉदर्न को 18 महीने के लिए हिरासत में रखने की सजा सुनायी गयी थी। सजा काटने के दौरान कटर ने जेल में अच्छा व्यवहार दर्शाया और इसी आधार पर पेरोल सुनवायी के दौरान कुछ शर्तों के साथ उसे रिहाई दी गयी।

बंगलादेश में मुद्रास्फीति अगस्त में 10 वर्ष के उच्चतम स्तर पर

ढाका। बंगलादेश में मुद्रास्फीति अगस्त माह में बढ़कर 9.52 प्रतिशत हो गया जो पिछले 10 वर्षों में सर्वाधिक है, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की उच्च कीमतें हैं। बंगलादेश सांख्यिकी ब्यूरो (बीबीएस) ने बुधवार को यह जानकारी दी। योजना मंत्री एमए मन्नान ने मंगलवार को कहा कि देश की समग्र मुद्रास्फीति सितंबर माह में घटकर 9.10 प्रतिशत हो गई। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2022 में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़कर 9.94 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल, 2012 के बाद सर्वाधिक है और सितंबर 2022 में मामूली रूप से कम होकर 9.08 प्रतिशत हो गई। गैर खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति सितंबर में बढ़कर 9.13 प्रतिशत हो गई जबकि अगस्त में 8.85 प्रतिशत थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

क्यों मनाते हैं करवा चौथ का पर्व, क्या है इसका महत्व?

13 अक्टूबर 2022 गुरुवार को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा। उत्तर भारत की महिलाओं में इस त्योहार को लेकर खासा उत्साह रहता है। यह पर्व कार्तिक मास के कृ?ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। इस दिन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और रात में चंद्र दर्शन या चांद देखने के बाद ही व्रत का पारण यानी उपवास खोलती हैं। आओ जानते हैं कि क्यों मनाते हैं यह पर्व और क्या है इसका महत्व।

क्यों मनाते हैं करवा चौथ का पर्व

मान्यता के अनुसार कुछ जगहों पर कुंआरी लड़कियां मनोवांछित पति की प्राप्ति या मंगेतर की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं जबकि विवाहित यानी सुहागन स्त्रियां अपने पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और जीवन में तरक्की की कामना हेतु करवा चौथ का व्रत रखती हैं।

क्या महत्व है करवा चौथ त्यौहार का

करवा चौथ विशेष तौर पर नारियों का त्योहार है। हिन्दू धर्म में नारी शक्ति को शक्ति का रूप माना जाता है। कहते हैं कि नारी को यह वरदान है कि वो जिस भी कार्य या मनोकामना के लिए तप या व्रत करेगी तो उसका फल उसे अवश्य मिलेगा। खासकर अपने पति के लिए यदि वे कुछ भी व्रत करती है तो वह सफल होगा।

पौराणिक कथाओं में एक जोर जहां माता पार्वती अपने पति शिवजी को पाने के लिए तप और व्रत करती है और उसमें सफल हो जाती है तो दूसरी ओर सावित्री अपने मृत पति को अपने तप के बल पर यमराज से भी छुड़ाकर ले आती है। यानी स्त्री में इतनी शक्ति होती है कि वो यदि चाहे, तो कुछ भी हासिल कर सकती है। इसीलिए महिलाएं करवा चौथ के व्रत के रूप में अपने पति की लंबी उम्र के लिए एक तरह से तप करती हैं।

कैसे करें करवा चौथ की पूजा, क्या है शुभ मुहूर्त

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए करवा चौथ का व्रत रखती हैं। इस बार यह त्योहार 13 अक्टूबर 2022 गुरुवार को रखा जाएगा। करवा चौथ के व्रत का पारण चंद्रोदय के बाद ही किया जाता है। आओ जानते हैं कि इस दिन के क्या है शुभ मुहूर्त, कब होगा चंद्र उदय और कैसे करें करवा चौथ की पूजा।

करवा चौथ मुहूर्त और पूजा विधि

1. करवा चौथ के शुभ मुहूर्त

करवा चौथ पूजा मुहूर्त- 05 बजकर 54 मिनट से लेकर 07 बजकर 3 मिनट तक।

करवा चौथ चंद्रोदय समय- दिल्ली टाइम के अनुसार चंद्रोदय 08 बजकर 10 मिनट पर।

अभिजित मुहूर्त: दोपहर 12:01 से 12:48 तक।

2. करवा चौथ व्रत की पूजा विधि

1. इस दिन सूर्योदय से पूर्व उठकर घर की साफ-सफाई करें और फिर स्नान करके पूजाघर की सफाई करें।
2. अब सास द्वारा दिया हुआ भोजन करें और भगवान की पूजा करके निर्जला व्रत का संकल्प लें।
3. दिनभर व्रत का पालन करें और कथा पढ़ें या सुनें।
4. फिर शाम को मिट्टी की वेदी पर सभी देवताओं की स्थापना करें और 10 से 13 करवे रखें।
5. अब पूजन-सामग्री में धूप, दीप, चन्दन, रोली, सिन्दूर, फूल, माला आदि थाली में रखें।
6. चन्द्रमा निकलने से लगभग एक घंटे पहले पूजा प्रारंभ करें। पूजा के दौरान करवा चौथ कथा सुनें या सुनाएं।
7. जब चंद्रमा निकले तब छलनी के द्वारा उसका दर्शन करें।
8. चंद्र दर्शन के बाद चंद्रमा को जल से अर्घ्य दें और चंद्रमा की पूजा करें।
9. चन्द्र-दर्शन और पूजन के बाद बहू अपनी सास को थाली में सजाकर मिष्ठान, फल, मेवे, रुपए आदि देकर उनका आशीर्वाद लें।
10. अब व्रत का पारण करें अर्थात पहले थोड़ा जल का सेवन करें और फिर भोजन करें।

पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है करवा चौथ

भारत एक धर्म प्रधान व आस्थावान देश हैं। यहां साल के सभी दिनो का महत्व होता है तथा साल का हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह भारत के राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब 4 बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं।

करवा चौथ का व्रत हर साल महिलाओं द्वारा अपने पतियों के लिए किया जाता हैं और यह न केवल एक त्यौहार है बल्कि यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्तों का पर्व है। कहने को तो करवा चौथ का त्यौहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति और उसकी क्षमताओं का सवश्रेष्ठ उदहारण हैं। क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती हैं तो फ़िर वह क्या नहीं कर सकती हैं। आज के नये जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती है। आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती है। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती है। पत्नी का अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहें हो मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है।

किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य व सौभाग्य की कामना करती हैं वे व्रत रखती हैं। बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर नैवेद्य अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

यह व्रत लगातार 12 अथवा 16 वर्ष तक हर वर्ष किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। इसीलिये सुहागिन स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करती है।

शास्त्रों के अनुसार पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। करवा चौथ में दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्घ्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में करवा चौथ व्रतोत्सव ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्घ्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रातः स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार 10 अथवा 13 करवे रखें।

करवा चौथ के बारे में व्रत करने वाली महिलाएं कहानी सुनती है। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्घ्य देकर फिर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चाँदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएँ अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथ का व्रत बतलाया।

करवा चौथ माता की पौराणिक कथा

इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लडके एवं एक गुणवती लडकी थी। एक बार लडकी मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी। भाइयों से न रहा गया उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी देखो बहन, चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो।

बहन ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दु:खी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दु:ख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दु:ख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला। अब तू वर्ष भर की चौथ का व्रत नियमपूर्वक करना तो तेरा पति जीवित हो जाएगा। उसने इंद्राणी के कहे अनुसार चौथ व्रत किया तो पुन: सौभाग्यवती हो गई। इसलिए प्रत्येक स्त्री को अपने पति की दीर्घायु के लिए यह व्रत करना चाहिए। द्रोपदी ने यह व्रत किया और अर्जुन सकुशल मनोवांछित फल प्राप्त कर वापस लौट आए। तभी से हिन्दू महिलाएं अपने अखंड सुहाग के लिए करवा चौथ व्रत करती हैं।

कहते हैं इस प्रकार यदि कोई मनुष्य छल-कपट, अहंकार, लोभ, लालच को त्याग कर श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक चतुर्थी का व्रत को पूर्ण करता है। तो वह जीवन में सभी प्रकार के दुखों और क्लेशों से मुक्त होता है और सुखमय जीवन व्यतीत करता है। भारत देश में चौथ माता का सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान राज्य के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गांव में स्थित है। चौथ माता के नाम पर इस गांव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया। यहां के चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवाया था।

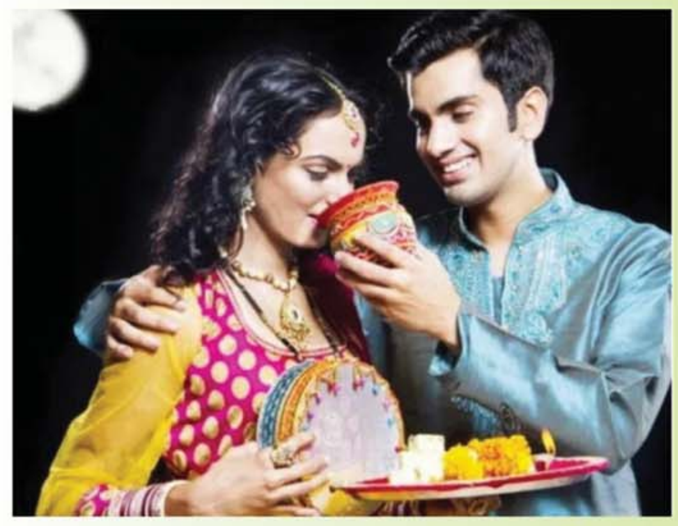

करवा चौथ का व्रत तोड़ा नहीं जाता है, खोला जाता है, पूजा के साथ शब्दों का भी रखें ध्यान

हर वर्ष कार्तिक कृष्ण चतुर्थी के दिन करवाचौथ का शुभ पर्व मनाया जाता है। सुहागिन महिलाएं करवा चौथ व्रत रखती हैं। इस साल करवा चौथ 2022 व्रत 13 अक्टूबर को रखा जा रहा है। यह सौभाग्यवती स्त्रियों का सुन्दर सुहाग पर्व है। इस व्रत में सास अपनी बहू को सरगी देती है। इस सरगी को लेकर बहुएं अपने व्रत की शुरुआत करती हैं। सूर्योदय से पूर्व सुहागन सरगी का सेवन करती है इसके बाद रात में चंद्र दिखने के बाद जल चढ़ा कर व्रत खोलती है।

मान्यता है कि व्रत के लिए 'तोड़ना' शब्द का प्रयोग भी नहीं करना चाहिए, व्रत खोला जाता है या पूरा किया जाता है, तोड़ा नहीं जाता है। सुहागन स्त्रियां इस दिन कठिन निर्जला व्रत रखकर, रात में चंद्रमा देखने के बाद अपना व्रत खोलती हैं। पति की दीर्घायु के लिए इस व्रत को विशेष फलदायी माना गया है। इस व्रत में सायंकाल के समय शुभ मुहूर्त में चांद निकलने से पहले पूरे शिव परिवार की पूजा की जाती है।

करवा चौथ और आपकी राशि: इस साल कौन सा ष्श्घ्श्ह्न शुभ है आपके लिए

गुरुवार को करवा चौथ पर्व हैं। इस दिन सुहागनें सोलह श्रृंगार करती हैं। इस दिन आमतौर पर शादी का जोड़ा पहना जाता है, लेकिन अगर आपके लिए वह संभव नहीं हो तो गहरे लाल रंग के परिधान या साड़ी पहनना भी शुभ माना जाता है।

जानकारों का मानना है कि अगर करवा चौथ पर राशि के हिसाब से ड्रेस पहनें तो शुभ फल की प्राप्ति होती है।

आइए जानते हैं आपकी राशि का शुभ कलर कौन सा है...

1. मेष- गहरा लाल रंग
2. वृष- केसरिया पीला रंग
3. मिथुन- समुद्री हरा
4. कर्क- गुलाबी के सारे शेड्स
5. सिंह- लाल पीला मिश्रित
6. कन्या- हरी लहरिया में साड़ी
7. तुला- गोल्डन और लाल
8. वृश्चिक- परपल कलर की प्लेन साड़ी
9. धनु- नीला, जामुनी या आसमानी
10. मकर- कथई रंग
11. कुंभ- मैरून रंग
12. मीन- ऑरेंज आउटफिट या साड़ी।